प्रयागराज, शुक्रवार, 2 दिसम्बर, 2022

मार्ग शीर्ष, शुक्ल पक्ष 9, वर्ष 11, अंक 223, पृष्ठ 12, मूल्य : 5.00

जनसंदेश टाइम्स

परख सच की

प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

अंदर- दिव्यांगजनों के प्रति बदलनी होगी मानसिकता

अंदर- राहुल ने बीसीसीआई से छुट्टी मांगी, शादी की अटकलें तेज

नगर संस्करण

E-paper : www.jansandeshtimes.net | Portal : www.jansandeshtimes.news

गुजरात में पहले चरण की वोटिंग खत्म

पहले चरण में कुल 59% से ज्यादा लोगों ने किया अपने मताधिकार का प्रयोग

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा चुनाव के पहले चरण की वोटिंग खत्म हो गई। गुजरात के सौराष्ट्र-कच्छ और दक्षिणी क्षेत्रों के 19 जिलों की 89 सीट के लिए मतदान गुरुवार शाम पांच बजे समाप्त हो गया। चुनाव आयोग ने कहा कि मतदान के अंतिम आंकड़ों का इंतजार किया जा रहा है और दोपहर तीन बजे तक 48.48 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। पहले चरण में कुल 59% से ज्यादा लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अभी ये फाइनल आंकड़े नहीं हैं। चुनाव आयोग की तरफ से देर शाम आंकड़े अपडेट किए जाएंगे। पिछली बार पहले चरण में कुल 67.23% लोगों ने वोट डाला था। सबसे ज्यादा नर्मदा जिले की डेडीआपाडा सीट पर 85.42% और सबसे कम कच्छ जिले की गांधीधाम सीट पर 54.53% वोटिंग हुई थी। इस बार सबसे ज्यादा तापी जिले की निजार सीट पर 77.87% और सबसे कम कच्छ जिले की गांधीधाम सीट पर 39.89% लोगों ने वोट डाला।

मतदान

सौराष्ट्र-कच्छ, दक्षिणी क्षेत्रों के 19 जिलों की 89 सीट पर वोटिंग

दूसरे चरण की वोटिंग पांच को आठ दिसंबर को होगी मतगणना

पहले चरण के लिए 25,434 मतदान केंद्र बनाए गए थे। शहरी क्षेत्रों में 9,018 और ग्रामीण क्षेत्रों में 16,416 केंद्रों पर वोटिंग हुई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार, पहले चरण में कुल 34,324 बैलेट यूनिट, 34,324 कंट्रोल यूनिट और 38,749 वीवीपीएटी (वोटर वेरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल) का इस्तेमाल किया गया। कुल 2,20,288 प्रशिक्षित अधिकारी-कर्मचारी ड्यूटी पर रहे। 27,978 पीठासीन अधिकारी और 78,985 मतदान अधिकारी ने चुनाव की ड्यूटी की। चुनाव आयोग के अनुसार, पहले चरण के तहत आने वाले क्षेत्रों में कुल 2,39,76,760 मतदाता पंजीकृत थे। इसमें सबसे ज्यादा मतदान तापी में 72 प्रतिशत दर्ज हुआ। वहीं सबसे कम वोटिंग भावनगर में 51.34 प्रतिशत हुआ। विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए पांच दिसंबर को मतदान होगा और मतगणना आठ दिसंबर को होगी। आयोग के मुताबिक कुछ छिटपुट घटनाओं और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में गड़बड़ी की कुछ शिकायतों को छोड़कर सुबह आठ बजे शुरू हुई मतदान प्रक्रिया कमोबेश शांतिपूर्ण रही। राज्य उपाध्यक्ष बिमल शाह के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय में एक अप्लीकेशन दिया कि कैसे राज्य मशीनरी का दुरुपयोग किया जा रहा है, आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया जा रहा है और मतपत्र मशीनें सुचारू रूप से काम नहीं कर रही हैं।

राजकोट में नकली पीठासीन अधिकारी पकड़ाया

राजकोट जिले में, वरिष्ठ चुनाव अधिकारियों ने धोराजी शहर के एक बूथ से एक नकली पीठासीन अधिकारी को पकड़ा, जहां एक महिला पीठासीन अधिकारी के बजाय उनके पति ड्यूटी पर आए थे। आप नेता गोपाल इटालिया ने आरोप लगाया कि उनके कटारगाम निर्वाचन क्षेत्र में मतदान प्रक्रिया धीमी चल रही है, हालांकि मतदान केंद्रों के बाहर मतदाताओं की लंबी कतारें हैं। गोंडल सीट पर कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि बीजेपी प्रत्याशी गायत्रीबा जडेजा के पति जयराजीसिंह जडेजा ने एक स्थानीय चैनल को इंटरव्यू दिया जो आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। दो सौराष्ट्र, कच्छ और दक्षिण गुजरात क्षेत्र के किसी भी हिस्से से किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं है। विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए पांच दिसंबर को मतदान होगा और मतगणना आठ दिसंबर को होगी।

जेएनयू की दीवारों पर लिखा ब्राह्मणो भारत छोड़ोः बनियों के खिलाफ भी लिखे नारे

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेशनल यूनिवर्सिटी (जूएनयू) के कैंपस की दीवारों पर ब्राह्मणों और बनियों के खिलाफ नारे लिखे मिले हैं। स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज की दीवारों पर लाल रंग से ब्राह्मणों कैंपस छोड़ो; ब्राह्मणों-बनियों हम तुम्हारे लिए आ रहे हैं, तुम्हें बख्शा नहीं जाएगा, शाखा लौट जाओ जैसी धमकियां लिखी हैं। जूएनयू की उस महिला प्रोफेसर के केबिन के दरवाजे पर भी शाखा लौट जाओ का नारा लिखा गया है, जिसे नवंबर 2019 में वामपंथियों ने 3 दिन के लिए हिरासत में रखा था। ये नारे 30 नवंबर की रात को लिखे गए हैं। इस घटना को लेकर अभी तक जेएनयू प्रशासन की तरफ से कोई बयान जारी नहीं किया गया है। इन नारों को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने ऑल इंडिया स्टूडेंट असोसिएशन के कम्युनिस्ट छात्रों पर निशाना साधा है। एबीवीपी का कहना है कि वामपंथियों ने खुली सोच वाले प्रोफेसर्स को डराने के लिए उनके चैंबर्स पर धमकियां लिख दी हैं।

हाईकोर्ट जज का अर्दली निलंबित, कमर में क्यूआर कोड लगा लेता था बख्शीश

प्रयागराज। कमर में पेटीएम का क्यूआर कोड स्कैनर लगाकर वकीलों से ऑनलाइन बख्शीश लेने वाले हाईकोर्ट जज के अर्दली (जमादार) को मुख्य न्यायाधीश जस्टिस राजेश बिंदल के आदेश पर निलंबित कर दिया गया। अर्दली की यह करतूत सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद चीफ जस्टिस ने इसे गंभीरता से लिया और रजिस्ट्रार को कार्रवाई के लिए निर्देश दिया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट कैंपस में वर्दी पर लगा रखा था पेटीएम वॉलेट, वकीलों से लेता था रिश्वत

इलाहाबाद हाईकोर्ट कैंपस में वर्दी पर पेटीएम का वॉलेट लगाकर वकीलों से बख्शीश लेने वाले कोर्ट जमादार (अर्दली) राजेन्द्र कुमार को महानिबंधक ने निलंबित कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश ने वायरल फोटो को गंभीरता से लिया और कार्यवाही करने का आदेश दिया। जिस पर हाईकोर्ट के महानिबंधक आशीष गर्ग निलंबन आदेश दिया है। निलंबन अवधि के दौरान राजेंद्र कुमार नजारत सेक्शन से संबद्ध रहेगा। कोर्ट की अनुमति के बिना अपना स्टेशन भी नहीं छोड़ सकेगा।इस दौरान उसे निलंबन भत्तों का भुगतान होता रहेगा। आरोप है कि वह कोर्ट कैंपस में अपनी वर्दी पर पेटीएम का वैलेट लगाकर घूमता था।फुटकर न होने की दशा में उसी पर वकीलों से बख्शीश मांगता था। पेटीएम वॉलेट के जरिए वकीलों से ऑनलाइन टिप लेता था।

बाबतपुर से पेपरलेस जर्नी का आगाज

हवाई यात्रा में एक और सोपान, दिल्ली, बंगलुरु सहित वाराणसी का भी नाम

जनसंदेश न्यूज

बाबतपुर। वाराणसी के लालबहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से पेपरलेस यात्रा का आगाज हो गया। पहले दिन तीन उड़ानों से 37 पैसेंजर गंतव्य को रवाना हुए। पेपरलेस जर्नी का मतलब चेहरे की पहचान से यात्रा हो सकेगी। जानकारी के अनुसार हवाई अड्डे पर डिजिटल यात्रा सम्बन्धित सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी है।

गुरुवार को नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दिल्ली से वर्चुवली फीता काट कर वाराणसी हवाई अड्डे से पेपर लेस डीजी यात्रा को हरी झंडी दिखा दी है। उड्डयन मंत्री द्वारा दो और हवाई अड्डे दिल्ली और बेंगलुरू को भी डीजी यात्रा की मंजूरी दे दी गयी है। वाराणसी जहां से विमान यात्री सरलता पूर्वक पेपर लेस डीजी यात्रा का लाभ उठा सकते हैं। शुभारम्भ के बाद डीजी यात्रा का लाभ लेने वाले विमान यात्रियों ने बताया कि पेपर लेस यात्रा से हवाई अड्डे पर बोर्डिंग करने तक सभी जांच प्रक्रिया को पूरा करने में पहले की अपेक्षा 50 प्रतिशत समय की बचत के साथ लाइन में भी नहीं खड़ा होना पड़ रहा है। हवाई अड्डे पर सर्व प्रथम डॉ सुचिता शर्मा ने फीता काटते हुए अपनी डीजी यात्रा की शुरुआत की। टर्मिनल भवन में सर्व प्रथम प्रवेश करते समय डीजी यात्रा सम्बन्धित लगाए गए उपकरणों से बार कोड स्कैन करते ही डीजी गेट पर लगे स्कैनर के द्वारा चेहरे की पहचान हो गयी। उसके बाद डिजिटल गेट खुला जिसके बाद सबकी सुरक्षा जांच की गई।

शुभारम्भ

पहले दिन 37 यात्री तीन फ्लाइट से रवाना

फ्लाइट में बैठने से पूर्व आपकी पहचान चेहरे से होगी

हवाई अड्डे से हो सकेगी डिजिटल यात्रा

देश का पहला सरकारी एयरपोर्ट बना बाबतपुर

शुभारम्भ के प्रथम दिन 37 यात्रियों ने उड़ान भरी। निदेशक अर्यमा सान्याल ने बताया कि डीजी यात्रा का शुभारम्भ हो जाने से वाराणसी देश का प्रथम एयरपोर्ट बन गया है। पहले दिन इंडिगो एयरलाइंस के साथ विस्तारा और एयरइंडिया के विमान यात्रियों ने डीजी यात्रा का लाभ उठाया। विमान तल द्वारा सभी यात्रियों को उपहार देकर मंगलमय यात्रा की कामना की गई।

नार्को टेस्ट में भी आफताब ने कबूली हत्या की बात

नई दिल्ली। श्रद्धा केस में आरोपी आफताब का गुरुवार को रोहिणी के अंबेडकर अस्पताल में नार्को टेस्ट कराया गया। एफएसएल के असिस्टेंट डायरेक्टर संजीव गुप्ता ने बताया कि डायरेक्टर संजीव गुप्ता ने बताया कि आफताब ने नार्को टेस्ट में भी श्रद्धा की हत्या की बात कबूल की है। इतना ही नहीं आफताब ने नार्को टेस्ट में ये भी बता दिया कि उसने श्रद्धा के मोबाइल और कपड़े कहां फेंके। साथ ही आफताब ने ये भी बता दिया कि उसने श्रद्धा के शव के टुकड़े करने में कौन से हथियारों का इस्तेमाल किया और उन्हें कहां फेंका। अब दिल्ली पुलिस एक बार फिर आफताब की बताई जगह पर इन सबूतों की तलाश करेगी। आफताब का नार्को टेस्ट पूरा हो चुका है। यह दो घंटे चला। सीनियर एनेस्थीसिया एक्सपर्ट, एफएसएल के एक साइक्लोजिकल एक्सपर्ट, एक ओटी अटेंडेंट, और के 2 फोटो एक्सपर्ट्स मौजूद रहे।

मोदी ने दो दिनों तक गुजरात में डाला डेरा

अहमदाबाद। पीएम नरेंद्र मोदी ने गुजरात विधानसभा चुनाव में बीजेपी का बेड़ा पार लगाने के लिए दो दिनों तक गुजरात में डेरा डाल दिया है। गुरुवार दोपहर साढ़े तीन बजे से उन्होंने अपने 54 किमी लंबे रोड शो की शुरूआत की। इसके जरिये मोदी 16 विधानसभा क्षेत्रों के लोगों को रूबरू होंगे। बीजेपी के लिए ये रोड शो मास्टर स्ट्रोक साबित हो सकता है, क्योंकि गुजरात पीएम का घर है और लोगों तक उनकी सीधी अपील है। जितने ज्यादा लोगों के सामने पीएम पहुंचेंगे बीजेपी के वोटों का ग्राफ उतना ही ऊपर होने की संभावना है। मोदी का ये रोड शो तीन घंटों तक चल सकता है। हालांकि लोगों के हुजूम को देखकर रोड शा का समय और ज्यादा भी हो सकता है। इससे पहले मोदी ने कलोल में जनसभा को संबोधित किया था। उनका कहना था कि कांग्रेस में उन्हें गाली देने की होड़ चल रही है। कांग्रेसी नेता गांधी परिवार को खुश करने के लिए उन्हें अनाप शनाप बोल रहे हैं। मोदी का कहना था कि विपक्षी कुछ भी बोल लें। लेकिन लोग सब कुछ जानते हैं। हालांकि कांग्रेस नेताओं ने खड़गे के बयान पर सफाई देने की कोशिश भी की पर बीजेपी जान रही है कि ये चुनाव में उनके लिए वरदान की तरह से साबित हो सकता है। 2017 के चुनाव में भी कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर के एक बयान के बाद बीजेपी ने कांग्रेस को बैकफुट पर धकेल दिया था।

विधानसभा चुनाव

मोदी 16 विधानसभा क्षेत्रों के लोगों से होंगे रूबरू, मास्टर स्ट्रोक साबित हो सकता है रोड शो

यूपी में 48 जिलों के वार्डों की आरक्षण सूची जारी

लखनऊ के 110 वार्डों के आरक्षण की लिस्ट जारी, कुछ जिलों में हो सकती है एससी महिला सीट

लखनऊ। यूपी नगर निकाय चुनाव की तारीखों का इंतजार अब खत्म होने वाला है। यूपी में निकाय चुनाव का पहिया घूम चुका है। नगर निकाय चुनाव कराने को लेकर चुनाव आयोग के साथ प्रशासन ने भी पूरी तैयारी कर ली है। निकाय चुनाव की तारीखों का ऐलान होने से पहले उनके आरक्षण की सूची जारी कर दी गई है। यूपी में 48 जिलों के वार्डों की आरक्षण की सूची जारी की है। हालांकि अभी चुनाव के तारीखों का ऐलान होना बाकी है। माना जा रहा है कि पांच दिसंबर या उसके बाद निकाय चुनाव की तारीखों का ऐलान भी हो सकता है।

बतादें कि आरक्षण लागू करने का एक तय फामूर्ला है। इसे चक्रानुक्रम फामूर्ला कहा जाता है। इस फॉमूर्ले के तहत कोई भी सीट सबसे पहले महिला एससी के लिए आरक्षित होती है। इससे अगली बार चरणवार तरीके से एससी के लिए, फिर अगली बार ओबीसी महिला के लिए, फिर ओबीसी, फिर महिला आरक्षित और फिर इसके अगली बार यही अनारक्षित सीट होती है। लखनऊ नगर निगम में महापौर की सीट 2017 में महिला आरक्षित थी। चक्रानुक्रम फॉमूर्ले को देखें तो इस बार ये सीट अनारक्षित होने की संभावना है।

नगर निकाय चुनाव

फिरोजाबाद व वाराणसी की ओबीसी और मथुरा मेयर की सीट हो सकती है महिला आरक्षित

जिनों जिलों का आरक्षण जारी हुआ है उनमें शाहजहांपुर, अमरोहा अमेठी, अयोध्या, अलीगढ़, उन्नाव एटा औरैया, कानपुर देहात, कासगंज कुशीनगर कौशाम्बी, गाजियाबाद, गाजीपुर, गोंडा, गौतमबुद्धनगर, चन्दौली चित्रकूट, जालौन, जौनपुर देवरिया पीलीभीत प्रतापगढ़, फिरोजाबाद बदायूँ, बरेली, बलरामपुर बस्ती, बहराइच बांदा बागपत, बाराबंकी, भदोही, महाराजगंज, महोबा, रायबरेली, लखनऊ, लखीमपुर खीरी, वाराणसी, श्रावस्ती, संतकबीरनगर, संभल सिद्धार्थनगर, सोनभद्र, हमीरपुर, हाथरस हापडु शामिल हैं।

राजधानी लखनऊ के नगर निगम के सभी 110 वार्डों के लिए आरक्षण की सूची गुरुवार को जारी हो गई। इसके बाद मेयर और पेयरमैन की सीटों के आरक्षण की सूची आएगी सूची पर एक हफ्ते में. आपत्ति मांगी गई है। इसके बाद फाइनल सूची जारी होगी। माना जा रहा है कि आरक्षण की फाइनल सूची आने के साथ ही चुनाव की अधिसूचना भी जारी हो जाएगी। लखनऊ के साथ अन्य नगर निकाय की सूची भी जारी हो रही है। आगरा, प्रयागराज, बरेली. मुरादाबाद की सीट एससी महिला की हो सकती है। मेरठ की सीट एससी, सहारनपुर और गोरखपुर में महिला, फिरोजाबाद और वाराणसी की ओबीसी और मथुरा की सीट महिला आरक्षित हो सकती है। शाहजहांपुर नया नगर निगम बना है। यहां पहली बार मेयर का चुनाव होना है। ऐसे में चक्रानुक्रम फॉमूर्ले को देखें तो महापौर की सीट एससी महिला के लिए आरक्षित होने की संभावना है। कानपुर और गाजियाबाद की सीट अनारक्षित हो सकती है। अयोध्या, अलीगढ़ और झांसी की सीट महिला के खाते में आ सकती है। हालांकि अभी ये सिर्फ संभावना है सभी को इंतजार है कि आरक्षण जारी हो जिससे सही स्थिति की पता चले।

वाराणसी नगर निगम चुनाव में वार्ड आरक्षण की सूची

वाराणसी। नगर निगम चुनाव के लिए गुरुवार की देर शाम वार्ड आरक्षण की सूची जारी कर दी गयी। सूची जारी होने के बाद गहमागहमी बढ़ गयी है। सूची जारी होने की जानकारी मिलते ही राजनीतिक दलों के साथ निर्दलीय भी सक्रिय हो गए हैं। इस संबंध में आपत्ति या सुझाव, जिलाधिकारी के समक्ष सात दिन में प्रस्तुत करना होगा।

अनुसूचित जाति वार्ड : लहरतारा, सिकरौल और फुलवरिया वार्ड अनुसूचित जाति महिला है। शिवदासपुर, सलारपुर, दीनापुर, शिवपुर, मंडुवाडीह।

पिछड़ा वर्ग वार्ड : छित्तूपर लोको, नई बस्ती, लोढ़ान, जोल्हा दक्षिणी, पांडेयपुर, दिनदयालपुर, चेतगंज, अकथा, मढौली, पिसौर, गणेशपुर, रमरेपुर, जगतगंज, पुराना रामनगर, घसियारी टोला, शिवाला, पितृकुंड, रामापुरा।

पिछड़ा वर्ग महिला वार्ड : शिवपुरवा, कंदवा, तुलसीपुर, ककरमत्ता, बिरदोपुर, सुजाबाद, डोमरी, गोलाघाट रामनगर, भेलूपुर, छित्तूपुर खास।

अनारक्षित वार्ड : हुकुलगंज, सरसौली, संदहा, तरना, दुर्गाकुंड, सरायनंदन, नारायनपुर, रामपुर रामनगर करौंदी, नदेसर, राजाबाजार, सुसुवाही, पिशाचमोचन, सारनाथ, जोल्हा उत्तरी, पहड़िया, सुंदरपुर, चौकाघाट, सिगरा, प्रहलाद घाट, खजुरी, ढिढोरी महाल, लल्लापुरा खुर्द, मध्यमेश्वर, हनुमान फाटक, कोनिया, आदि विश्वेश्वर, रानीपुर, बजरडीहा, भगवानपुर, काजीपुरा, कृतिवाश्वेश्वर, सूर्यकुंड, पियरी कलां, गोलादीनानाथ, धूपचंडी, जंगमबाड़ी, बंगाली टोला, लल्लापुरा कलां, बागेश्वरी देवी, दशाश्वमेध, कालभैरव, जमालुद्दीनपुरा, कमालपुरा।

महिला वार्ड : लेढ़ूपुर, नेवादा, नगवां, सीरगोवर्धन, रमदतपुर, राजघाट, लोहता, नरिया, लालपुर मीरापुर बसहीं, अलईपुर, जलालीपुरा, ईश्वरगंगी, बागाहाड़ा, मदनपुरा, बिंदु माधव, ओंकालेश्वर, बलुआबीर, सरैया, कमलगढ़हा, काजीसादुल्लापुरा, बंधु कच्चीबाग।

(उपरोक्त वार्डों की आरक्षण सूची के सत्यापन के लिए जारी अधिकारिक सूची से मिलान कर लें)

गंगापुर नगर पंचायत के वार्डों की आरक्षण सूची

महिला वार्ड : गांधी नगर व लोकमान्य नगर

अनुसूचित जाति महिला वार्ड : आजाद नगर

अनारक्षित वार्ड : जवाहर नगर, मालवीय नगर, मोती लाल नगर, सुबाष नगर व पटेल नगर

पिछड़ा वर्ग वार्ड : राजनारायण नगर

पिछड़ा वर्ग महिला : बलवंत नगर

निलंबित आईएएस की अचल संपत्ति अटैच

रांची। प्रवर्त्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने मनरेगा घोटाला, अवैध खनन और मनी लाउंड्रिंग मामले में गिरफ्तार आईएएस पूजा सिंघल की 82.77 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियों को अटैच कर लिया है। ईडी की टीम ने रांची स्थित पल्स हॉस्पिटल समेत अन्य कई अचल संपत्तियों को जब्त किया है। ईडी की ओर से ये जानकारी दी गई है कि निलंबित आईएएस पूजा सिंघल की जब्त अचल संपत्तियों का बाजार मूल्य करीब 82.77 करोड़ है। इसमें एक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल (पल्स सुपर स्पेशियलिटी), एक डायग्नोस्टिक सेंटर (पल्स डायग्नोस्टिक एंड इमेजिनिंग सेंटर) और रांची में अवस्थित दो भूखंड शामिल है। 18.06 करोड़ रुपये का मनरेगा घोटाला उस अवधि से हुआ है, जब पूजा सिंघल खूंटी जिले में उपायुक्त थीं। वह विभिन्न विकास परियोजनाओं के लिए राशि स्वीकृत करने वाली प्रमुख अधिकारी थीं।

साधन सहकारी समिति कोहड़ार पर डीएपी वितरण में सचिव की धांधली

धांधली

किसानों में सचिव के खिलाफ गहरा आक्रोश,धरने की चेतावनी पर दी गई खाद

400 बोरी खाद में 200 किसानों को एक एक बोरी शेष किसी को 25 किसी को 40 बोरी

साधन सहकारी समिति कोहड़ार पर हंगामा करते किसान

मेजा/कोहड़ार। महीनों बाद समिति में डीएपी पहुंची तो हजारों किसानों की भीड़ खाद लेने के लिए जुट गई। जिसमें कुछ किसानों को ही खाद मिल पाई, शेष किसानों को बैरंग लौटना पड़ा। मेजा विकास खंड क्षेत्र के कोहड़ार साधन सहकारी समिति में मंगलवार को खाद लेने के लिए सैकड़ों किसानों की भीड़ सुबह से ही जुट गई। समिति के सचिव जब पहुंचे तो किसान हो हल्ला करने लगे। फिलहाल सचिव ने तंय किया कि एक किसान को एक बोरी दी जाएगी यह कहते हुए 231 किसानों का आधार कार्ड जमा कराया उसके बाद उन्होंने कहा कि कल यानी बुधवार को डीएपी बांटी जाएगी। किसानों ने बताया कि बुधवार की सुबह जब किसान समिति पर पहुंचे तो वहां का नजारा देख किसान आक्रोशित हो उठे । वहां पर सचिव द्वारा चिन्हित लोगों को खाद दे रहे थे किसी को 25 किसी को 40 बोरी यह देख किसान भड़क गए कि आप ने कहा था कल खाद मिलेगी और आज आप नहीं दे रहे हैं । फिलहाल किसान धरने पर बैठ गए तब कुल लगभग 220 किसानों को एक एक बोरी खाद दी गई।

गौरतलब हो कि समिति पर400 बोरी खाद आई और मात्र दो सौ किसानों को एक एक बोरी दी गई तो शेष 200 बोरी खाद कहाँ गई यह जाँच का विषय है। किसानों के साथ ऐसा धोखा करने वाले अधिकारियों के खिलाफ शख्त से शख्त कार्यवाही होनी चाहिए।

माता-पिता को गोली मारने वाला गया जेल

नैनी। नैनी थाना क्षेत्र के रीवा रोड मामा भांजा के तालाब बाजार में बुधवार की दोपहर लाइसेंसी पिस्टल से अपने माता-पिता को गोली मारने की घटना में पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जैसा कि मालूम हो, बुधवार की दोपहर नैनी थाना क्षेत्र के रीवा रोड मामा भांजा के तालाब बाजार में घरेलू विवाद के चलते रितेश जायसवाल ने अपने पिता की लाइसेंसी रिवाल्वर से अपने पिता लाल चंद्र जायसवाल और अपनी मां को गोली मार दिया। जिसमें वह दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना को अंजाम देने के बाद पुलिस से बचने के लिए वह अपने को एक कमरे में बंद कर लिया। उसने काफी देर तक पुलिस को छकाया। तकरीबन 2 घंटे बाद पुलिस ने दूसरे के छत से घर में घुस कर आरोपी बेटे रितेश को पकड़ लिया। पुलिस ने मौके से घटना में प्रयुक्त लाइसेंसी रिवाल्वर, आठ जिंदा कारतूस एवं सात खोखा बरामद कर लिया। पुलिस ने आज आरोपी बेटे रितेश जायसवाल के खिलाफ धारा 307 के तहत मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया।

शौचालय दिलाने के नाम पर लाखों रुपए की ठगी

ठगी का शिकार युवक

सिकन्दरा। बहरिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न गांवों में विकास भवन का बाबू बताकर शौचालय दिलाने के नाम पर एक युवक व युवती नें मिलकर लाखों रुपए की ठगी करके फरार हो गये थे । क्षेत्र के बीरभानपुर पतुलकी, सिलोखरा, पूरनपुर, चिन्तामनपुर, भुलई का पूरा अदि गांवों में बीते कई दिनों से एक युवक और एक युवती गांव में आकर लोगों से शौचालय दिलाने के नाम पर पैसा लेते थे। पैसा देनें के बाद भी जब ग्रामीणों को शौचालय नहीं मिला पाया। तो इन दोनों लोगों की तलाश ग्रामीण शुरू करनें लगे। गुरूवार किसी नें सूचना दिया। कि यह दोनों ठग सातनपुर गांव में भी लोगों से शौचालय के नाम पर वसूली कर रहे हैं। तो बीरभानपुर ,व पतुलकी गांव के कुछ लोग सातनपुर पहुंचकर इन दोनों ठगो को पकड़ लिया और बहरिया पुलिस को सूचना दी। बहरिया पुलिस दोनों ठगो को लाकर पूछताछ की। तो दोनों नें अपना जुर्म कुबूल कर ली। एक नें अपना नाम असलम पुत्र हबीब व एक नें अपना खुशबू प्रजापति निवासी शैफ खानपुर थाना फूलपुर बताया। इनके पकड़े जानें की सूचना के बाद थानें पर पहुंचे क्षेत्र वासियों नें बताया। कि राकेश कुमार 14000, सोनेलाल 3500, संतोष कुमार 11000, मुन्ना 3000, संजय 3000, बिलाल 250, हरिश्चंद्र 8100, रामलाल 4000, अमित कुमार 3000, छोटू 750, पवन 5245, रोहित 5000, संतोष 2000, बुलट 2000 रुपए की ठगी करके फरार हो गए थे।

घरेलू हिंसा की शिकार हुई महिला, पुलिस ने भी नहीं की सुनवाई

घरेलू हिंसा में घायल हुई महिला सरिता देवी

बहरिया। बहरिया थाना के सिकंदरा चौकी अंतर्गत ग्राम सभा रुहेरा गांव निवासिनी सारिता यादव पत्नी कमलेश कुमार को उसके ससुर, सौतेली सास, देवर आदि ने मिलकर हिस्सा बंटवारे के कारण हुई तू तू मैं मैं में लाठी-डंडों एवं लात घुसा से जमकर पीट दिया। जिसमें वह बुरी तरीके से घायल हो गई। जिसकी सूचना उसने अपने पति कमलेश कुमार को दी। सूचना पाकर पति कमलेश कुमार घर आया और पत्नी की दशा देखते हुए पत्नी के साथ लिखित तहरीर देने के लिए थाना बहरिया आया। जहां पर उसको फटकार सुननी पड़ी और निराश होकर पति पत्नी बच्चे सहित वापस घर चले आए।

संक्षेप

श्रीमद् भागवत कथा में बड़ी संख्या में जुटी भीड़

करछना। क्षेत्र के मधूकापूरा गांव में जन कल्याण हेतु चल रही सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञान कथा सुनने के लिए भक्त जनों की भीड़ जुट रही है। श्रीमद् भागवत महापुराण की कथा सुनकर भक्त लोग आनंदित हो रहे हैं। कथा के व्यासपीठ पर विराजमान पं चिंतामणि शुक्ल ने कथा के चौथे दिन बृहस्पतिवार को श्री कृष्ण जन्म की कथा सुनाकर भक्त श्रोता जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कृष्ण जन्मोत्सव के समय गाजे-बाजे के साथ खूब बधाइयां भी बजी। लोगों की ओर से पुष्प वर्षा भी हुई । महिलाओं की ओर से सोहर गीतों के गांयन भी हुए। इसके साथ ही साथ नंद के घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल की हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की मथुरा में जन्मे कन्हाई ब्रज में बाजे बधाई भए प्रगट कृपाला दीन दयाला आदि छंदों की प्रस्तुतिया भी लोगों की ओर से हुई । वही कलाकारों की ओर से बाल कृष्ण भगवान की सुंदर झांकी भी निकाली गई। इसके अलावा कथा व्यास की ओर से बाल कृष्ण भगवान के अद्भुत लीलाओं का गुणगान भी किया गया। वही सायं कालीन में बाल कृष्ण भगवान की सामूहिक रूप से आरती भी की गई । कथा के मुख्य श्रोता यजमान सेवानिवृत्त शिक्षक त्रिविक्रम त्रिपाठी की ओर से कथा व्यास सहित आचार्य लोगों का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया । कार्यक्रम के आयोजक राजशेखर त्रिपाठी व संयोजक विधुशेखर त्रिपाठी तथा व्यवस्थापक हरिकेश त्रिपाठी की ओर से सभी भक्त जनों के प्रति आभार भी जताया गया । इस मौके पर राघवेंद्र त्रिपाठी शशि नाथ त्रिपाठी इंद्रदेव त्रिपाठी ज्ञानेंद्र त्रिपाठी मोहनलाल रामाश्रय शुक्ल माधवेंद्र नारायण मिश्र प्रधान अंतहिया रोहित सिंह विमल कुमार शर्मा जनार्दन त्रिपाठी पंकज त्रिपाठी अभय दुबे हृषीकेश त्रिपाठी विश्वनाथ प्रसाद शुक्ल श्री कृष्ण मिश्र अशोक कुमार मिश्र गंगेश्वर मिश्र हरिकेश त्रिपाठी रंजन त्रिपाठी आदि लोग मौजूद रहे।

विद्यालय में हुआ बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण

करछना। क्षेत्र के रामपुर स्थित बृज मंगल सिंह इंटर कॉलेज के सभागार में गुरुवार को सीएचसी करछना की टीम के डॉक्टरों ने बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस दौरान बच्चों के लम्बाई,वजन सहित सामान्य शारीरिक परीक्षण किए गए। बच्चों की आंख,नाक कान की गतिविधियों संबंधी परीक्षण के दौरान डॉक्टरों ने बच्चों को नियमित साफ-सफाई रखने और किसी भी तरह की दिक्कत होने के बाद योग्य डॉक्टर से इलाज कराने के प्रति प्रेरित किया। डॉक्टरों ने बताया कि सामान्य स्थिति में भी अपनी शारीरिक जांच कराना बहुत जरूरी है। कमजोर नेत्र वाले बच्चों के लिए परीक्षण के उपरांत चश्मे की भी व्यवस्था की जा रही है। इस मौके पर जांच टीम में डॉ. श्याम देव मिश्र,डॉ.अरशी फरीद, प्रतिभा कांत देववंशी,रितु यादव संदीप मिश्रा,प्रभारी प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार,व्यवस्थापक एनसीसीअधिकारी रमेश चन्द्र तिवारी समेत विद्यालय के शिक्षक और बच्चे मौजूद रहे।

दुष्कर्म के आरोपी अभियुक्त को पुलिस ने भेजा जेल

नैनी। औद्योगिक थाने की पुलिस ने गुरुवार को बीपीसीएल गेट के समीप से किशोरी के साथ दुष्कर्म के आरोपी अभियुक्त को उसकी बहन के घर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार औद्योगिक क्षेत्र में एक किशोरी केसाथ दुष्कर्म की घटना में उसके परिवारी जनों ने धूमनगंज थाना क्षेत्र निवासी गोलू हेला पुत्र स्व. राजकुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने उसे गुरुवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

आर.के ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन में एड्स दिवस पर जागरूकता रैली निकाली गई

नैनी। आर.के ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के तत्वाधान में आर.के स्कूल आफ नर्सिंग, आर.के कॉलेज ऑफ फामेर्सी एवं आर.के इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज के छात्र छात्राओं द्वारा संयुक्त रूप से आज एड्स दिवस के मौके पर एक जागरूकता रैली कॉलेज से निकालकर आसपास के ग्रामीण इलाकों मैं घुमाया गया। जिसमें लोगों को एड्स से बचाव के विभिन्न तरीकों पोस्टर, बैनर,एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। उक्त कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के अलावा नरसिंह कार्यवाहक प्राचार्या मरियम शेफाली दास एवं समस्त शिक्षिकाएं, फामेर्सी प्राचार्य डॉ. सी.एस.सिंह , प्रवक्ता डा. दिलीप सिंह, कार्तिकेय मिश्रा, सुरेंद्र सिंह, पंकज चौबे, नर्सिंग कोऑर्डिनेटर श्री धीरज मिश्रा रजिस्ट्रार अनुज शुक्ला, डॉ. मोहम्मद शाहिद एवं अर्पिता यादव समेत उक्त कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

राहगीर को बचाने में बाइक सवार देवर भाभी घायल

उरुवा। राहगीर को बचाने में बाइक सवार देवर भाभी बुरी तरह घायल हो गए। जिन्हें घटनास्थल पर मौजूद रहे लोगों ने पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वैवाहिक कार्यक्रम गंगापार से लेड़ीयारी निवासी 36 वर्षीय रमेश कुमार यादव अपनी भाभी रजनी कुमारी के साथ गुरुवार की शाम घर लौट रहे थे। मेजारोड कोरांव मार्ग पर जानकीगंज सब्जी मंडी के पास पहुंचते ही राहगीर को बचाने में गिरकर चोटिल हो गए। जिन्हें घटनास्थल पर मौजूद लोगों के द्वारा आनन-फानन में पास के एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया। बता दें कि जानकीगंज में प्रत्येक मंगलवार और गुरुवार को सब्जी मंडी लगती है। इस दौरान दुकानदारों के द्वारा सड़क पर अतिक्रमण कर ठेले व अन्य दुकानें लगा लिया जाता है,जिसके कारण जाम की स्थिति बनी रहती है।

विश्व एड्स दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

विश्व एड्स दिवस पर लोगों को जागरूक करते हुए

शंकरगढ़। शंकरगढ़ क्षेत्र के आरोग्य केंद्र कल्याणपुर के तत्वावधान में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर ग्राम मझियारी बहेलियां में टीकाकरण सत्र के दौरान उपस्थित ग्राम जनों को एचआईवी एड्स ,इसका परिचय, कारण, उपचार ,सावधानियां तथा विभिन्न भ्रांतियों के संबंध में लोगों को जागरूक किया गया । एक वीडियो फिल्म के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी अभिषेक जायसवाल, एनम सिंधु सिंह, आशा कमला सिंह, आंगनवाड़ी बृजपति द्वारा ग्रामीणों को जागरूकता प्रदान करते समय लोगों को एचआईवी एड्स के प्रति सचेत रहकर जागरूकता ही बचाव का नारा देकर सावधानियों को अपनाने पर जोर दिया गया । स्वास्थ्य विभाग कर्मियों ने गांव वालों के साथ रैली निकाल कर लोगों को इसके विषय में सचेत किया। इस मौके पर रुबीना बानो, नगमा बानो, निशा सिंह, निर्मला, सरवर अली, गुलशन, सबीना बानो, मंजू देवी, अंगद, श्री नारायण, हसीना बानो, मोसना बानो राजेश, सूर्य भान सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

माण्डा में सामूहिक विवाह का आयोजन 14 को

माण्डा। उत्तर प्रदेश में 2017-18 से मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का आयोजन होता आ रहा है जिसमें अबतक लगभग एक करोड़ नब्बे लाख जोड़ों का विवाह इस योजना के द्वारा हो चुका है। इस योजना का आयोजन जनपद स्तर, विधानसभा स्तर पर व विकास खण्ड स्तर पर कराने की योजना रहती है इसी क्रम में मांडा विकास खण्ड के द्वारा सामूहिक विवाह का आयोजन 14 दिसंबर को किया जाएगा। इस योजना का लाभ दो लाख प्रतिवर्ष से कम आय वाले ले सकते हैं। इसके लिए मांडा ब्लॉक में लगभग 60 जोड़ों का विवाह कराया जाने की योजना है। विकास खंड अधिकारी अमित मिश्रा ने कहां कि मांडा में निर्धारित समय पर इस योजना को क्रियान्वित कराया जायेगा और जिसको इस योजना लाभ लेना है वह विकास खण्ड कार्यालय माण्डा में संपर्क कर सकते हैं।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में कई प्रस्ताव पारित

बैठक

मुख्य अतिथि मुख्य संरक्षक बालेश्वर दयाल जायसवाल ने संगठन पर विस्तार से की चर्चा

नैनी। अखिल भारतीय जायसवाल सर्व-वर्गीय महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन किया गया था जिसमें प्रयागराज नैनी से एक प्रतिनिधिमंडल बैठक में मौजूद था। डा. काशी प्रसाद जायसवाल के जन्म दिवस पर 27 नवंबर को इंदौर के पुंजापुरा स्थित फ्लेम आप फारेस्ट रिसोर्ट में हुए इस बैठक में कई प्रस्ताव पारित किये गये, जिसकी चर्चा यहां समाज के लोगों से साझा किया गया। इस संबंध में नैनी के पीडीए कालोनी में आयोजित बैठक में प्रदेश मीडिया प्रभारी राजीव कुमार जायसवाल ने बताया कि दो चरणों में आयोजन किया गया। पहले डॉ. काशी प्रसाद जायसवाल की जयंती पर उन्हें याद करते हुए उनके योगदान को बताया गया। बाद में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई, जिसमे विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि मुख्य संरक्षक बालेश्वर दयाल जायसवाल ने संगठन पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने संगठन के एकीकरण पर भी चर्चा करते हुए कहा कि इसका स्वागत मै भी करता हूं। वार्ता हेतु एक सात सदस्यीय टीम गठन करने का भी ऐलान किया, जिसका अनुमोदन सर्वसम्मति से कार्यकारिणी ने कर दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोर हेमराज का कार्यकाल दो साल की अवधि अबसे बढ़ाने का सर्वसम्मति से पारित किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोर हेमराज जायसवाल ने महेश्वर का नाम भगवान सहस्त्रार्जुन-धाम रखने की मांग उठाई जिसे सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया। उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष ध्रुवचन्द जायसवाल ने प्रस्ताव रखा कि डॉक्टर काशी प्रसाद जायसवाल को भारत सरकार द्वारा मरणोपरांत भारत रत्न दिया जाए, जिसका समर्थन करतल ध्वनि से राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने प्रस्ताव पारित किया। इसके लिए एक सात सदस्यीय टीम गठित की, जिसमें प्रदेश अध्यक्षों सहित अन्य पदाधिकारी बनाये जाय जो अपनी योजना अनुसार कार्य कर भारत रत्न दिलाने का प्रयास करे। राष्ट्रीय वरिष्ठ सचिव डॉ. अमरनाथ जायसवाल ने उत्तर प्रदेश के प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय महासचिव पूरन चंद झालीवाल ने ध्रुवचन्द जायसवाल, अध्यक्ष उ.प्र., डॉ.अरुण मोहन भारवि बिहार, डॉ.संगम लाल जायसवाल उ.प्र. को डॉ काशी प्रसाद जायसवाल को मरणोपरांत भारत रत्न देने के संबंध में मांग पत्र का मसौदा तैयार करने के लिए नामित किया। इस अवसर पर प्रदेश महिला प्रभारी मीना जायसवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यक्रम संयोजिका प्रीती रानी जायसवाल, संजय जायसवाल, बबिता जायसवाल, कंचन जायसवाल, गुड्डू जायसवाल, विशाल जायसवाल, वीरेंद्र जायसवाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

किशोर हुआ था लापता पुलिस की सक्रियता से घर लौटा

माण्डा। माण्डा क्षेत्र के राजापुर निवासी अखिलेश यादव ने तहरीर दी थी कि उसका चौदह वर्षीय लडका अभिषेक जो सोमवार दोपहर से ही गायब हो गया है। इसकी सूचना पुलिस को दी गयी जिसमें मुकदमा दर्ज कर लिया गया और जांच भारतगंज चौकी इंचार्ज दुर्गेश सिंह को मिली उनकी सक्रियता काबिले तारीफ रही और पूरे मामले को चौबीस घंटे में इस पूरे घटना का पदार्फाश कर दिया और किशोर बुधवार को सुबह ही मिल गया इससे किशोर के परिजनों ने पुलिस की सक्रियता को लेकर तारीफ की।

हर वर्ग समुदाय को मिला योजनाओं का लाभ : गुरु प्रसाद

सम्मेलन

लालगोपालगंज में भाजपा किसान सम्मेलन में क्षेत्रीय किसानों का हुआ सम्मान

निकाय चुनाव में जीत के लिए बनी रणनीति, भाजपा ने कार्यकर्ताओं में भरा दम

किसान सम्मेलन को संबोधित करते गुरू प्रसाद मौर्य विधायक

लालगोपालगंज। केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी द्वारा चलाई जा रही डबल इंजन की सरकार ने बिना भेदभाव के जरुरतमंद तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया है। इसलिए स्थानीय निकाय चुनाव में हर परिवार हमारा मतदाता बन सकता है। बस हमें उन सभी लाभार्थी तक जाने की जरुरत है। यह बातें गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा कस्बा के मनिलाल इंदारा प्रांगण में आयोजित किसान मोर्चा सम्मेलन को संबोधित करते हुए फाफामऊ विधायक गुरु प्रसाद मौर्य ने कही।

बट और मुख्य अतिथि सांसद केशरी देवी पटेल ने कहा कि चुनाव में बूथ पदाधिकारियों और शक्ति केंद्र के सदस्यों की बड़ी जिम्मेदारी होती है। इस भाग लालगोपालगंज के चुनाव वार्ड सदस्य के साथ कमल निशान वाला चेयरमैन बनाना है। अमन विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक प्रभाशंकर पांडेय ने कहा कि जिस प्रकार आप लोगों ने केंद्र और उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार बनाया है, उसी प्रकार टाउन एरिया के चुनाव में भाजपा को जिता कर तीसरा इंजन लगा दीजिए। इसे पूर्व पार्टी कार्यकताओं ने अतिथियों को माला और अंगवस्त्रम पहनाकर उनका अभिनंदन किया। अतिथियों ने क्षेत्र के दो दर्जन किसानों को सम्मानित किया। सम्मेलन को पूर्व जिलाध्यक्ष कन्हैया लाल पांडेय, जीतलाल त्रिपाठी, ओमप्रकाश गिरी, अमरजीत कुशवाहा, तुलसीराम सरोज, विनोद ओझा, संजय गुप्ता आदि लोगों ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष लक्ष्मीकांत उपाध्याय द्वारा किया गया। संचालन राजेंद्र अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर पूर्व चेयरमैन प्रदीप केसरवानी, जगदीश पटेल, रामपति त्रिपाठी, गुड्डू शर्मा, राज कुशवाहा, नफीस अहमद, आफताब आलम, सभासद भगवती पटेल, सभासद राहुल केसरवानी, तुलसी पटेल, राधेश्याम पटेल, उमेश तिवारी, सभासद शिवमूरत सरोज आदि लोग उपस्थित रहे।

खाद मिलते ही किसानों में छाई खुशी कई हुए मायूस

उरुवा। काफी समय अंतराल के बाद समिति में डीएपी खाद आयी तो किसानों की भारी भीड़ जुट गई। किसानों की भारी भीड़ देख समिति के अध्यक्ष और सचिव ने प्रशासन की मदद से खाद का वितरण कराया। खाद मिलते ही किसानों में खुशी छा गई। उरुवा विकास खंड क्षेत्र के रैपुरा साधन समिति पर बुधवार को ही डीएपी खाद की खेप आ गयी थी। गुरुवार को खाद का वितरण होना था,लेकिन किसानों की जुटी भारी भीड़ को देखकर सचिव के पसीने छूट गए। सचिव जय कुमार तिवारी और अध्यक्ष दिनेश कुमार उर्फ विपिन मिश्र ने जेवनियां चौकी के दो सिपाहियों की मदद से खाद का वितरण कराया। सचिव जय कुमार तिवारी ने बताया कि 220 बोरी डीएपी खाद आयी थी पूरी खाद शाम तक किसानों को बांट दी गयी,फिर भी सैकड़ों किसानों को बिना खाद के वापस होना पड़ा।

आरएएफ ने मनाया 32 वॉ स्थापना दिवस

सलामी लेते कमांडेंट मनोज कुमार गौतम

फाफामऊ। शांतिपुरम स्थित 101 आरएएफ वाहिनी ने अपना 32 वा स्थापना दिवस गुरुवार को कैंप परिसर में धूमधाम से मनाया गया। स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर वाहिनी के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम ने गार्ड के समक्ष क्वार्टर गार्ड में सलामी ली तत्पश्चात सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वाहिनी के कमांडेंट ने जवानों को स्थापना दिवस से संबंधित गौरवमई इतिहास के बारे में विस्तार रूप से बताया तथा आरएएफ कर्मियों को पूर्ण लगन और इमानदारी के साथ कार्य करने के लिए बल दिया। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम और प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया बैट मिंटन, क्रिकेट, वॉलीबॉल, रस्सा कसी जैसे खेलों में जवानों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। वाहिनी के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम ने आरएएफ कर्मियों को वाहिनी के 32 वे स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी। स्थापना दिवस समारोह में द्वितीय कमान अधिकारी प्रेमजीत कुमार, नरेंद्र कुमार, उप कमांडेंट बृजेश कुमार दुबे, प्रदीप पाठक, प्रदीप कुमार, टीएन सिंह सहित भारी संख्या में आरएएफ कर्मी मौजूद रहें।

सगाई में जा रही बोलेरो पेड़ से टकराई

बहरिया। बहरिया थाना क्षेत्र के ग्राम सभा हुसैनपुर मजरा जगदीशपुर उर्फ जलालपुर में सगाई कार्यक्रम फूलचंद हरिजन के यहां आई हुई बोलोरो अनियंत्रित होकर सड़क के बगल नीम के पेड़ से टकराकर बुरी तरीके से क्षतिग्रस्त हो गई। जिसमें बैठे हुए एक व्यक्ति को गंभीर चोटें आई। सूचना पाकर 112 पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को प्राथमिक उपचार हेतु प्राइवेट नर्सिंग होम में भेजा।

आवश्यकता है

स्नातक स्तर पर कला संकाय के अन्तर्गत बी0ए0 पाठ्यक्रम के मध्यकालीन इतिहास, समाजशास्त्र, गृह विज्ञान, अंग्रेजी साहित्य, हिन्दी साहित्य, संस्कृत, शिक्षाशास्त्र विषयों के एक-एक सहायक आचार्य की आवश्यकता है। शैक्षिक योग्यता, वेतनमान यू0जी0सी0/राज्य वि0वि0 के मानकानुसार देय होगा।
नोट-इच्छुक अभ्यर्थी अपने समस्त अंकपत्रों/प्रमाण पत्रों के साथ महाविद्यालय के पते पर पंजीकृत डाक/व्यक्तिगत उपस्थित होकर विज्ञापन प्रकाशित के पन्द्रह दिन के अन्दर आवेदन कर सकते हैं। साक्षात्कार हेतु सूचना ई-मेल/दूरभाष के माध्यम से दिया जायेगा।
प्रबंधक- महावीर सुमित्रा महिला महाविद्यालय, बजहाँ मिश्रान, सैदाबाद हण्डिया, प्रयागराज।

विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन

रेल प्रशासन द्वारा गाड़ी सं. 01025/01026 दादर-बलिया एवं 01027/01028 दादर-गोरखपुर विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों के संचालन करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

क्र. सं.	गाड़ी संख्या	स्टेशन से स्टेशन तक	आवृत्ति (दिन)	अतिरिक्त फेरे
1	01025	दादर-बलिया	सप्ताह में 03 दिन (सोम, बुध, शुक्र)	02.12.2022 से 14.12.2022 = 06 फेरे
2	01026	बलिया-दादर	सप्ताह में 03 दिन (बुध, शुक्र, रवि)	04.12.2022 से 16.12.2022 = 06 फेरे
3	01027	दादर-गोरखपुर	सप्ताह में 04 दिन (मंगल, गुरु, शनि, रवि)	01.12.2022 से 15.12.2022 = 09 फेरे
4	01028	गोरखपुर-दादर	सप्ताह में 04 दिन (सोम, मंगल, गुरु, शनि)	03.12.2022 से 17.12.2022 = 09 फेरे

नोट:- उपरोक्त ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु रेलवेलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad. indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे 1613/22 (A)
North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @northcentralrailway | @CPRONCR

रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ उत्तर मध्य रेलवे
नवाब यूसुफ रोड, बाल्मीकी चौराहा, प्रयागराज - 211001

वर्ष 2022-23 में स्काउट्स एवं गाइड्स कोटा के अंतर्गत भर्ती

रोजगार सूचना सं. S&GQ 2022-23 दिनांक: 30.11.2022

ऑनलाईन आवेदन प्रारंभ तिथि : 01.12.2022 एवं ऑनलाइन अंतिम तिथि : 24.12.2022, 23:59 बजे तक

उत्तर मध्य रेलवे के प्रधान कार्यालय एवं मंडलों में स्काउट्स एवं गाईड्स कोटा वर्ष 2022-23 में खुली भर्ती के तहत ग्रेड पे रु. 1900 एवं 1800/- (7 वें सीपीसी के बाद संशोधित वेतनमान पे मैट्रिक्स लेवल - 02 एवं 01) में भर्ती के लिए न्यूनतम शैक्षणिक और स्काउट्स एवं गाईड्स योग्यता रखने वाले उम्मीदवारों से नीचे दर्शाये गये कोटे के विरुद्ध ऑनलाइन आवेदन अंतिम तिथि 24/12/2022 रात्रि 23:59 बजे तक आमंत्रित किए जाते हैं।

क्र. सं.	पद	7 वे सीपीसी के पे मैट्रिक्स लेवल	पदों की संख्या	पदों को आवंटन
1	लेवल -2	पे मैट्रिक्स लेवल-2 (ग्रेड पे रु. 1900/-)	02 (दो)	उत्तर मध्य रेलवे पर
2	लेवल -1	पे मैट्रिक्स लेवल-1 (ग्रेड पे रु. 1800/-)	06 (छः)	02 पर प्रत्येक इलाहाबाद, झांसी,एवं आगरा मंडलों हेतु।

• उपरोक्त कोटा सभी श्रेणी के उम्मीदवारों हेतु हैं बशर्ते वे न्यूनतम योग्यता रखते हों। • रोजगार सूचना, आवेदन पत्रों का प्रारूप एवं अन्य सभी विवरण, यथा शैक्षणिक योग्यता, आयु, भर्ती प्रक्रिया, परीक्षा शुल्क, आवेदन कैसे करें तथा अन्य महत्त्वपूर्ण सूचनाएं रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज के वेबसाइट www.rrcpryj.org एवं www.ncr.indianrailways.gov.in पर दिनांक 30.11.2022 से उपलब्ध है।

अध्यक्ष,
रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज
1603/22(A)

विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता रैली में शामिल डीएम

प्रयागराज

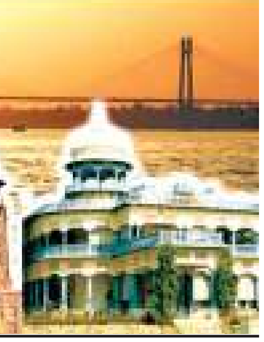

मौसम

अधिकतम :	29.00
न्यूनतम :	15.00
सूर्योदय :	06.19
सूर्यास्त :	05.15

पंचायत भवन का ताला तोड़कर इंवाईटर ,कंप्यूटर सहित लाखों की चोरी

मऊआइमा। पंचायत भवन की कुंडी काट कर चोरों ने कम्प्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सहित अनेकों सामान चोरी कर ले गए। ग्राम प्रधान ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम विशानी उर्फ शिकोहाबाद में स्थित पंचायत भवन की कुंडी काट कर चोरो ने पंचायत भवन में रखे कम्प्यूटर एंव इन्वाइटर, इलैक्ट्रोनिक आदि सामानों सहित लाखों का सामान चोरी कर ले गए। ग्राम प्रधान शिवमूरत ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

हाईकोर्ट जज का अर्दली निलंबित, कमर में पेटीएम का क्यूआर कोड लगा वकीलों से लेता था बख्शीश

प्रयागराज। कमर में पेटीएम का क्यूआर कोड स्कैनर लगाकर वकीलों से ऑनलाइन बख्शीश लेने वाले हाईकोर्ट जज के अर्दली (जमादार) को मुख्य न्यायाधीश जस्टिस राजेश बिंदल के आदेश पर निलंबित कर दिया गया। अर्दली की यह करतूत सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद चीफ जस्टिस ने इसे गंभीरता से लिया और रजिस्ट्रार को कार्रवाई के लिए निर्देश दिया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट कैंपस में वर्दी पर पेटीएम का वॉलेट लगाकर वकीलों से बख्शीश लेने वाले कोर्ट जमादार (अर्दली) राजेन्द्र कुमार को महानिबंधक ने निलंबित कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश ने वायरल फोटो को गंभीरता से लिया और कार्यवाही करने का आदेश दिया। जिस पर हाईकोर्ट के महानिबंधक आशीष गर्ग निलंबन आदेश दिया है। निलंबन अवधि के दौरान राजेंद्र कुमार नजारत सेक्शन से संबद्ध रहेगा ।कोर्ट की अनुमति के बिना अपना स्टेशन भी नहीं छोड़ सकेगा ।इस दौरान उसे निलंबन भत्तों का भुगतान होता रहेगा। आरोप है कि वह कोर्ट कैंपस में अपनी वर्दी पर पेटीएम का वैलेट लगाकर घूमता था।फुटकर न होने की दशा में उसी पर वकीलों से बख्शीश मांगता था। पेटीएम वॉलेट के जरिए वकीलों से ऑनलाइन टिप लेता था।

मुक्त विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आज से

फाफामऊ। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में आगामी 2 एवं 3 दिसंबर 2022 को भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'भारत में ई- गवर्नेंस और सार्वजनिक सेवाओं का वितरण: उभरते मुद्दे, चुनौतियां एवं भविष्य' का आयोजन सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में सुनिश्चित किया गया है। जिसमें देशभर के विद्वान प्रतिभाग करेंगे। राष्ट्रीय संगोष्ठी के निदेशक प्रोफेसर एस कुमार, प्रभारी, समाज विज्ञान विद्या शाखा ने बताया कि उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफेसर के एन सिंह, कुलपति, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, गया, बिहार होंगे जबकि विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर एके महापात्रा, स्कूल आफ इंटरनेशनल स्टडीज, जेएनयू नई दिल्ली एवं मुख्य वक्ता प्रोफेसर मनोज दीक्षित, पूर्व कुलपति, डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या होंगे।

जागरूकता से कम हुए एड्स के मरीज : डीएम

प्रयागराज। विश्व एड्स दिवस के मौके पर गुरूवार को संगम नगरी प्रयागराज में जन जागरूकता रैली निकाली गई। इस मौके पर एड्स कंट्रोल सोसाइटी, एनसीसी कैडेट, स्कूली बच्चों, स्वास्थ्य कर्मियों और एनजीओ से जुड़े लोगों ने सुभाष चौराहे से लेकर हनुमान मंदिर तक जन जागरूकता रैली निकाली। हाथों में पोस्टर बैनर लेकर लोगों को जागरूक एड्स के प्रति जागरूक किया। इसके साथ ही नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी लोगों को एड्स के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। इस बार मरीजों के प्रति समानता का भाव को लेकर जन जागरूकता रैली निकाली गई। इसका उद्देश्य है कि एड्स रोगियों के साथ किसी तरह का भेदभाव नहीं होना चाहिए बल्कि उनको समाज में हर जगह समानता का अधिकार मिलना चाहिए। डीएम संजय खत्री ने कहा कि एड्स के मरीजों को शिक्षा, नियोजन और रोजगार में समानता का अवसर मिले। उन्होंने कहा कि एड्स रोगियों को भी भारत के नागरिकों को मिलने वाले सभी अधिकार मिले। डीएम संजय कुमार खत्री ने जागरूकता रैली में शामिल एनसीसी और विभिन्न नर्सिंग स्कूल की छात्राओं से एड्स जागरूकता पर बात करके उनको प्रोत्साहित किया। सीएमओ डॉ नानक सरन ने कहा कि मरीजों को हर जगह समानता का अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने कहा है कि प्रयागराज जिले में एड्स के मरीजों में जागरूकता की वजह से लगातार कमी आई है।

दो पक्षों में खूनी संघर्ष का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

दो पक्षों में हो रहे खूनी संघर्ष का दृश्य

प्रयागराज। सरायइनायत थाना क्षेत्र के चकिया हिनौता गांव में भूमि विवाद को लेकर जमकर लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर चले। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में बड़ी संख्या में लोग एक दूसरे पर लाठी डंडे और ईंट से हमला कर रहे हैं। इससे पूरे गांव में हड़कंप मचा रहा। महिलाओं और बुजुर्गों को भी दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान में पुलिस जुट गई है। हालांकि लोगों का कहना है कि यह वीडियो दो-तीन दिन पुराना बताया जा रहा है इसके पश्चात भी पुलिस जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

संक्षेप

दो दिवसीय गंगादूत प्रशिक्षण हुआ सम्पन्न

प्रयागराज। नमामि गंगे में युवाओं की सहभागिता परियोजना के अंतर्गत 2 दिवसीय ग्रामस्तरीय गंगा दूतो का प्रशिक्षण का आयोजन में मंदाकिनी ग्रामीण इंटर कॉलेज डांडी किया गया। प्रथम दिवस कार्यक्रम पर प्रधानचार्य राधेश्याम पटेल ने कहा गंगा भारतीय जनमानस की आस्था का जीवन्त प्रतीक है। गंगा सदियों से हमारी सभ्यताझ्संस्कृति एवं आध्यात्मिकता का केन्द्र रही। इसके संरक्षण के लिए हम सबको आगे आना होगा। भारतीय वन्य जीव संस्थान के सामुदायिक अधिकारी के पी उपाध्याय ने गंगा के प्रदूषण, समस्या, और दुष्प्रभाव पर चर्चा की साथ ही जैव विविधता एवं उसके संरक्षण पर चर्चा की और बताया पानी में रहने वाले जीव-जन्तुओं की एक विशेषता यह है कि ये जल प्रदूषण को भी रोकते हैं ।स्पीयर हेड लीडर कुलदीप ने गंगा किनारे के दूतों को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें अपने अपने गांव में नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत जगरूकता कार्यक्रम चौपाल, गंगा आरती, श्रमदान स्वच्छता शपथ रैली इत्यादि जागरूकता कार्यक्रम के बारे में में अवगत कराया। ट्रेनर अनुज ने गंगा जलीय जैव विविधता का समुदाय आधारित संरक्षण पर चर्चा करी ' दूसरे दिवस राज्य प्रशिक्षक राम अवध कुशवाहा ने नेहरू युवा केंद्र संगठन के कार्यो, युवा मंडल गठन, के बारे में जानकारी दी और गंगा विषय पर सामूहिक गतिविधि द्वारा गंगा दूतो से चर्चा की ।समापन मे अतिथि मंदाकिनी ग्रामीण इंटर कॉलेज डांडी के प्रधानचार्य राधेश्याम पटेल तथा अजय सिंह ने सभी गंगादूतों को बधाई दी तथा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। ' कार्यक्रम मे गंगादूत राजन शर्मा युवा मंडल अध्यक्ष संदीप मिश्रा, स्वयंसेवक ,कुलदीप, का अहम योगदान रहा '

21वें कोरांव महोत्सव की तैयारियों को लेकर बैठक सम्पन्न

कोरांव। आगामी एक समय पूरा महोत्सव के आयोजन को लेकर कोरांव महोत्सव आयोजन समिति के पदाधिकारियों की बैठक गीता ज्ञान अकैडमी में गुरुवार को संपन्न हुई ।बैठक में आगामी जनवरी माह में होने वाले कोरांव महोत्सव के कार्यक्रमों की तैयारियों पर चर्चा की गई । बैठक में महोत्सव के तहत होने वाले कार्यक्रमों की तिथियों का निर्धारण किया गया ।25 दिसंबर को सामान्य ज्ञान एवं चित्रकला प्रतियोगिता 31 दिसंबर को कोरांव मैराथन प्रतियोगिता एवं निशुल्क चिकित्सा शिविर संपन्न कराने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा एक दो एवम तीन जनवरी को विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई ।महोत्सव समिति के संयोजक कृष्ण मुरारी द्विवेदी शशी ने बताया कि समिति के सभी पदाधिकारी महोत्सव की तैयारियों में जुट गए हैं। बैठक में प्रमुख रूप से गिरीश मिश्रा सुमित कुमार पांडे सुशील पांडे चंद्र प्रकाश मिश्रा शैलेश सिंह कृष्णकांत कामिल रितेश तिवारी सत्यम द्विवेदी आदि लोग शामिल रहे।

यातायात नियमों का पालन करें : कोतवाली इंस्पेक्टर अमर सिंह रघुवंशी

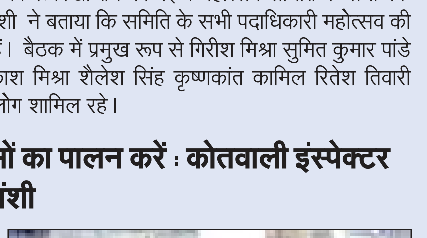

प्रयागराज। थाना कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत जीरो रोड बस स्टैंड के आस पास अनावश्यक रूप से खड़ी मोटर साइकिल का पुलिस प्रशासन ने किया चालान, बिना हेलमेट लगाकर चल रहे युवकों को रोककर कोतवाली इंस्पेक्टर अमर सिंह रघुवंशी ने हिदायत दी 12 से 15 लोगों का चालान किया और कुछ लोगों को यातायात का पाठ पढ़ा कर जागरूकता के नियम को समझाकार छोड़ा गया। इस बीच कोतवाल साहब एस, एस आई मुदित राय अपनी पूरी टीम के साथ व्यापक रूप से जीरो रोड, मानसनोवार, चौक घंटा घर गश्त करते हुए नजर आये दुकानदारों के दुकान पर जाकर उनकी हाल भी लेते दिखे।

आजादी@75 अमृतमहोत्सव के अन्तर्गत 'प्रतिबद्ध 75 घण्टे'

प्रयागराज। शासनादेश सं0-पी0एम0यू0/6867/441(1)/2021 दिनांक 25.11.2022 द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के आजादी@75 अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 'प्रतिबद्ध 75 जनपद, 75 घण्टे, 750 निकाय' अभियान चलाये जाने के निर्देश प्राप्त हुए है इसी क्रम में नगर निगम प्रयागराज में स्वच्छ भारत मिशन के आजादी /75 अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 'प्रतिबद्ध 75 घण्टे' अभियान के अन्तर्गत गुरूवार को टेलीफोन एक्सचेन्ज के पास, बासू कूड़ा अड्डा जीरो रोड, लोक सेवा आयोग, पायल कूड़ा अड्डा, लेबर कालोनी इन्दल यादव की चक्की के पास नैनी, नीम सरांय कूडा अड्डा तथा हनुमान मन्दिर के पास गार्बेज वर्नेबल प्वाइंट को समाप्त किये जाने की कार्यवाही की गयी। इस कार्य में 100 कर्मचारी लगाकर एवं मशीनरी का उपयोग करते हुए 04 हाइवा, 05 डम्पर, 5 ट्रक्टर तथा 12 टाटएश वाहनों से कूडे का निस्तारण कराया गया।

कार मांग लेकर गया युवक वापस नहीं आया, मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। कार उधारी मांग कर ले गया युवक कई दिन गुजर जाने के बाद वापस न लौटने पर भुक्तभोगी ने मऊआइमा थाने में मुकदमा दर्ज करा दिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सुलतानपुर खास थाना पडाव के बगल निवासी इंद्रजीत यादव पुत्र कृष्णकांत यादव की मऊआइमा थाना पड़ाव स्थित एक हॉस्पिटल है । आरोप है कि 28 नवम्बर की दोपहर अमित कुमार पुत्र विनोद कुमार निवासी देवरी हर्दोपट्टी कोतवाली कुंडा जनपद प्रतापगढ़ चार पहिया वाहन उधारी मांग कर ले गया। परन्तु विनोद कुमार आज तक वापस नहीं लौटा ।तथा अपना मोबाइल बंद कर लिया है। भुक्तभोगी इन्द्र जीत यादव ने मऊआइमा थाने में अमित कुमार के खिलाफ अमानत में ख्यानत का मुकदमा दर्ज करा दिया है।

कोर रेल के विद्युतीकरण क्षेत्र में गढ़ रहा नित नये आयाम

प्रयागराज। केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन प्रयागराज द्वारा भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना-ब्रॉड गेज रूटों का शत-प्रतिशत विद्युतीकरण के लक्ष्य को और आगे बढ़ाते हुए इसकी बेंगलुरु परियोजना ने दक्षिण पश्चिम रेलवे के मैसूर मण्डल के बिरुर-आर्सिकेरे (40RKM) खण्ड का विद्युतीकरण कार्य पूर्ण करने के उपरान्त दिनांक 29/11/2022 तथा चिक्का बनावारा- सोलुर (33.5RKM), नितुर-संपिगे रोड (11RKM) बेंगलुरु मण्डल तथा इसी प्रकार सिकंदराबाद परियोजना द्वारा मध्य रेलवे के सोलापुर मण्डल के पांगरी-औसा रोड (80RKM) का दिनांक 30/11/2022 को प्रधान मुख्य विजली इंजीनियर के द्वारा निरीक्षण का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण करा कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

रेल विद्युतीकरण के साथ कोर महाप्रबंधक

बिरुर-आर्सिकेरे रेल खण्ड बेंगलुरु-हुबली रेल मार्ग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है इस रेल खण्ड के विद्युतीकृत होने से अब विद्युत रेल गाडियाँ बेल्लारी से चिकजाजूर होते हुए आर्सिकेरे तक विद्युत कर्षण पर निर्बाध रूप से चल सकेंगी। बेंगलुरु-हुबली रेल मार्ग पर बंदे भारत एक्सप्रेस को रेल मंत्रालय द्वारा चालू वित्त वर्ष में ही चलाने की योजना है। जिसमें यह विद्युतीकृत खण्ड महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करेगा।

पांगरी-औसा रोड नव विद्युतीकृत खंड मिराज-कुदुर्वाड़ी-लातूर रोड (377 रूट किलोमीटर) का एक हिस्सा है। जिसके प्रथम चरण में मिराज.धालगाँव रेल खण्ड के विद्युतीकरण का कार्य दिनांक 03/01/2022 को पूर्ण कर लिया गया है। दूसरे चरण में धालगाँव-कुदुर्वाड़ी रेल खण्ड के विद्युतीकरण का कार्य दिनांक 04/03/2021 को पूर्ण हो चुका है। इसी रेल खण्ड के कुदुर्वाड़ी-पंगरी सेक्शन का कार्य दिनांक 08/12/2021 को पूर्ण कर लिया गया है। मिराज-कुदुर्वाड़ी-पंगरी सेक्शन (243 रूट किलोमीटर) को 31.03.2022 तक चालू कर दिया गया है। शेष खंड औसा रोड-लातूर रोड (54 रूट किलोमीटर) दिसंबर 2022 तक पूरा हो जाएगा। इससे मिराज-कुदुर्वाड़ी-लातूर रोड के पूरे खंड का विद्युतीकरण हो जाएगा। पंगरी-औसा रोड सेक्शन के विद्युतीकृत होने सेए गुड्स और एक्सप्रेस/पैसेंजर ट्रेनें इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन पर अब पुणे से औसा रोड तक बिना कर्षण परिवर्तन के निर्बाध रूप से चल सकेंगी। पुणे-मिराज-औसा रोड तक अब मेमू ट्रेन चलाई जा सकेंगी जिससे दैनिक यात्रियों को बहुत लाभ होगा। भारतीय रेल को स्वच्छ पर्यावरण के साथ प्रदूषण रहित एवं आयातित ईंधन पर निर्भरता को कम करते हुए हरित रेल बनाने की राह में केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन अहम भूमिका निभा रहा है। इस महत्वपूर्ण कड़ी में यह उपलब्धि एक मील का पत्थर है।

कोर के महाप्रबन्धक प्रमोद कुमार ने बेंगलुरु एवं सिकंदराबाद परियोजना के इस उपलब्धि पर सभी संबन्धित को बधाई दी एवं प्रसन्नता जताते हुए कहा कि कोर शत.प्रतिशत विद्युतीकरण करने के लक्ष्य की ओर निरन्तर अग्रसर है।

न्यूड वीडियो साइबरक्राइम मामले की जांच शुरू

जांच का आदेश

एसएसपी के आदेश पर एसपी क्राइम करेंगे मामले की जांच

नैनी। न्यूड वीडियो कॉल ब्लैकमेलिंग मामले की पुलिस जांच शुरू हो गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधीक्षक अपराध क्राइम ब्रांच को जांच का आदेश दिया है ।

आवश्यक कार्रवाई करने और आख्या प्रेषित किए जाने संबंधी आदेश के बाद पूरे देश के पैमाने पर सक्रिय इन साइबरक्राइम अपराधियों के और भी कई कारनामे सामने आ सकते हैं। न्यूड वीडियो कॉल ब्लैकमेलिंग करने वाले साइबर अपराधियों के खिलाफ पिछले दिनों नैनी निवासी एक पत्रकार ने संबंधित अधिकारियों को शिकायती पत्र भेजा था। शिकायत के साथ ही अपराधी गिरोह के लोगों के द्वारा व्हाट्सएप चैट के जरिए की गई ब्लैकमेलिंग की हार्ड कॉपी,एक ही फोटो से कई अलग-अलग आईडी बनाने वाली युवती की फोटो, व्हाट्सएप नंबर और गूगल पे मोबाइल नंबर पुलिस को साक्ष्य के तौर पर दिए गए हैं ।तमाम साक्ष्यों के आधार पर पुलिस विवेचना किए जाने पर अपराधियों को पकड़ना आसान जरूर है, लेकिन पुलिस के लिए चुनौती भी है ।

सूत्रों के द्वारा पता चला है, कि इस अपराधी गिरोह का बहुत बड़ा नेटवर्क है ।ये लोग फेसबुक और व्हाट्सएप पर वीडियो कॉलिंग के जरिए लोगों को ब्लैकमेल कर पैसा वसूलते हैं। लोगों को धमकी देना, गाली गलौज करना, घर पर गुंडे भेजकर रंगदारी वसूलना इनका पेशा बन गया है ।इनकी हरकतों से पूरे देश में लोग बहुत परेशान हैं।

सोशल मीडिया पर पिछले कई वर्षों से सक्रिय गिरोह के खिलाफ पहली बार शिकायत की गई है ।ये लगभग एक माह पुरानी घटना है । अभी तक इस तरह का कोई गिरोह पूरे देश में नहीं पकड़ा गया है । इससे लगता है, कि ये कहीं छुपे हुए हैं ।पुलिस द्वारा छानबीन की जाएगी, तो और भी कई चौंकाने वाले मामले सामने आ सकते हैं । पूरे देश में इन लोगों ने कितने लोगों से ब्लैक मेलिंग के जरिए धन उगाही की है। इसका भी खुलासा हो सकता है !

एक ही फोटो से दर्जनों अलग अलग नाम से आईडी बनाकर लोगों को ब्लैकमेल करने वाली महिला की फोटो के आधार पर खोजबीन की जाएगी, तो पुलिस को बड़ी कामयाबी मिल सकती है। इसी शातिर महिला के द्वारा पूरे गिरोह का संचालन किया जा रहा है ।यह उसकी आईडी से यह स्पष्ट होता है।

जर्जर मकान को दोबारा निर्माण करा रही महिला को मारा पीटा मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। जर्जर मकान को गिरा कर उसी पर पक्का मकान का निर्माण कर रही महिला को मार पीट कर जख्मी कर दिया गया। पुलिस ने पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम बटहा निवासनीय जग्गी देवी पत्नी सालिक राम का आरोप है कि वह अपना कच्चा मकान गिरा कर दोबारा उसी पर पक्का मकान का निर्माण कर रही थी। आरोप है कि तभी उसके विपक्षी एक राय होकर मकान निर्माण को रोक कर मार पीट कर जख्मी कर दिए। जग्गी देवी ने मऊआइमा थाने में ओमप्रकाश, झगडू, शिवम, दर्शन, पवन के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दी है।

कॉलेज प्रबंधक की धमकी से परेशान विश्वविद्यालय का कंप्यूटर ऑपरेटर

प्रयागराज। कॉलेज प्रबंधक की धमकी से राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का कंप्यूटर ऑपरेटर इन दिनों काफी परेशान है ।कंप्यूटर ऑपरेटर ने इसकी लिखित शिकायत कर्नलगंज थाने में की है हालांकि पुलिस इस मामले में जमीनी विवाद बता रही है

जानकारी के अनुसार मंफोर्डगंज के रहने वाले राजमणि शुक्ला राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में कंप्यूटर ऑपरेटर हैं उन्होंने कर्नलगंज पुलिस कर्नलगंज थाने में लिखित शिकायत की है। उन्होंने तहरीर में लिखा है कि मेरे खिलाफ एक कालेज का प्रबंधक राकेश त्रिपाठी जालसाजी करके मुझे फसाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं वें मुझे कई लोगों को भेजकर जान से मारने की धमकी दिलवाते रहते हैं। कहते हैं कि मैं एक वकील हूँ आप मेरी जमीन के बगल से हट जाये वरना ऐसे कानूनी प्रक्रिया में फंसा दूंगा कि जीवन भर जेल में ही रहेंगे। दरअसल कॉलेज प्रबंधक के मकान के पास ही राजमणि शुक्ला ने भी जमीन खरीद रखी है। जमीन पर कब्जा करने के लिए से तरह-तरह के हथकंडे अपना रहा है । विगत माह में राकेश त्रिपाठी ने कुछ लोगों को भेज कर डराया धमकाया था इस मामले का शिकायत राजमणि शुक्ला ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी किया था। इस मामले में चौकी इन्चार्ज ममफोर्डगंज ने दोनो लोगों को बुलाकर कहा था कि यह राजस्व का मामला है कोर्ट से फैसला कराइये और उसमें धारा 107 लगाकर दोनो लोगो से शान्ति बनाये रखने के लिए कहा था किन्तु इसके बावजूद राकेश त्रिपाठी लगातार किसी न किसी को भेजकर मुझे परेशान करते हैं।

विदाई समारोह में शामिल लोग

एसएसपी प्रयागराज को नगर के व्यापारियों ने की विदाई

प्रयागराज। प्रयाग व्यापार मंडल द्वारा नगर के एसएसपी शैलेश कुमार पांडे को सिविल लाइन स्थित एक होटल में व्यापारियों ने विदाई दी। उनके अच्छे कार्यों को व्यापारियों के बीच में रखा गया। प्रयाग व्यापार मंडल के अध्यक्ष विजय अरोरा जी ने कहा की नगर के व्यापारियों के साथ जो भी लूट की घटनाओं हुई उनका पूर्ण रूप से खुलासा किया गया। महामंत्री सोहेल अहमद ने कहा कि शैलेश पांडे जी ने यहां 4 महीने के दौरान निष्पक्ष कार्य किए। सुशील खरबंदा ने कहा कि पुलिस में ऐसे अच्छे अधिकारी के आने से व्यापारियों का पुलिस में विश्वास बढ़ता जाता है' इस कार्यक्रम का संचालन अरुण केसरवानी जी ने किया, स्वागत राणा चावला ने किया। अंत में धन्यवाद कार्यक्रम के संयोजक सरदार हरजिंदर सिंह की तरफ से हुआ। जिला महिला व्यापार मंडल की अध्यक्ष अवंतिका टंडन ने कहा कि ऐसे अच्छे अधिकारियों के आने से महिलाओं भी स्वयंको सुरक्षित महसूस करती हैं और उनका पुलिस में विश्वास और मजबूत हो जाता है इस बैठक में जगदीश गुलाटी , विजय अरोड़ा ,सोहेल अहमद ,राणा चावला ,अरुण केसरवानी , सुशील खरबंदा , अवंतिका टंडन,हिना खान ,पल्लवी अरोरा, इंदर मध्यान्ह, श्याम केशवानी, पीयूष अग्रवाल सचदेवा मोहम्मद आमिर,मोहम्मद अकरम शेख डाबर वकील आदि रहे।

मैथिली की गीतों पर थिरके लोग, तालियों से गूंजा पंडाल

प्रयागराज। प्रयाग नगरी संगम में एक बार फिर राष्टीय शिल्प मेला का आगाज हो गया। मन को तरंगित कर देने वाले आंचलिक लोकगीत, भांगड़ा, डांडिया नृत्य, लोकनृत्य एवं विभिन्न राज्यों के मशहूर खानपान की बहुरंगी छटा से सजी शाम के बीच एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतगर्त राष्टीय शिल्प मेले का गुरुवार शाम से शुरूआत हो चुकी है। शिल्प हाट रंगबिरंगी रौशनी से नहाए मुक्ताकाशी मंच की आलौकिक छवि नजर आ रही है। 12 दिसंबर तक चलने वाले इस बहुचर्चित मेले का शुभारंभ सुप्रसिद्ध लोक गायिका मैथिली ठाकुर ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मेले का शुभारंभ ऋचा पाठ विधा के एकमात्र कलाकार विपिन मिश्रा ने शंख एवं डमरू ज्ञान दुंगदुभी से किया। इसके बाद चेतन भाई चौहान के गरबा लोकनृत्य की प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया। इसके बाद मंच पर उड़ीसा के हेमन्त बहेरा ने डांडिया एवं गोटी पुआ नृत्य पेश कर वहां पर बैठे लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। दिनेश भार्वे गुटुम्ब बाजा की प्रस्तुति देकर चार चांद लगा दिये। मणिपुर से वाई अमसुसाना ने मार्शल आर्ट थांगगटा तथा पुंग व ढोल चोलम की प्रस्तुति दी। इसके बाद पंजाब से आए रवि किन्नूर ने भांगडा लोकनृत्य पेश कर-के दर्शकों को खूब झूमाया। मंच पर जैसे ही सुप्रसिद्ध लोकगायिका मैथिली ठाकुर का आगमन होता है वहां पर बैठे लोगों ने तालियों से उनका जोरदार स्वागत किया। उन्होंने अपने कार्यक्रम की शुरूआत ह्य हे गंगा मइया तोहरे पियरे चढ़ाएबे सइया से करा दे मिलनवां से की तो पूरा पंडाल भक्तिमय हो गया। इसके बाद छाप तिलक तोहसे नैना मिलाइकै एवं दमा- दमा मस्त कलंदर गा कर पूरी महफिल लूट ली।

सुप्रसिद्ध गायिका मैथिली ठाकुर

पंजाब से आए रवि किन्नूर भांगडा लोकनृत्य प्रस्तुत करते हुए

केंद्र निदेशक प्रो. सुरेश शर्मा ने सुश्री मैथिली ठाकुर को पुष्प गुच्छ व अंग वस्त्र भेंटकर उनका स्वागत किया। प्रो. सुरेश शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह राष्टीय शिल्प मेला एक महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है जो 1993 से आरंम्भ हुआ है। जिसमें 22 राज्यों के 75 शिल्पकार अपने शिल्पों का प्रदर्शन करेंगे। दोपहर 1 बजे कलाकारों ने निकाली भव्य शोभायात्रा- राष्टीय शिल्प मेले तमिलनाडु, मणिपुर, गुजरात, उड़ीसा, बिहार, मध्य प्रदेश, पंजाब आदि राज्यों से आए कलाकारों ने शोभायात्रा निकाली। यह शोभायात्रा एनसीजेडसीसी से आरंभ होकर इंदिरा गांधी चौराहा, पत्थर गिरजाघर, सुभाष चौराहा, हनुमान मंदिर होते हुए राजापुर बाबा चौराहे पर समाप्त हुई। इस यात्रा में कलाकारों ने अपनी कलाओं का प्रर्दशन किया जिससे देखने के लिए पूरा शहर उमड़ पड़ा।

संक्षेप

कीचड़ भरे रास्ते से स्कूल जा रहे नौनिहाल

कौशाम्बी। सदर ब्लॉक के मुकीमपुर प्राथमिक स्कूल को जाने वाले रास्ते में जलभराव है। ऐसे में बच्चों को कीचड़ भरे रास्ते से गुजरना पड़ रहा है। गांव में बनाई गई नालियां ध्वस्त हो चुकी हैं। इससे नौनिहालों को स्कूल जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने नालियों को बनवाने की स्थानीय प्रशासन से मांग की है।

विवाहिता से की छेड़खानी, पीटा

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के एक गांव में बुधवार की शाम विवाहिता को घर में अकेली देख पड़ोसी युवकों ने छेड़खानी की। विरोध करने पर उसकी पिटाई कर दी। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना क्षेत्र के एक गांव की विवाहिता ने बताया कि पड़ोसी से उसके परिवार की रंजिश चल रही है। बुधवार की शाम पड़ोसी साथियों के साथ उसके घर पर पहुंच गया। घर में घुसकर आरोपितों ने विवाहिता से छेड़खानी करते हुए उसकी पिटाई कर दी। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

फर्जी रसोइया भर्ती में डीसी समेत सात कर्मचारी बर्खास्त

कार्यवाही

विभागीय कार्यवाही से महकमे में मचा हड़कंप

कौशाम्बी। फर्जी रसोइया भर्ती कर सरकारी धन गबन करने वाले अफसर व कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया गया। डीएम ने इस मामले में एफआइआर दर्ज कराने का निर्देश दिया है। प्रकरण में छह खंड शिक्षा अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए शासन को नोटिस भेजी गई है।

जिले के कई ब्लॉकों में रसोइया की तैनाती न होने के बाद भी सुनियोजित तरीके से मानदेय निकाला जा रहा था। जिला समन्वयक ;डीसी एमडीएम और कंप्यूटर ऑपरेटर सांठगांठ कर करीबियों को तैनात कर मानदेय निकाल रहे थे। फतेहपुर के लोगों की तैनाती दिखाई गई थी, जबकि उनको मानदेय नहीं मिल रहा था। डीएम सुजीत कुमार ने मामले की जांच शुरू कराई। जांच में पता चला कि डीसी एमडीएम और कंप्यूटर ऑपरेटरों ने 34 लाख 80 हजार का रुपये का गबन किया है। इसकी विस्तृत रिपोर्ट शासन को भेजी गई। बीएसए प्रकाश सिंह ने डीएम के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए जिला समन्वयक पंकज कुमार, विनय कुमार गुप्ता, तत्कालीन कम्प्यूटर ऑपरेटर सिराथू, राजकुमार चौरसिया, तत्कालीन कम्प्यूटर ऑपरेटर मूरतगंज, मो. नाशिद, अनुदेशक उच्च प्राथमिक विद्यालय पिंडरा एमडीएम पटल प्रभारी मंझनपुर, नीरज जायसवाल, कम्प्यूटर ऑपरेटर. एमडीएम को बर्खास्त कर दिया है। इनकी संविदा सेवा समाप्त कर दी गई है। इनके अलावा दो अन्य ऑपरेटर प्रदीप सिंह सरसवां, आलेप कुमारए सिराथू की भी संविदा सेवाएं समाप्त की गई है। डीएम ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कराने का भी निर्देश दिया है। तत्कालीन खंड शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार व मिथिलेश कुमार वर्तमान तैनाती चित्रकूट, जवाहर लाल यादव जिला मुख्यालय, तत्कालीन खंड शिक्षा अधिकारी चन्द्रमोहन सिंह मंझनपुर, किरन पांडेय, मुकेश नारायण मिश्र के विरूद्ध विभागीय कार्यवाही करने के लिए महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक को रिपोर्ट भेजी गई है।

दिन में जल रही स्ट्रीट लाइट

कौशाम्बी। नगर पालिका परिषद के वीरांगना दुर्गा भाभी नगर भड़ेसर में दिन.रात स्ट्रीट लाइटें जलती रहती है। लाइटों को जलाने व बंद करने के लिए कोई इंतजाम नहीं किया गया है। दिन.रात जलने के कारण कई लाइटें खराब हो गई हैं। मोहल्ले के लोगों ने लाइटों की बेहतर देखरेख के लिए स्विच लगवाने और खराब लाइटों को बदलवाने की मांग की है।

रक्सवारा विद्यालय में हुआ यातायात जागरूकता कार्यक्रम

बच्चों को यातायात नियमों की जानकारी देती पुलिस

कौशाम्बी। विकास खंड कौशाम्बी के रक्सवारा उच्च प्राथमिक विद्यालय में बृहस्पतिवार को करारी के उपनिरीक्षक संजय सिंह परिहार द्वारा यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यातायात की जागरूकता में छात्रों की भूमिका अहमद होती है।

बता दें कि सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत थाना करारी के सब इंस्पेक्टर संजय सिंह परिहार के नेतृत्व में उच्च प्राथमिक विद्यालय रक्सवारा में कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रधानाध्यापक राजेश वर्मा ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी दी। सब इंस्पेक्टर संजय सिंह परिहार ने कहा कि सड़क दुर्घटना रोकने में स्कूली बच्चों की भूमिका अहम है। उन्होंने बच्चों से जिम्मेदार बनने और समाज में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने का भी आह्वान किया। संजय परिहार कहा कि यातायात के नियमों का सभी को पालन करना चाहिए। उन्होंने दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करने, ट्रिपल राइडिग न करने, निर्धारित गति में वाहन चलाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर एस आई विमलेश, प्रधान प्रतिनिधि शैलेन्द्र गुप्ता, राम प्रकाश स्वर्णकार, अनुपम सिंह, रमेश सिंह, अजय, कृष्ण मुरारी, अजय सिंह व स्कूल के विद्यार्थी मौजूद रहे।

भरवारी में टूटा बिजली का तार, पानी का संकट गहराया

कौशाम्बी। बिजली विभाग की हड़ताल का परिणाम यह है कि जहां आपूर्ति बाधित हो रही है, वहां लाइनमैन काम करने नहीं जा रहे हैं। भरवारी में गुरुवार को विद्युत तार ट्रक की टक्कर से टूट गया। इससे भीषण जाम लग गया। लाइट बाधित होने से 200 घरों में पानी का संकट भी गहरा गया है। बिजली विभाग के अधिकारी कुछ सुनने को तैयार नहीं हैं। भरवारी.कोखराज रोड पर भुइयन बाबा मंदिर के समीप गुरुवार की सुबह एक ट्रक की टक्कर से 440 वोल्ट का तार टूटकर गिर गया। तार गिरने से करीब 200 घरों की बिजली प्रभावित हो गई। लाइट न होने से लोगों को पानी की भी समस्या का सामना करना पड़ा। दोपहर बाद लोगों ने बिजली कर्मचारियों को फोन करना शुरू किया तो लाइनमैनों ने काम करने से मना कर दिया। तार पड़ा होने से जाम भी लगा था। जाम हटवाने की तमाम कोशिशें की गईए लेकिन बिजली विभाग के कर्मचारियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। जेई महेंद्र वर्मा का कहना है कि उन्होंने कर्मचारियों को भेजा था, लेकिन उनसे अभद्रता हुई, इसलिए कर्मचारी वापस चले आए।

नहरों की सिल्ट सफाई में हो रही खानापूर्ति को लेकर सड़क पर उतरे सकिपा कार्यकर्ता

प्रदर्शन

सिंचाई मंत्री के नाम जिला प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

प्रदर्शन करते समर्थ किसान पार्टी के पदाधिकारी

कौशाम्बी। समर्थ किसान पार्टी के दर्जनों कार्यकताओं ने गुरुवार को नहरों की सिल्ट सफाई में की जा रही खानापूर्ति को लेकर जिला मुख्यालय की सड़को में विरोध प्रदर्शन किया और सिंचाई विभाग फतेहपुर के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। साथ ही जिला प्रशासन के माध्यम से प्रदेश के सिंचाई मंत्री को एक पांच सूत्रीय ज्ञापन भेजा।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत गुरुवार को समर्थ किसान पार्टी के दर्जनों कार्यकर्ता जिला कार्यालय मंझनपुर में उपस्थित हुए और मासिक बैठक की। बैठक की अध्यक्षता पार्टी नेता अजय सोनी ने की। बैठक में नहरों की सिल्ट सफाई में हो रही खानापूर्ति का मुद्दा छाया रहा। इस अवसर पर कार्यकताओं को संबोधित करते हुए अजय सोनी ने कहा कि सिंचाई विभाग फतेहपुर द्वारा कौशांबी की निचली गंगा नहर एवं रामगंगा नहर की पश्चिमी इलाहाबाद शाखा में कई माइनर में चल रहे सिल्ट सफाई के काम में पूरी तरह से खानापूर्ति की जा रही है और सिर्फ दिखावे के लिए कहीं कहीं नहर में सिल्ट सफाई कराई जा रही है, बाकी शेष भाग ठेकदारों द्वारा छोड़ दिया जा रहा है। इससे नहरों में पानी छोड़े जाने पर पटरी के कट जाने का खतरा हो सकता है स साथ ही सिल्ट सफाई में मिट्टी को बाहर नहीं फेंका जा रहा और नहर की तली में ही उसे छोड़ दिया जा रहा है जिससे पटरियों की मरम्मत नहीं हो पा रही है। इसे कत्तई बर्दाश्त नही किया जायेगा। पार्टी कार्यकर्ता जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और मौके पर मौजूद रहे अपर जिलाधिकारी जयचंद पांडेय को सिंचाई मंत्री के नाम एक पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर प्रेमचंद केसरवानी, शैलेंद्र मिश्रा, भगवान दास सोनी, मुन्ना पटेल, भैयालाल पटेल, फूलसिंह यादव, बबलू , परिहार सिंह लोधी, अमृत लाल गौतम आदि मौजूद रहे।

घर में घुसकर की तोड़फोड़ विरोध पर पीटा

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के कसिया पश्चिम गांव में पड़ोसी ने विवाहिता को पीट दिया। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर पांच आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। कसिया पश्चिम गांव की माधुरी देवी पत्नी शिवसरन का पड़ोसी से पुराना विवाद चल रहा है। दोनों के बीच मामूली बात को लेकर कहासुनी हो गई। इसके बाद आरोपित परिजनों के साथ महिला के घर पर आ गया। घर में घुसकर तोड़फोड़ करने लगा। विरोध करने पर आरोपितों ने महिला को पीट दिया। ग्रामीणों के बीच.बचाव करने पर आरोपित जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर आरोपित अक्षय समेत पांच लोगों के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पूरी ताकत से नगर निकाय चुनाव लड़ेगी आप

बैठक

करारी नगर पंचायत क्षेत्र में आयोजित हुई आप की बैठक

चायल, कौशांबी। करारी नगर पंचायत में बृहस्पतिवार को आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं की बैठक संपन्न हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मोहम्मद असद ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला निकाय चुनाव प्रभारी अभिषेक द्विवेदी रहे। कार्यक्रम के आयोजक संजीव कुमार चौरसिया थे। जिला प्रभारी अभिषेक द्विवेदी ने कहा सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर चुनाव की तैयारी में जुट जाएं क्योंकि चुनाव की डेट किसी भी दिन आ सकती है। हमारी पार्टी भारत की दोनों राष्ट्रीय पार्टियों से मुख्य मुकाबला कर रही है। पार्टी लोगों की उम्मीद और विकल्प बन चुकी है। नरेंद्र मोदी की सरकार हमारी पार्टी से इतना डर गई है कि गुजरात में आम आदमी पार्टी के नेताओं से डिबेट करने से भाग रही है। गुजरात में सारी मीडिया चैनलों ने हमारी पार्टी का कार्यक्रम दिखाना बंद कर दिया है। लेकिन आपको यकीन दिलाते हैं गुजरात में हमारी सरकार बन रही है। जिलाध्यक्ष मोहम्मद ने कहा कि हम चुनाव के लिए तैयार हैं पार्टी में अच्छे लोग भी आ रहे हैं जिनका रिकॉर्ड अच्छा होगा उन्हें टिकट दिया जाएगा। इस अवसर पर पंकज केसरवानी, राम लखन मौर्या, अजीज अशरफ, श्याम पाल, धर्मेंद्र कुमार, अर्चना गौतम, अमरावती, संत लाल भोला, सिंह यादव, महेंद्र कुमार पांडे, जगरूप प्रसाद चौरसिया आदि लोग मौजूद रहे है।

आवास, पेंशन को लेकर भाकियू ने सौंपा ज्ञापन

बीडीओ को ज्ञापन सौंपते भाकियू के पदाधिकारी

कौशाम्बी। भारतीय किसान यूनियन आराजनैतिक के पदाधिकारियों ने बृहस्पतिवार गरीब, किसान, आवास व पेंशन आदि की समस्याओं को लेकर खंड विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान कहा कि आवास पेंशन आदि में बरती जा रही धांधली पर रोक लगाई जाए। किसान मुद्दे को लेकर भी आवाज बुलंद किया। कार्यक्रम की अगुवाई कर रहे भाकियू के जिलाध्यक्ष नमो मिश्र ने कहा कि गरीब, किसान, आवास पेंशन आदि के लिए परेशान है। दिए गए ज्ञापन में माध्यम से शीघ्र ही समस्याओं के निस्तारण की मांग किया। इस दौरान बीडीओ कौशाम्बी के न मौजूदगी में उनके प्रतिनिधि अवर अभियंता अरुण कुमार व रवि प्रकाश सिंह ग्राम पँचायत अधिकारी ने ज्ञापन लेने के बाद अफसरों को दिए जाने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में तहसील अध्यक्ष सूर्यभान सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष कल्लू, मोहन लाल गुप्ता, भान सिंह यादव, राजरानी, निराशा देवी, भूप सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

सड़क पर जगह-जगह गड्ढे आवागमन में परेशानी

कौशाम्बी। इचौली-बसोहनी मार्ग से बंश का पुरवा गांव को जाने वाली सड़क क्षतिग्रस्त हो चुकी है। सड़क पर जगह.जगह गड्ढे हो गए हैं। ऐसे में आए दिन बाइक व साइकिल सवार गिरकर चोटिल होते रहते हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायत के बाद भी क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत नहीं कराई जा रही है। जिसे लेकर आसपास के लोगों में रोष है।

नौ अपराधियों पर पुलिस ने की गैंगस्टर की कार्रवाई

कौशाम्बी। चरवा थाने की पुलिस ने अपराधियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है।निरीक्षक अलोक कुमार ने मा. आजम, मा. औसाफ निवासी सैयद सरावां, दिलीप कुमार निवासी रामपुर, मानसिंह निवासी काठगांव पिपरी, धर्मेंद्र कुमार, विनोद कुमार निवासी रामपुरए संतलाल, रामचंद्र निवासी काठगांव व लवलेश निवासी कोटिया के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई की है।

संस्कृत शिक्षक कल्याण समिति के अध्यक्ष बने प्रदीप कुमार मिश्र

नवनिर्वाचित पदाधिकारीगणों का माला पहनाकर किया गया स्वागत

कौशाम्बी। दुर्गा देवी संस्कृत उ.माध्यमिक विद्यालय मंझनपुर में माध्यमिक संस्कृत शिक्षक कल्याण समिति की उत्तर प्रदेश की जनपदीय इकाई का गठन किया गया। इस दौरान निर्वाचन अधिकारी डा. रवींद्र नाथ शुक्ल अध्यक्ष उत्तरप्रदेश एवं पर्यवेक्षक काशी प्रसाद पांडेय पूर्व मंत्री कौशाम्बी के समक्ष निर्वाचन सम्पन्न हुआ। जिसमें जनपद के समस्त स्थाई और अस्थाई शिक्षकों की सर्वसम्मति से जिलाध्यक्ष पद में प्रदीप कुमार मिश्र, उपाध्यक्ष पद में राजकुमार मिश्र, मंत्री पद में यज्ञेश कुमार द्विवेदी, कोषाध्यक्ष पद में कुलदीप कुमार पाण्डेय, प्रवक्ता में अनुज कुमार, उपमंत्री पद में सच्चिदानंद त्रिपाठी, केंद्रीय प्रतिनिधि में बृज बिहारी मिश्र एवं सुनील कुमार द्विवेदी को सर्वसम्मति से चुना गया। नवनिर्चाचित अध्यक्ष प्रदीप मिश्र ने अपने उद्बोधन में कहा कि संस्कृत के संरक्षण के साथ संस्कृत शिक्षकों के हित के लिए सतत संघर्ष करने का संकल्प किया। अन्य पदाअधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। निर्चाचन अधिकारी डा. रवींद्रनाथ शुक्ल ने संस्कृत विद्यालयों की दशा और दिशा सुधारने के लिए आजीवन संघर्ष करने की बात कही। पर्यवेक्षक काशी प्रसाद पांडेय ने सफलतापूर्वक मतदान एवं निर्वाचित नए पदाधिकारियों को बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित किया। इस अवसर पर शिक्षक संतोष कुमार पाण्डेय, नीरज मिश्र, डा. ज्ञानेश्वर त्रिपाठी, आनंद कुमार त्रिपाठी आदि लोग मौजूद रहे।

श्रीकृष्ण बाल लीला का वर्णन सुन श्रद्धालु हुए मंत्रमुग्ध

श्रीमद् भागवत कथा

मइया मोरी मै नही माखन खायों, भोर भयो गइयन के पाछे मधुबन मोही पठायो

भगवत कथा का रसपान करते भक्त

कौशाम्बी। मुख्यालय में चौधरी बैजनाथ नगर में एक निजी गेस्ट हाउस में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन श्रीकृष्ण बाल लीला का सुंदर चित्रण किया गया। कथावाचक पं. अखिलेश जी महाराज ने गुरूवार को भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाए माखन चोरी की कथा श्रद्धालुओं को सुनाई।

बता दे कि मुख्यालय में गुरूवार को कथावाचक पं. अखिलेश जी महाराज ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के बारे में अवगत कराते हुए आगे कहा कि भगवान की लीलाएं मानव जीवन के लिए प्रेरणादायक हैं। भगवान कृष्ण ने बचपन में अनेक लीलाएं की। श्रीकृष्ण सभी का मन.मोह लिया करते थे। नटखट स्वभाव के चलते यशोदा मां के पास उनकी हर रोज शिकायत आती थी। मां उन्हें कहती थी कि प्रतिदिन तुम माखन चुरा के खाया करते होए तो वह तुरंत मुंह खोलकर मां को दिखा दिया करते थे। महाराज जी कहते है कि ष्मइया मोरी मै नही माखन खायों, भोर भयो गइयन के पाछे मधुबन मोही पठायोष कि मैंने माखन नहीं खाया। भगवान कृष्ण अपनी सखाओं और गोप.ग्वालों के साथ गोवर्धन पर्वत पर गए थे। वहां पर गोपिकाएं 56 प्रकार का भोजन रखकर नाच गाने के साथ उत्सव मना रही थीं। कृष्ण के पूछने पर उन्होंने बताया कि आज के ही दिन देवों के स्वामी इंद्र का पूजन होता है। इसे इंद्रोज यज्ञ कहते हैं। इससे प्रसन्न होकर इंद्र व्रज में वर्षा करते हैंए जिससे प्रचुर अन्न पैदा होता है। भगवान कृष्ण ने कहा कि इंद्र में क्या शक्ति है। उनसे अधिक शक्तिशाली तो हमारा गोवर्धन पर्वत है। इसके कारण ही वर्षा होती हैए अत हमें इंद्र से बलवान गोवर्धन की पूजा करनी चाहिए। बहुत विवाद के बाद श्री कृष्ण की यह बात मानी गई और व्रज में गोवर्धन पूजा की तैयारियां शुरू हो गईं। इस दौरान श्रद्धालु भक्ति के सागर में मंत्रमुग्ध दिखे। कथा के अंत में मुख्य यजमान विट्टन देवी एवं शारदा प्रसाद गुप्ता भुर्जी ने संयुक्त रूप से आरती में भाग लिया। मौके पर ज्ञानचन्द्र गुप्ता भुर्जी, रोहित गुप्ता, दिनेश पाण्डेय, शिवरतन गुप्ता, जगदीश गुप्ता, जय प्रकाश मिश्र, आलोक तिवारी, चन्द्रबहादुर, जितेन्द्र गुप्ता, संतोष कुमार, खेमलाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहें।

जन शिक्षण संस्थान द्वारा मनाया गया विश्व एड्स दिवस

कौशाम्बी। एक दिसबंर को विश्व एड्स दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्थान के निदेशक राजकुमार पांडे ने एचआईवी से संबंधित तथा रोकथाम के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। इसी क्रम में विकास हॉस्पिटल के डॉक्टर कमल यादव ने एचआईवी एड्स कैसे फैलती है इसको कैसे रोका जाए तथा संक्रमित होने के लक्षण क्या.क्या है और इसकी रोकथाम कैसे किया जा सकता हैं तथा एचआईवी एड्स एक लाइलाज बीमारी है बचाव ही इसका उपचार है। आइए हम सब संकल्प लेते हैं कि एड्स जैसी लाइलाज बीमारी से बचाव के लिए हम स्वयं परिवार तथा आसपास के लोगों को जागरूक करेंगे। संस्थान के सहायक कार्यक्रम अधिकारी विजेंद्र मिश्रा सुकेश कुमार वैशाली केसरवानी राजू शुक्ला सतीश केसरवानी करिश्मा वंशिका रजनी रोशनी श्रेया ममता रूपा आदि प्रसिद्ध छाती मौजूद रहे।

समानता को अपनाएं एड्स को दूर भगाएं

कौशाम्बी। विश्व एड्स दिवस बृहस्पतिवार को जिले में कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुए। इसमें लोगों को एचआईवी एड्स के संक्रमण के कारण बचाव व एड्स मरीजों के प्रति समाज की अहम जिम्मेदारी से जुड़े जागरूकता संदेश दिए गए।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुष्पेंद्र ने बताया कि विश्व एड्स दिवस की इस वर्ष की थीम एक्युलाइज यानी समानता निर्धारित की गई है। इस वर्ष की थीम से हमारे समाज में फैली हुई असमानताओं को दूर करके एड्स को पूरी तरह से खत्म करने पर कदम बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। इस दिवस पर डॉ सुष्पेंद्र की अध्यक्षता में हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। वहीं कैंडल मार्च का आयोजन सीएमओ कार्यालय से निकाला गया। उन्होंने बताया कि जागरूकता के अभाव से एचआईवी एड्स से संक्रमित मरीज समाज और परिवार की उपेक्षा शिकार होता है। एड्स रोगी से दूरी बनाना ठीक नहीं है। उनके साथ सम्मान जनक व्यवहार बीमारी से लड़ने की हिम्मत बढ़ा सकता है। इसलिए अन्य की भांति एड्स मरीज के साथ समान व्यवहार करें। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ एस.के झा ने बताया कि स्व जनार्दन प्रसाद इंटर कॉलेज मंझनपुर कौशाम्बी में कार्यशाला, संगोष्ठी का आयोजन कर बच्चो को एचआईवी एड्स के बारे में विस्तार बताया गया। कार्यक्रम में स्व जनार्दन प्रसाद इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य शिक्षक तथा विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ एस.के झा ने बताया कि एड्स बीमारी के असुरक्षित सेक्स के अलावा भी कई कारण हैं। एचआईवी संक्रमण की चपेट में आने पर कई लोगों में कोई लक्षण दिखाई नहीं देते हैं इस दिवस का उद्देश्य एचआईवी इन्फेक्शन के प्रसार के कारण होने वाली महामारी एड्स के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। एचआईवी एड्स एक खतरनाक बीमारी है। इसका सिर्फ बचाव ही इलाज है।

रिटायर कर्मी की गोली मारकर हत्या

प्रतापगढ़। जल निगम से सेवानिवृत्त कर्मचारी की मिक्सर प्लांट की रखवाली करते समय रात में गोली मारकर हत्या कर दी गई। बृद्ध कुण्डा कोतवाली क्षेत्र के हाईवे पर भतीजे की दुकान के पीछे मड़ही रखकर चैकीदारी करता था। घटना की जानकारी सुबह भतीजे के दुकान पहुंचने पर हुई तो सनसनी फैल गई। घटनास्थल से पिस्टल का एक खोखा भी बरामद हुआ है। एएसपी समेत भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस छानबीन में जुटी है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

हत्या के बाद जांच पड़ताल करती पुलिस

कुंडा कोतवाली के रायजी का पुरवा मझिलगांव निवासी हरिश्चन्द्र मिश्र (65) जलनिगम से रिटायर हुए थे। वह गांव के सामने प्रयागराज-लखनऊ हाईवे पर स्थित मिक्सर प्लांट पर चैकीदारी करते थे। हाईवे और मिक्सर प्लांट के बगल में ही हरिश्चन्द्र का भतीजा चाय-पान की दुकान चलाता है। उसी के पीछे मड़ही रखकर हरिश्चन्द्र सोते थे और रखवाली करते थे। बुधवार की रात पिस्टल से गोली मारकर हरिश्चन्द्र की हत्या कर दी गई। लेकिन घटना की किसी को जानकारी नहीं हो पाई। वृद्ध की मौत का इत्मीनान होने पर हत्यारे उसे रजाई से ढककर चले गए। घटनास्थल के बगल से गांव का लिंक मार्ग निकला है। सुबह से ही लोगों का आना-जाना होता है लेकिन किसी ने इस पर ध्यान नहीं दिया गया। गुरुवार सुबह तकरीबन आठ बजे हरिश्चन्द्र का भतीजा भीम दुकान खोलने पहुंचा तो दादा को सोते देख जगाने लगा। नहीं बोलने पर रजाई पलटी तो खून से लथपथ देख वह अवाक रह गया। मामले की जानकारी परिजनों को दी तो वृद्ध की हत्या को लेकर सनसनी फैल गई। रोते बिलखते परिजन पहुंचे। खबर मिलते ही कई थानों की पुलिस के साथ सीओ अजीत प्रताप सिंह पहुंचे। एएसपी रोहित मिश्रा फील्ड यूनिट, स्वाट टीम के साथ पहुंचे। घंटो तफ्तीश कर हत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया गया लेकिन कोई क्लू नहीं मिला। हरिश्चन्द्र के बेटे मंगला प्रसाद मिश्र की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

मौके पर जुटी लोगों की भीड़

दुष्कर्मी को अर्थदण्ड सहित दस वर्ष की सजा

प्रतापगढ़। अपर सत्र न्यायाधीश आलोक द्विवेदी ने दुष्कर्म व छेड़खानी के आरोप में दोषी पाते हुए श्रीराम सरोज निवासी दुर्गा गंज अमरौना थाना जेठवारा को दस वर्ष के कठोर कारावास एवं बारह हजार पांच सौ रुपए अर्थदंड से दण्डित किया। वादी मुकदमा के अनुसार उसकी पुत्री 16 फरवरी 2020 को बगल खेत में घास लेने गई थी, तभी श्रीराम सरोज आया और मेरी पुत्री जो बचपन से विकलांग थी को जबरदस्ती खेत में ले जाकर अश्लील हरकत करने लगा। उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। गाली देते हुए जान से मारने की धमकी दी। राज्य की ओर से पैरवी एडीजीसी राकेश प्रताप सिंह ने किया।

फांसी के फंदे से लटकता मिला युवक का शव, हत्या का आरोप

आरोप

पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच में जुट गई

प्रतापगढ़। अंतू थाना क्षेत्र में शटरिंग मिस्त्री का शव गुरुवार को उसके पंपिंग सेट पर चुल्ले के सहारे बंधे फंदे पर लटका मिला। जानकारी होने पर रोते-बिलखते पहुंचे परिजन हत्या का आरोप लगाने लगे। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच में जुट गई। अंतू थाना क्षेत्र के संडवा चंद्रिका गांव के बब्बन बहादुर सिंह कोलकाता में प्राइवेट नौकरी करते हैं। उनके तीन बेटों में छोटा इंद्रजीत सिंह उर्फ कप्तान (26) मैजिक चलवाने के साथ शटरिंग का भी कार्य करता था। बुधवार रात वह घर से खाना खाने के बाद मैजिक गाड़ी लेकर निकला था। रात में घर वापस नहीं लौटा। गुरुवार सुबह भी घर नहीं आया। उसका मोबाइल फोन भी बंद मिला तो परिजन परेशान हो उठे। खोजबीन करते हुए परिजन घर से करीब एक किमी दूर स्थित अपने पंपिंग सेट पर पहुंचे तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। पंपिंग सेट के कमरे में इंद्रजीत का शव चुल्ले में बंधे फंदे पर लटका था। सूचना पर अंतू पुलिस पहुंची तथा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इंद्रजीत की एक साल की बेटी है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। इंद्रजीत की ससुराल भी पास में है। परिजन हत्या कर फांसी पर लटकाने का आरोप लगा रहे हैं। अंतू एसओ प्रदीप कुमार ने बताया कि मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। जांच की जा रही है लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

सीडीओ ने विकास कार्यों का किया निरीक्षण, दी चेतावनी

विकास कार्यों का निरीक्षण करतीं सीडीओ

प्रतापगढ़। सीडीओ ईशा प्रिया ने गुरूवार को लक्ष्मणपुर ब्लाक के सडवा दुबान समेत तीन ग्राम पंचायतों में विकास कार्यो तथा सरकारी संस्थानों का औचक निरीक्षण किया। सीडीओ ने सडवा दुबान गांव में मनरेगा के कार्यो की प्रगति खंगाली तो धीमी गति पाकर नाराज हुईं। वही प्राथमिक विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति कम पाये जाने पर प्रधानाध्यापक को फटकार लगायी। घूरीपुर में मनरेगा के कार्य का सीडीओ ने स्थलीय निरीक्षण किया तो दो जगह चल रहे कार्य मे निर्धारित टोली को काम करता नहीं पाया। एक श्रमिक की जगह दूसरे को काम पर लगा देख रोजगार सेवक मनोज को चेतावनी दी। गांव मे प्राथमिक विद्यालय के निरीक्षण में यहां भी सीडीओ को बड़ी संख्या में बच्चे गैरहाजिर मिले। इस पर प्रधानाध्यापिका सुषमा सिंह समेत शिक्षकों को सीडीओ की डांट का सामना करना पड़ा। बासूपुर गांव में सीडीओ ने निर्माणाधीन सामुदायिक शौचालय व संपर्क मार्ग का औचक निरीक्षण किया। यहां कार्य मे गुणवत्ता के निर्देश दिये। इसके बाद सीडीओ ने देवली गांव पहुंचकर निर्माणाधीन पंचायत भवन के कार्य मे भी लापरवाही देख प्रधान दुलारी देवी व ग्राम पंचायत अधिकारी को डांटा फटकारा। सीडीओ के औचक निरीक्षण से कई अन्य गांवो मे भी हडकंप का माहौल रहा। निरीक्षण के दौरान डीसी मनरेगा इंद्रमणि तिवारी, एपीओ विनोद सिंह, प्रभारी खण्ड विकास अधिकारी सत्यदेव यादव, आलोक पाण्डेय, विकास पाण्डेय, शिवमूर्ति दुबे, अंकित कुमार आदि रहे।

बैठक में शामिल लोग

पत्रकार उत्पीड़न पर शासन से कड़े नियम बनाए जाने की मांग

प्रतापगढ़। लालगंज ब्लाक सभागार में गुरूवार को पत्रकारों के उत्पीडन के रोकथाम तथा सुरक्षा आदि को लेकर भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की बैठक हुई। बैठक में सरकार से कहा गया कि वह पत्रकारों की सुविधाओं व सुरक्षा को लेकर निर्गत शासनादेशों को प्रभावी बनाए। बैठक को संबोधित करते हुए प्रांतीय उपाध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने कहा कि सरकार पत्रकारों से जुडे कल्याणकारी कार्यक्रमों की सिर्फ घोषणा मात्र कर रही है। उन्होनें कहा कि सरकारी चिकित्सालयों में पत्रकारों के निशुल्क इलाज तथा परिवहन क्षेत्र में उन्हें सुविधा नहीं दिया गया तो महासंघ वैचारिक आंदोलन को और तेज करेगा। जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने पत्रकारों के उत्पीडन से जुडे मामलों में दर्ज मुकदमों की सुनवाई सरकार से फास्ट ट्रैक कोर्टो में स्थानांतरित किये जाने की मांग की। बैठक की अध्यक्षता तहसील इकाई अध्यक्ष विनोद सिंह व संचालन महामंत्री साकेत मिश्र ने किया। इस मौके पर डा. आशीष सिंह, सुरेन्द्र तिवारी सागर, बाबा नरेन्द्र ओझा, सुरेश मिश्र मदन, मनोज सिंह, अखिलेश मिश्र, राजेन्द्र मिश्र, रामू मिश्र, राजकुमार मिश्र, शिवकरन चतुर्वेदी, आनंद त्रिपाठी, मुकेश सिंह, सुनील वैश्य, लवलेश शुक्ला, प्रेम मिश्र, मुकेश तिवारी, सुमित त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

संक्षेप

कूड़े.को नाली में न फेंके, कूड़ेद्रान में ही डालें : प्रेमलता सिंह

प्रतापगढ़। नगर को स्वच्छ रखने के लिए गुरूवार को नगरपालिका की टीम शहर के मलिन बस्तियों में पहुंचकर साफह्यसफाई की। नगरपालिका अध्यक्षा प्रेमलता सिंह ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि नगर आपका है इसे स्वच्छ रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने नगरवासियों से अपील किया कि कूडे.को नाली में न फेंके। कूड़े को घर में इकटठाकर कूड़ेदान में डालें। सूखे कूड़े को घर के बाहर रखे नीले डिब्बे में व गीले कूड़े को हरे डिब्बे में डालें। कूड़ा सुबह दस बजे तक कूडेद्रान में डाल दें ताकि सफाईकर्मी कूड़ा उठाकर डपिंग साइड पर भेज सके। नगरपालिका सफाईकर्मियों की टीम नगर के काशीराम कालोनी व मलिन बस्तियों में पहुंचकर लोगों को सफाई के प्रति जागरूक किया। इसके लिए शासन द्वारा गार्बेज वेनरेबल प्वाइंट खत्म करने के निर्देश दिये गये थे। ईओ मुदित सिंह ने बताया कि इस कार्य की मानीटरिंग लगातार कंट्रोलरूम लखनऊ से की जा रही है। इस दौरान स्वच्छ भारत मिशन के डीपीएम वरूय कुमार सिंह, जिला समन्वक आशीष मिश्र, सफाई इंस्पेक्टर संतोष कुमार सिंह, लाल बहादुर, रजेश बिंद, प्रशांत सिंह, राजेन्द्र यादव, राहुल सिंह आदि पलिकाकर्मी मौजूद रहे।

कांग्रेस निकाय चुनाव मजबूती से लड़ेगी, बैठक कर बनाई गई रणनीति

प्रतापगढ़। नगर निकाय चुनाव को लेकर गुरूवार को कॉग्रेस के लोगों ने जिला कार्यालय पर बैठक आयोजित की। जिसमें विधानसभावार प्रभारियों ने बैठक में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कॉग्रेसियों ने निर्णय लिया कि अभी से बूथ वाइज रणनीति के तहत पार्टी के पक्ष में माहौल बनाने का का प्रयास जारी रखना है। कॉग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गॉधी के निर्देश कि प्रत्याशी सभी सीटों पर पूरी ताकत के साथ निकाय चुनाव लड़े। इस बात पर कॉग्रेसियों ने मंथन किया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि जो भी साथी चुनाव लड़ने के लिए अभी तक आवेदन नहीं किये हैं वे जल्द फार्म भरकर जमा कर दें। जिससे एक सप्ताह के अन्दर प्रत्याशियों की लिस्ट तैयार कर लखनऊ भेजी जा सके। सदर विधानसभा के पूर्व कॉग्रेस प्रत्याशी व सांसद प्रमोद तिवारी के प्रतिनिधि डा0 नीरज त्रिपाठी ने सभी प्रभारियों को चुनाव लड़ने व पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में माहौल बनाने के टिप्स दिये। इस दौरान इरफान अली, नरसिंग प्रकाश मिश्र, लल्लन सिंह, राम लवट यादव, केडी मिश्र, हरीश चन्द्र सरोज, करूण पांडे, पीसीसी सदस्य डा0 प्रशान्त देव शुक्ल, महेन्द्र शुक्ल, राम शिरोमणि वर्मा, सरोज कश्यप, उत्सव भूषण पाल, श्याम शंकर तिवारी, मकरंद शुक्ल, आशुतोष तिवारी, योगेश यादव, इश्तियाक, मीडिया प्रभारी वेदांत तिवारी आदि मौजूद रहे।

वैज्ञानिक विधि से औद्यानिक खेती में किसानों को फायदा ही फायदा : डा0 सीमा सिंह राणा

प्रतापगढ़। सरकार की योजनाओं का किसानों तक प्रचार प्रसार करने व उन योजनाओं का उन्हें लाभ देने के लिए गुरूवार को गौरा विकास खण्ड के नौडेरा में उद्यान विभाग की तरफ से किसान चैपाल लगाया गया। चैपाल में आये हुए किसानों को विभागीय अधिकारियों ने सरकार द्वारा उनकी आय दुगुना करने के तौर तरीके सुझाए। जिला उद्यान अधिकारी डा0 सीमा सिंह राणा ने किसानों को उनकी आय दुगुना करने के लिए वैज्ञानिक तरीके से औद्यानिक खेती करने का मंत्र दिया। उन्होंने किसानों से कहा कि सारकार आपकी आय दुगुना करने के लिए नई-नई योजनाएं लाई है। किसानों को विभाग से जुड़कर उन योजनाओं का लाभ लेना चाहिए। किसान विभाग से जुड़कर खेती करने की बारीकियों को सीखने के लिए विभागीय विशेषज्ञों से परामर्श जरूर लें ताकि अपनी आय दुगुना कर सकें। विभाग किसानों के हित के लिए सदैव तत्पर है। उद्यान अधिकारी ने फसलों से कीटाणुओं से रक्षा के लिए भी तकनीकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पहले आओ और पहले पाओ के सिद्धांत पर जिले के बहुत से किसान विभाग से जुड़कर सरकार की योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं। आप सभी को सरकार द्वारा किसानों के लिए दी गई सहूलियतों और योजनाओं का लाभ जरूर उठाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष, राज कुमार, किसान मोर्चा के विजय मिश्र, दिलीप पांडे, सुनील मौर्य, विनोद शुक्ल, गणेश प्रकाश पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

चिकित्सा शिविर में मरीजों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण, दिए गए सुझाव

प्रतापगढ़। लालगंज क्षेत्र के संत नगर रैठे पूरे नोती में गुरूवार को निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिवगंगा जीव जन्तु कल्याण सेवा आश्रम के तहत आयोजित शिविर में आंख तथा कान के परीक्षण के साथ मौसमी बुखार को लेकर शिविर में आये मरीजों का स्वास्थ्य जांचा परखा गया। शिविर में ग्रामीणों को डेंगू रोग से बचाव के लिए चिकित्सकों ने बुखार होने पर नजदीकी अस्पताल में रक्त जांच के सुझाव दिये गये। संस्थान द्वारा चिकित्सकों द्वारा दिये गये परामर्श के अनुरूप दवाओं का वितरण किया गया। शिविर में डा. अरूण सिंह, रोहित यादव, वरूण तिवारी, सोनी, नीलम की टीम ने लोगों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया। संयोजक स्वामी जितेन्द्र तिवारी ने कहा कि स्वास्थ्य संवर्धन के क्षेत्र में संस्थान का योगदान मजबूती से जारी रहेगा। उन्होनें कहा कि संस्थान द्वारा लोक कल्याणकारी शिविरों के आयोजन के साथ गांवो में स्वास्थ्य जागरूकता अभियान को और प्रभावी बनाया जाएगा। इस मौके पर अश्विनी मिश्र, महेन्द्र मिश्र, मोनू तिवारी, लक्ष्मी तिवारी, तारा, प्रीतेन्द्र ओझा आदि मौजूद रहे।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में डीएम की सख्त चेतावनी

बैठक

वेतन रोकने के साथ कई की सेवा समाप्ति का दिया आदेश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में बुधवार की देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में डीएम ने सीएमओ सहित स्वास्थ्य विभाग से जुड़े सभी अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवायें तथा जनता से जुड़ी योजनाओं पर सख्त निर्देश दिए। मानक के अनुरूप टीकाकरण न करने पर डीएम ने स्वास्थ्य अधिकारी को चेतावनी निर्गत करने का आदेश दिया। प्रभारी चिकित्साधिकारी अमरगढ़ को फटकार लगायी तथा निर्देशित किया कि जो ए0एन0एम0 खराब कार्य कर रही है उनकी सूची बनाकर उनको नोटिस जारी करें। पट्टी आयुष्मान मित्र द्वारा गोल्डेन कार्ड बनाये जाने की धीमी प्रगति पर यदि एक हफ्ते के अन्दर सुधार नही हुआ तो सेवा समाप्त करने को कहा। इसी मामले में प्रभारी चिकित्साधिकारी बिहार व आयुष्मान मित्र को भी कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। सीएचसी कोहड़ौर तथा रानीगंज के आयुष्मान मित्रों के सेवा समाप्ति का आदेश दिया। इसके अलावा 06 अन्य ब्लाकों के आयुष्मान मित्रों द्वारा गोल्डेन कार्ड मानक के अनुरूप न बनाये जाने पर उन्हें नोटिस निर्गत करने का निर्देश दिया गया। डीएम ने प्रभारी चिकित्साधिकारिओं को सचेत किया कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लाभार्थियों का गोल्डेन कार्ड बनवाया जाये। प्रतिदिन फीडबैक प्राप्त करें। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाये। बाबागंज सीडीपीओ द्वारा वीएचएनडी के निरीक्षण में लापरवाही बरते जाने पर उनके वेतन रोकने का निर्देश दिया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि जननी सुरक्षा योजना का संचालन पूर्ण गुणवत्ता और मानक के अनुरूप करें। प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो पर विश्वसनीयता को बढ़ाया जाये। डीएम ने डीएमओ से कहा कि सीएचसी, पीएचसी व जिला अस्पताल में दवाओं की उपलब्धता शत प्रतिशत सुनिश्चित की जाये। प्रधानमंत्री मातृत्व वन्दना योजना में अभी तक 1690 अभ्यर्थियों के करेक्शन क्यू लम्बित होने पर उन्होने नारजागी व्यक्त की। अन्त में जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारियों, प्रभारी चिकित्साधिकारियों को सचेत करते हुये कहा कि सभी अधिकारीगण अपने-अपने दायित्वों का शत प्रतिशत निर्वहन करें। लापरवाही कदापि न बरते अन्यथा सम्बन्धित अधिकारी के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 जीएम शुक्ला, जिला विकास अधिकारी ओम प्रकाश मिश्र, परियोजना निदेशक आर0सी0 शर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी पवन कुमार, डीपीएम राजशेखर, सभी प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं स्वास्थ्य समिति के नामित सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक की अध्यक्षता करते जिलाधिकारी

विश्व एड्स दिवस पर संगोष्ठी का किया गया आयोजन

प्रतापगढ़। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के शास्त्री सभागार में गुरुवार को मुख्य सीएमओ डा0 जीएम शुक्ला की अध्यक्षता में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डा0 राकेश त्रिपाठी द्वारा जनपद में ए0आर0टी0 पर चल रहे एड्स के मरीजों की जानकारी भी दी गयी। डा0 सीपी शर्मा जिला क्षय रोग अधिकारी, नोडल-एड्स कार्यक्रम द्वारा यह जानकारी दी गयी कि क्या-क्या करने पर एड्स हो सकता है। क्या-क्या करने से एड्स नहीं होता है। इसी प्रकार डा0 आर0एस0राम अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, डा0 शबीब हैदर उप मुख्य चिकित्साधिकारी, डा0 वन्दना जायसवाल उप मुख्य चिकित्साधिकारी आदि ने अपने अपने विचार व्यक्त किये। अन्त में मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि राज्य स्तर पर अधिकारियों को पत्र भेजकर यह निवेदन किया गया है कि सभी सीएचसी पर आई0सी0टी0सी0 सेन्टर खोले जाये। जिससे कि अधिक से अधिक व्यक्तियों की एचआईवी जांच की जा सके। उन्होने कहा कि सभी गर्भवती महिलाओं एवं सभी टीवी के मरीजों की एचआईवी जांच शत प्रतिशत करायी जाये। संगोष्ठी के बाद हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। जिसमें संगोष्ठी में आने वाले तथा अन्य लोगों ने हस्ताक्षर अभियान में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर डा0 मोनिका एसएमओ डब्लूएचओ, समस्त आईसीटीसी के परामर्शदाता एवं लैब टेक्नीशियन एवं राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के समस्त कार्मिक एवं स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि आदि उपस्थित रहे।

विश्व एड्स दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में उपस्थित लोग

डाक्टर सचिन पर हमले के आरोपियों की अस्पताल से छुट्टी

प्रतापगढ़। राजा प्रताप बहादुर पुरुष अस्पताल में वर्षों से डटे डाक्टर और पैरा मेडिकल स्टाफ के सफाई अभियान के दूसरे चरण में हड्डी के डाक्टर जेपी वर्मा, ईएमओ अनुज चैरसिया, नर्स सुशीला, लिपिक सहाब और स्टाफ विशंभर शर्मा का यहां से स्थानांतरण कर दिया गया है। इसमें डाक्टर जेपी और अनुज चैरसिया पर पहले से मेडिकल कालेज के हड्डी सर्जन सचिन कुमार के साथ मारपीट करने के आरोप में कई मुकदमे दर्ज हैं। अब अनुसूचित आयोग ने इनकी गिरफ्तारी के निर्देश भी दिए हैं। जिससे दोनों डाक्टरों की कभी भी गिरफ्तारी हो सकती है। जिले में डाक्टर सोने लाल पटेल स्वशासी मेडिकल कालेज अस्तित्व में आने के बाद से ही वर्षों से डटे चिकित्सा स्वास्थ से जुड़े डाक्टर और स्टाफ जिनका मेडिकल कालेज में योगदान अब नहीं रह गया है। उनको हटाकर उनके स्थान पर मेडिकल कालेज का स्टाफ तैनात करने की शासन की मंशा को मनोयोग से पूरा करने में लगे प्रिंसिपल डॉ आर्य देशदीपक ने दूसरे चरण में बुधवार को दो और डाक्टर समेत पांच स्टाफ को अस्पताल से हटाकर महानिदेशक लखनऊ में उपस्थिति देने संबंधी आदेश जारी कर दिया है। जिसमें दोनों डाक्टरों के अलावा महिला अस्पताल की नर्स, लिपिक और कर्मचारी शामिल है। इसके पूर्व उन्होंने एक साथ 17 मेडिकल स्टाफ का यहां से लखनऊ ट्रांसफर किया था। जिसमें ब्लड बैंक का अधिकांश स्टाफ था। प्रिंसिपल ने बताया कि सभी को कार्यमुक्त कर दिया गया है। खास बात यह है कि मेडिकल कालेज को 31 दिसंबर को हैंडओवर होना हैं उसके पहले हर सीट पर मेडिकल कालेज का स्टाफ होना है। जिसकी तैयारी जोर शोर से चल रही है। डाक्टर जेपी वर्मा और अनुज के खिलाफ डाक्टर सचिन कुमार के साथ मारपीट के कई मामले दर्ज हैं। पता चला है कि अनुसूचित जाति आयोग ने भी इन दोनों को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है। एडीजी प्रयागराज को इस आशय का पत्र आयोग से गया हुआ है।

जनसंपादकीय

दिव्यांगजनों के प्रति बदलनी होगी मानसिकता

आज, 03 दिसम्बर को हम सभी अंतरराष्ट्रीय विकलांग दिवस मना रहे हैं किन्तु दिव्यांगजनों के प्रति अभी वह व्यवहार चलन में नहीं ला सके हैं, जिसकी उनको आवश्यकता है. दिव्यांगजनों के प्रति अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर पुनरुद्धार, रोकथाम, प्रचार और बराबरी के मौकों पर जोर देने के लिये योजना बनाने के उद्देश्य से वर्ष 1976 में संयुक्त राष्ट्र आम सभा द्वारा विकलांगजनों के अंतरराष्ट्रीय वर्ष के रूप में वर्ष 1981 को घोषित किया गया था. विकलांगों के प्रति सामाजिक कलंक को मिटाने और उनके जीवन के तौर-तरीकों को और बेहतर बनाने के लिये उनके वास्तविक जीवन में बहुत सारी सहायता को लागू करने के द्वारा तथा उनको बढ़ावा देने के लिये साथ ही विकलांग लोगों के बारे में जागरुकता को बढ़ावा देने के लिये इसे सालाना मनाने के लिये इस दिन को खास महत्व दिया जाता है. कालांतर में सन 1992 से इस दिन को पूरी दुनिया में प्रतिवर्ष मनाया जाने लगा.

प्रतिवर्ष मनाये जाने वाले अनेकानेक दिवसों की तरह से आम नागरिक अन्तर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस को भी देखता है जबकि इस दिवस को बहुत ही गंभीरता से लेने की आवश्यकता है. जनमानस समाचारों में, बैनरों में, होर्डिंग्स में इसके बारे में जान-समझकर अपने आपको उसी क्षण उससे जोड़ता है और अगले ही पल उसे विस्मृत कर देता है. आज समाज को इस बारे में जागरूक करने की अत्यधिक आवश्यकता है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से देश में अब विकलांग के स्थान पर दिव्यांग शब्द प्रयोग होने लगा है किन्तु उनके साथ कार्य-व्यवहार में अभी भी स्थिति बदली नहीं है. अभी भी समाज में धारणा बनी हुई है कि दिव्यांगों के लिए कार्य करने जिम्मेवारी सिर्फ सरकार की है. ऐसा इसलिए है क्योंकि दिव्यांगजनों के प्रति किसी कार्य अथवा मानसिक स्थिति के बदलने के लिए समाज में, आम नागरिकों में जागरूकता देखने को नहीं मिलती है. समाज के बहुसंख्यक लोगों को इसकी जानकारी ही नहीं कि तीन दिसम्बर को इस तरह का कोई दिवस आयोजित भी किया जाता है.

यही कारण है कि देश में दिव्यांग शब्द अब सरकारी कार्यों में, आम बोलचाल में दिखाई देने लगा है किन्तु आम जनमानस में अभी भी एक तरह की सुसुप्तावस्था देखने को मिलती है. जनमानस को लगता है जैसे कि किसी दिव्यांग के प्रति एकमात्र सहानुभूति दर्शाकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री की जा सकती है. मदद के नाम पर चंद सिक्के, दो शब्द ही दिखाई देते हैं. अभी भी समाज में दिव्यांगों के प्रति सहानुभूति का, दया का भाव बना हुआ है. शिक्षित, समर्थ, योग्य दिव्यांग व्यक्ति के लिए भी समाज इसी तरह की धारणा बनाये हुए है. किसी भी दिव्यांग व्यक्ति से मिलते ही लोगों का नजरिया बदल जाता है. उसके प्रति सहयोग से अधिक सहानुभूति का भाव उमड़ने लगता है. ऐसा माना जाने लगता है कि वह व्यक्ति बिना किसी दूसरे की सहायता के कोई काम नहीं कर सकता है. छोटे से छोटे, बड़े से बड़े कार्य के लिए सामाजिक प्राणी उसके साथ ऐसे व्यवहार करता है जैसे वह दिव्यांग सम्बंधित कार्य को करने में अक्षम है. इसी कारण से दिव्यांगजनों के प्रति विभेद देखने को मिलता है. कई बार उनको उनके अधिकारों से वंचित कर दिया जाता है.

आज समाज को उन हौसलों से परिचित करवाए जाने की आवश्यकता है जिसकी कहानियाँ अनेकानेक दिव्यांगजन लिख चुके हैं. बहुतायत में अनेक दिव्यांगजन ऐसे हैं जिन्होंने अपनी मेहनत, अपनी कर्मठता, अपनी जिजीविषा से असंभव को संभव कर दिया है. उनको महत्ता देते हुए आम नागरिकों के बीच स्थापित किया जाये. जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में समाज में सभी विकलांग लोगों को शामिल करने की दिशा में काम करने को प्रेरित करना भी इस दिन का उद्देश्य है. दिव्यांगजनों के प्रति उपेक्षा का भाव रखने की स्थिति ये है कि ज्यादातर लोग ये नहीं जानते कि उनके घर के आसपास कितने लोग दिव्यांग हैं. लोगों को इसकी भी जानकारी नहीं कि समाज में दिव्यांगजनों को बराबर का अधिकार मिल रहा है या नहीं. ऐसे में दिव्यांगजनों की वास्तविक स्थिति के बारे में, दिव्यांगजनों के बारे में लोगों को जागरुक करने के लिये इस दिवस को मनाना बहुत आवश्यक है.

दिव्यांग दिवस के आयोजन में आम नागरिकों की सहभागिता अधिक से अधिक होनी चाहिए. इससे एक तो नागरिकों को भी ऐसे आयोजनों से जुड़ने का अनुभव होगा, दूसरे समाज के लोगों को अपने बीच के लोगों की समस्याओं के बारे माँ जानने-समझने का अवसर मिलेगा. दिव्यांगजनों की समस्या आर्थिक सशक्तिकरण की उतनी नहीं है जितनी कि सामाजिक स्वीकार्यता की है, उनके विश्वास को बनाये रखने की है, उनका हौसला बढ़ाये रखने की है. दिव्यांगजन अपनी मेहनत, अपनी जिजीविषा, अपने हौसले, अपने विश्वास से स्वयं को समाज में बनाये हुए हैं, उन्हें बस यही एहसास करवाए जाने की आवश्यकता है कि वे इसी समाज का अंग हैं, इसी समाज के नागरिक हैं, वे हाशिये पर नहीं हैं, वे दोयम दर्जे के नहीं हैं. ऐसा समझा-समझाया जाना तभी संभव है जबकि समाज का एक-एक व्यक्ति दिव्यांगों को नागरिक ही समझे. उसकी दिव्यांगता किसी कारणवश उत्पन्न हुई हो सकती है, उसकी दिव्यांगता जन्मजात हो सकती है मगर इस कारण से उसे नकारात्मकता से गुजरना पड़े, यह सुखद नहीं.

समाज सभी विभेदों को मिटाकर दिव्यांगजनों को सहानुभूति की नजर से देखना बंद करे. उनको सहयोग की आवश्यकता तो हो सकती है मगर वे किसी दया के, किसी भीख के पात्र नहीं हैं. यदि इस सत्य को समझा जा सका तो इस वर्ष की अंतरराष्ट्रीय विकलांग दिवस मनाए जाने की थीम भविष्य के लिए निर्धारित किए गये सभी सत्रह लक्ष्यों की प्राप्ति को वास्तविकता में मनाया जा सकता है.

डा कुमारेन्द्र सिंह सेंगर
लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं

अखिलेश श्रीवास्तव चमन की गजलें

1.
फिर तमाशा करके कोई दिल को बहलायेंगे वे।
देखिए इस बार कैसा खेल दिखलायेंगे वे।
अब तलक तो है कुरेदा भर चुके हर जख्म को,
अब सुना इस साल सारे जख्म सहलायेंगे वे ।
देश पहले बांट कर बांटा है सूबे-गांव को,
अब है उनकी चाल दिल से दिल को अलगायेंगे वे।
दूध-घी के ख्वाब ना अब तक हकीकत बन सके,
राम जाने और कब तक ख्वाब़ दिखलायेंगे वे।
तर-बतर मुझको पसीने में जो देखा एक दिन,
कह गए कि खुशबुओं के टब में नहलायेंगे वे।
वे नहीं ऐसे चमन जो बेवजह आया करें,
मौसमी हैं, आएगा मौसम तो फिर आयेंगे वे।

2.
हमको है पानी की चिन्ता, उनको है अंगारों की।
हम मांगे रोटी, वे करते चर्चा चांद की।
भूखे पेट नहीं भाती हैं देश-प्रेम की शिक्षाएँ,
तुम चाहो तो दे डालो हमको संज्ञा गद्दारों की।
घिसते कलम उम्र बीती पर रहने को ठौर नहीं,
हुए पुरस्कृत वही जिन्होंने स्तुति की सरकारों की।
सूरज को संदेशा दे दो, चन्दा को भी समझा दो,
बात रोशनी की गुनाह है बस्ती में अंधियारों की।
तुझको नहीं दिखायी देता तो यह तेरा अंधापन,
यहाँ-वहाँ हर जगह खुशी की खबरें हैं अखबारों की।
नई सदी के शान्तिदूत हैं चमन करो तुम अभिनन्दन,
बात अमन की करते हैं ये भाषा में हथियारों की।

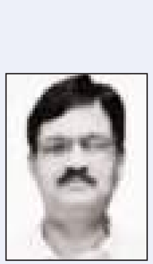

मो-9415215139

मैनेजर पाण्डेय के कुछ और विचार

(यहां प्रख्यात आलोचक मैनेजर पांडेय के विचारों का संकलन प्रस्तुत है)

स्मरण

रविभूषण

मनुष्य ने सामाजिक विकास के साथ-साथ भाषा का भी विकास किया है। इतिहास की लम्बी यात्रा में भाषा मानवीय संबंध और संवाद का माध्यम बनी है, वह मनुष्य की चेतना की गतिविधियों का भी माध्यम बनी है। मनुष्य की दुनिया में ही भाषा अर्थवान बनती है... संरचनावादी चिन्तन में भाषा मनुष्य को गुलाम बनाने वाली सिद्ध हो रही है। भाषा मनुष्य की स्वतंत्रता का साधन है। ज्ञान और अभिव्यक्ति का माध्यम बनकर भाषा ने मनुष्य को प्रकृति से और समाज में स्वतंत्रता पाने में मदद की है। आज वही भाषा मनुष्य की स्वतंत्रता के विरूद्ध खड़ी की जा रही है।

भाषा राजनीति से भी बनती-बिगड़ती है और राजनीति के काम भी आती है। ऐसी स्थिति में राजनीति के रूप और उद्देश्य के अनुरूप भाषा का स्वरूप बन जाता है। झूठ और क्रूरता की राजनीति के दबाव के कारण शब्द मानवीय अर्थ खो देते हैं और भाषा मानवीय संवाद के काबिल नहीं रह पाती।

भारत में लम्बे समय से धर्म के साथ-साथ भाषा की राजनीतिक भूमिका बहुत महत्वपूर्ण रही है। भारत-पाकिस्तान के विभाजन की राजनीति धर्म और भाषा के सहारे अपनी मंजिल तक पहुंची। 1947 के बाद भारत में राजनीति के लिए धर्म और भाषा का लगातार उपयोग हुआ है। आज भी भाषा, धर्म, सम्प्रदाय और जाति के माध्यम से अपनी राजनीतिक पहचान बनाने और लाभ उठाने की प्रवृत्ति बहुत प्रबल है... देश के हर भाग में चुनाव की राजनीति में भाषा, धर्म और जाति का खुला खेल दिखाई देता है।

भाषा की राजनीति का सबसे खतरनाक पहलू उसकी साम्प्रदायिकता से साँठ-गाँठ है। यह प्रवृत्ति स्वाधीनता-आन्दोलन के काल में भी थी, लेकिन स्वाधीनता के बाद भाषा की राजनीति का साम्प्रदायिक रंग अधिक गाढ़ा हुआ है... हिन्दी क्षेत्र में साम्प्रदायिक राजनीति बार-बार हिन्दी-उर्दू-विवाद में साम्प्रदायिकता का जहर घोल कर अपना उल्लू सीधा करती रही है... जो लोग राजनीति और साहित्य में साम्प्रदायिकता का विरोध करते हैं, वे भी भाषा पर सोचते, बोलते और लिखते समय साम्प्रदायिक वातावरण के प्रभाव से मुक्त नहीं हो पाते।

शासक वर्ग भाषा का राजनीतिक उपयोग ही नहीं करता, वह अपनी राजनीति को आगे बढ़ाने के लिए ऐसी भाषा-व्यवस्था का भी निर्माण करता है, जो उसके हितों, उद्देश्यों और आकांक्षाओं को पालने-पोसने वाली हो। भाषा के इस विशिष्ट व्यवहार में शासक वर्ग की अस्मिता और विचारधारा व्यक्त होती है... शासक वर्ग जिस भाषा-व्यवस्था का निर्माण करता है, उसमें शब्द के अर्थ को भ्रष्ट करने और बदलने की प्रक्रिया चलती है। हमारे यहाँ समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता, आजादी, जनतन्त्र आदि इस प्रक्रिया के शिकार हुए है। जनता को भटकाने के लिए शासक वर्ग को इन शब्दों की जरूरत है। शासक वर्ग शब्द के इतिहास अर्जित अर्थ को बिगाड़ कर शब्द-छल के सहारे जनता को धोखा देता है।

भाषा की राजनीति का उद्देश्य है शोषण और दमन के विरूद्ध जनता के संघर्ष की राजनीति को भटकाना। भाषा के नाम पर जन-भावना को भड़का कर शोषक सत्ता के विरूद्ध पनपे जनता के गुस्से को दूसरी ओर मोड़ना। भाषा की रजानीति में शासक वर्ग की दिलचस्पी है क्योंकि उसमें उसका हित है। आम जनता भाषा की राजनीति का शिकार बनती है... शासक-वर्ग का भाषा-प्रेम तो राजनीति का एक बहाना है।

भाषा की यह राजनीति साहित्य को भी प्रभावित कर रही है... आजादी के बाद के वर्षों में हिन्दी-उर्दू के बीच भाषा और साहित्य, दोनों स्तरों पर एकता घटी है, दूरी बढ़ी है। आज हिन्दी और उर्दू के लेखक जितना यूरोप के लेखकों से परिचित हैं, उतना एक दूसरे से नहीं। हिन्दी-उर्दू के लेखन और लेखकों के बीच संवाद बढ़ने के बदले भाषा-विवाद बढ़ा है। इसलिए रचनात्मक आदान-प्रदान कम हुआ है। बोलचाल की हिन्दी और उर्दू में उतना अजनबीपन नहीं है, जितना लेखन की भाषाओं के बीच।

समाज भाषा की जन्मभूमि है और कर्मभूमि भी। यहीं से नये शब्द पैदा होते हैं, पुराने शब्दों में नया अर्थ भरता है और उन्हें नया जीवन मिलता है। समाज ही भाषा की शक्ति का मुख्य स्रोत है और समाज के कर्ममय जीवन में भाषा की क्रियाशीलता सार्थकता पाती है... संघर्षशील समाज और वर्ग ही नयी भाषा और नये शब्दों का विकास करते हैं.... समाज और वर्ग के जीवन की हलचलों से जुड़ा हुआ कवि, उस जीवन की आशा, अभिलाषा और संघर्ष को चित्रित करने वाला कवि, नये चित्रों से भरी नयी भाषा की रचना दे सकता है।

भाषा में शब्द बहुत कुछ समाज में व्यक्ति की तरह होते हैं, जैसे समाज में कुछ व्यक्ति सेनुरिहा आम की तरह देखने में मोहक, लेकिन काम पड़ने पर धोखा देने वाले होते हैं, वैसे ही भाषा के संग्रहालय में कुछ शब्द भी होते हैं। अभिजात व्यक्तियों जैसा ही अभिजात शब्दों का भी व्यवहार होता है। इसके विपरीत स्वभाव से सरल, जीवन की मार से बदरंग और समाज की उपेक्षा के शिकार जन की तरह जन-जीवन में रमने वाले शब्द कठिन समय में बड़े काम के साबित होते हैं।

***

शब्द की विश्वसनीयता की चिन्ता, असल में अर्थ की विश्वसनीयता की चिन्ता है। यही नहीं, अर्थ की विश्वसनीयता कर्म की विश्वसनीयता से जुड़ी है। मनुष्य के जीवन- व्यवहार, अनुभव, चिन्तन और सृजन का कर्म ही शब्द की शक्ति का मूल स्रोत है। जहाँ कर्म अविश्वसनीय होता है, वही उससे जुड़े शब्द भी अविश्वसनीय होने लगते हैं।

शब्द की विश्वसनीयता की चिन्ता क्या किसी व्यापक सांस्कृतिक संकट का सूचक है? शब्द की विश्वसनीयता की चिंता से जाहिर है कि शब्द को अविश्वसनीय बनाने वाली प्रक्रिया चल रही है। इसे कुछ लोगों का वहम मान कर इसकी उपेक्षा करना घातक हो सकता है। जरूरत इस बात की है कि धैर्य से इसकी वास्तविक स्थिति की जाँच-परख की जाए और शब्दों को अविश्वसनीय बनाने वाली प्रक्रिया को पहचाना जाए। प्रक्रिया की पहचान का अर्थ है उन वास्तविक परिस्थितियों और संबंधों की खोज करना, जिनमें प्रक्रिया प्रकट होती है।

समाज के कर्ममय जीवन में शब्दों की सार्थकता ही उनका जीवन है और निरर्थकता मौत। शब्दों की सार्थकता सामाजिक प्रक्रिया में घटती-बढ़ती है। कई बार कुछ शब्द निरर्थकता से गुजरकर फिर सार्थकता पा लेते हैं। बशर्ते कि उनके अर्थ को मूर्त और सजीव बनाने वाले कर्म का विकास हो। ..कई बार कुछ शब्द प्रयोग करने वालों में साहस की कमी से निरर्थक हो जाते हैं। प्रायः वाग्विलासी शब्द-वीरों के हाथों में पड़कर तेजस्वी शब्दों की यही गति होती है। संघर्ष, क्रांति, समाजवाद आदि शब्दों की दुर्गति आजकल दिखाई दे रही है।

***

कविता स्वभाव से चाक्षुष कला नहीं है। वह शब्दों की साधना है और शब्द सगुण-साकार होते हैं। बोलने के समय, केवल पढ़ने पर नहीं। कविता के रूप की पूर्णता और गुणों की समृद्धि का जैसा साक्षात्कार उसे सुनते हुए होता है, वैसा पढ़ने के दौरान नहीं.. कवि से कविता सुनने का अनुभव उसे किताब में पढ़ने से अलग और समृद्ध होता है और अर्थ की नयी संभावनाएँ भी उजागर होती हैं।

कविता या सारा साहित्य शब्द और संसार के संबंधों के निर्माण के प्रयत्नों का ही परिणाम है। भाषा बिगड़ती है एक उसके साम्प्रदायिक दुरुपयोग से और दूसरे राजनीतिक अवसरवाद से। सजग और समर्थ कवि भाषा के इन संकटों से भाषा की रक्षा करते हैं। ऐसे कवियों की भाषिक संवेदनशीलता में उसकी सामाजिक संवेदनशीलता व्यक्त होती है।

भाषा के स्तर पर चार तरह के कवि होते हैं। बहुत सारे कवि ऐसे होते हैं, कि बहुत अच्छी उठान के साथ अच्छी भाषा में, कविता लिखना शुरू करेंगे, पाँच-सात पंक्तियों के बाद भाषा लड़खड़ा जाएगी। उससे बेहतर तो वे कवि होते हैं, जिनकी कविता की भाषा का एक सुलझा हुआ सुव्यवस्थित रूप होता है... ये जो भाषा की विविधता है, भाषा के रूप और स्तर हैं, उससे कवि की सांस्कृतिक चेतना व्यक्त होती है और उसी के माध्यम से उसकी काव्यानुभूति की संस्कृति भी व्यक्त होती है।

भारतीय कविता की दो परम्पराएँ हैं। एक रामायण से जुड़ी हुई कविता की परम्परा जो वाल्मीकि रामायण से शुरू होकर बहुत बाद तक चली आती है। दूसरी महाभारत से जुड़ी हुई भारतीय कविता की परम्परा। कविता की इन दोनो परम्पराओं में बुनियादी फर्क है। विद्रोह, नैतिक द्वन्द्व, बौद्धिक जटिलता आदि की कविताएँ खोजनी हों तो वे महाभारत में मिलती हैं। यह हमारा दुर्भाग्य ही है, कि राम या रामायण, की जो काव्य-परम्परा है, वह आज दक्षिणपंथियों की काव्य- परम्परा बन गयी है... असल में उसमें पूजा-पाठ की गुंजाइश ज्यादा है। वह गुंजाइश महाभारत में दिखाई नहीं देती।

***

जैसे प्रकृति के बिना किसान का जीवन अधूरा होता है, वैसे ही प्रकृति की उपेक्षा करने वाली किसान-जीवन की कविता भी अधूरी होगी - यह बात किसान-जीवन की समग्रता का कवि जानता है। प्रकृति किसान-जीवन का अंग है। उससे किसान का संबंध मनमाने की बात नहीं है, अस्तित्व की अनिवार्यता है... घटनाओं की कविता हमारे सामने की वास्तविकता का बोध कराती है, इसलिए वह जल्दी मन को छूती है। मूल्यों की कविता सतह के नीचे छिपी सच्चाइयों को पहचानने की अन्तर्दृष्टि देती है, इसलिए वह पाठकों से धैर्य की माँग करती है। धीरे-धीरे विवेक को प्रभावित करती है।

हिन्दी कविता को संस्कृति के उद्योगों के खतरों से बचाने के लिए उसके श्रव्य रूप की चिन्ता जरूरी हैं। लेकिन कविता के श्रव्य रूप की चिन्ता का यह अभिप्राय नहीं है, कि उसे गीत, गाना या भड़ैती बना दिया जाए। मेरा निवेदन यह है कि कविता केवल विशेषज्ञों के लिए न हो, व्यापक समाज के लिए भी हो। वह केवल पढ़ने के लिए न हो, सुनने-सुनाने लायक भी हो। अगर कहानी को बचाने के लिए तरह-तरह के प्रयोगों के बाद किस्सागोई की माँग उचित है तो कविता के श्रव्य रूप और गुण की चिन्ता उचित क्यों नहीं है ?

आज की हिन्दी कविता में बौद्धिक एकाकीपन बहुत है, लेकिन उसके वस्तुगत आधार और प्रतिरूप की चिंता बहुत कम। लगता है कि कवि की आत्मा का न कोई मित्र है, न शत्रु। उसे न किसी की मर्माहत पुकार सुनाई देती है और न किसी की दहशत पैदा करने वाली दहाड़। इससे कविता संवाद के बदले स्वगत कथन बनती जा रही है... जो कविता, कवि के एकाकीपन की व्याख्या करने में लगी हो, उसमें अगर पाठकों की कोई दिलचस्पी न हो तो क्या आश्चर्य!

आजकल हिन्दी कविता की स्थिति अत्यन्त विचित्र है। कवियों को एक से बढ़कर एक पुरस्कार मिल रहे हैं, लेकिन कविता को पाठक नहीं मिल रहे हैं... हिन्दी समाज में भी कविता की पहुँच बहुत सीमित हैं। सोचने की बात यह भी है कि जो पाठकों तक पहुँचती है, उनमें से कितने पाठकों के दिल-दिमाग तक पहुँच सकती है।

***

कविता ही नहीं, बाकी साहित्य का भी आज के सामाजिक जीवन में कोई विशेष स्थान नहीं है। साहित्यिक समुदाय के लिए भले ही साहित्य जीवन के एक शौक, पेशा या सीढ़ी के रूप में महत्वपूर्ण हो, लेकिन वह व्यापक जनजीवन में कोई जरूरी, सक्रिय और जीवन्त शक्ति नहीं है... आज की अधिकांश हिन्दी कविता, चाहे वह व्यक्तिवादी हो या जनवादी, केवल साहित्यिक समुदाय की दिलचस्पी की वस्तु रह गयी है। यह स्थिति हिन्दी समाज और हिन्दी कविता दोनो के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। इससे यह भी संकेत मिलता है कि हमारा समाज एक गहरे सांस्कृतिक संकट से गुजर रहा है... आज के समय में कविता जिस संकट का सामना कर रही है, वह न अचानक आया है और न अकारण। वह लम्बी ऐतिहासिक प्रक्रिया का परिणाम है। सभ्यता के विकास के साथ समाज से कविता का संबंध बद?लता रहा है। व्यापक जन जीवन से कविता की अन्तरंगता क्रमशः कम हुई है।

हिन्दी कविता से लोकप्रियता के साथ सहजता, ऐन्द्रिकता और भावावेग की विदाई हो गयी है। इस प्रक्रिया में कविता से जीवन्तता गायब हो गयी है। कविता की अभिजन?वादी दृष्टि हमेशा लोकप्रियता को कला का प्रतिद्वन्द्वी और विरोधी मानकर उसे खारिज करती है। इससे आजकल एक ओर लोकप्रिय कविता कमजोर हो रही है और दूसरी ओर कलावादी कविता मरणोन्मुख। इतिहास गवाह है कि हिन्दी कविता की परम्परा में वही कविता सजीव और आकर्षक बनी है जो लोकप्रियता का बहिष्कार नहीं, परिष्कार करती हुई विकसित हुई है... कविता में लोकप्रियता केवल रूप की विशेषता नहीं है, उसके स्वभाव का गुण है। वह कविता की कल्पना से लेकर अभिव्यक्ति तक की पूरी प्रक्रिया में व्याप्त होती है।

आज की अधिकांश नागर कविता एक गढ़ी हुई साहित्यिक हिन्दी में लिखी जा रही है। वह जीवन के कर्म और अनुभव की भाषा नहीं है। यहाँ तक कि वह मध्य वर्ग के भी जीवन-व्यवहार की भाषा नहीं है। इसीलिए उसकी बोलचाल की भाषा, उसके मुहावरे और कथन-भंगिमा से कोई आत्मीय संबंध नहीं है... कुछ कवियों की भाषा पर अंग्रेजी के शब्द, मुहावरे और संरचना का इतना अधिक प्रभाव है कि वह अनुवाद की भाषा लगती है।

आज की हिन्दी कविता की एक धारा 70 के दशक की अत्यंत राजनीतिक और विचारधारात्मक कविता के विरोध में विकसित हुई है। वह हर तरह की राजनीति और विचारधारा से छुटकारा पाने की कोशिश में समकालीन सामाजिक जिन्दगी की हलचलों से बेखबर रहती है और जनजीवन की त्रासद्ध स्थितियों के बारे में लापरवाह। उसमें आज के भारतीय समाज की इतिहास-प्रक्रिया की न कोई चेतना है, न चिंता। वह या तो काल, नियति, अनन्त आदि की चिन्ता में डूबी रहती है या फिर कवि की व्यक्तिगत इच्छाओं के उत्सव में। जाहिर है, ऐसी कविता में समानधर्माओं की दिलचस्पी हो सकती है, व्यापक समाज की नहीं।

***

अखबार और जन-संचार के दूसरे माध्यम समाज की वास्तविकताओं और सच्चाइयों को विशेष रूप-रंग में ढालकर पेश करते हैं और सामाजिक चेतना को मनचाही दिशा में मोड़ते हैं। इस तरह जन-संचार के माध्यम हमारे सामाजिक बोध को ही नहीं, बोध की प्रक्रिया को भी प्रभावित कर रहे हैं। सम्प्रेषण के माध्यमों की यह भूमिका सामाजिक चेतना के विकास और मानवीय संवेद?ना की रक्षा की चिन्ता करने वाले लेखकों, कवियों और कलाकारों के लिए अब एक चुनौती बन गयी है।

हम एक ऐसी मनुष्य -विरोधी व्यवस्था में जी रहे हैं, जो लगातार असामाजिक मनुष्य पैदा कर रही है और वे असामाजिक मनुष्य व्यवस्था और पूरे समाज को अधिकाधिक मनुष्य विरोधी बनाने में लगे हुए हैं। इस दुष्चक्र में व्यक्ति की सामाजिकता और उसकी मानवीयता हमेशा खतरे में है।

आजादी के बाद भारतीय मध्य वर्ग का बहुत बड़ा हिस्सा अवस?र?वाद का शिकार हुआ है। ऐसे लोगों में सबसे बड़ी संख्या उनकी है, जो बुद्धिजीवी कहे जाते हैं। वे समाज, संस्कृति और साहित्य में सब जगह सक्रिय दिखाई देते हैं, वे सुविधा के लिए दुविधा की भाषा बोलते हैं और सिद्धान्त की सीढ़ियाँ चढ़ कर सफलता के सिंहासन पर पहुँचते हैं। उनके लिए राजनीति, विचारधारा, प्रतिबद्धता और आस्था आदि दुनियादारी के साधन हैं। वे दुनियादारी को ही समझदारी समझतें हैं।

(प्रस्तुति कर्ता वरिष्ठ आलोचक एवं सामाजिक राजनीतिक चिंतक हैं, संपर्क 94311 03960)

जर्जर लेकिन सुंदर है लखनऊ का कला और शिल्प महाविद्यालय

कला

मिथिलेश श्रीवास्तव

लखनऊ विश्वविद्यालय के कला और शिल्प महाविद्यालय की अपनी तरह की खास ख्याति रही है। लखनऊ में गोमती नदी के किनारे लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में स्थित यह महाविद्यालय लखनऊ विश्वविद्यालय से भी पुराना है ; इसकी स्थापना 1911 में उपनिवेश कालीन समय में हुई थी जबकि लखनऊ विश्वविद्लाय उसकी स्थापना 11 साल के बाद ही हुई थी । इस साल इस महाविद्यालय ने अपनी स्थापना के 111 वीं स्थापना दिवस मनाया है । इसके परिसर में एक कला संग्रहालय भी है । कई वर्षों से कई मकसदों से लखनऊ जाता रहा हूँ हर बार इस महाविद्यालय जाने का विचार मन में रहा लेकिन किसी न किसी वजह से नहीं जा सका । इस बार जब लखनऊ जाने का कार्यक्रम बना तो तय कर लिया था कि कला और शिल्प महाविद्यालय जरूर जायूँगा । लौटने के एक दिन पहले इस महाविद्यालय के लिए आधा दिन मुकर्रर किया । आधा दिन ही सही जायूँगा जरूर लेकिन निकलते निकलते तीन बज गया और जब महाविद्यालय पहुँचा तो चार बज गए ?। एक बार तो सोचा इतनी देर से एक कला महाविद्यालय में जाना आधा-अधूरा ही होगा फिर भी पहुँच गया । पहुँचने पर पता चला कि कला संग्रहालय बंद है क्योंकि उसका जीर्णोद्धार चल रहा है और यह भी पता चला कि महाविद्यालय शाम के चार बजे बंद हो जाता है । जी हल्का हुआ कि चलो समय की कमी नहीं खलेगी लेकिन यहाँ पहुँच कर अब मैं करूँगा क्या । महाविद्यालय के कला संग्रहालय के इंचार्ज अधिकारी से मैंने पूछा कि मैं क्या देखूँ और क्या करूँ ? उन्होंने ने बतलाया कि आप महाविद्यालय के परिसर में अवस्थित उद्यान शिल्प देखें शायद आपको अच्छा लगेगा ।

मैंने पहले महाविद्यालय की इमारतों को देखने की शुरूआत की । इस महाविद्यालय के पास कई इमारतें हैं जिनमें चित्रकला, मूर्तिशिल्प, इत्यादि की कक्षाएं लगती हैं और प्रयोगशालाएं हैं जहाँ कला के छात्र अपनी अपनी विधाओं और कला-सामग्रियों पर प्रयोगात्मक प्रशिक्षण लेते हैं । सभी इमारतें अपने विन्यास में ब्रिटिशकालीन लगते हैं और जर्जर अवस्था में हैं । ऐसा लगता है इन इमारतों की मरम्मति वर्षों से हुई है । दीवारों पर पानी के रिसाव के गहरे दाग हैं । शायद वर्षों से उन पर रंग-रोगन भी नहीं कराया गया है । कला और शिल्प महाविद्यालय की इमारतों की ऐसी दुर्दशा और उनकी अकलात्मक और उपेक्षा से उपजी गहरी उदासी देख कर मन विचलित होने लगा । कला महाविद्यालय हमारी जीवंत संस्कृति के हिस्से हैं जहाँ से रंग, रूपाकार और रेखाओं में प्रशिक्षित युवा निकलते हैं और हमारी संस्कृति की विविधता को अपनी कल्पना से सुरक्षित करते हैं । बातचीत से पता चला कि जब गोमती नदी पर तटबंध नहीं था तब उसका पानी पूरे महाविद्यालय के परिसर में आ जाता था और पानी की गहराई 6 फिट तक होती थी। जब से गोमती नदी पर तटबंध बना है प्राकृतिक आपदा से महाविद्यालय परिसर की रक्षा हो रही है लेकिन धन की कमी की वजह से इमारतों की मरम्मति या नए भवन का निर्माण नहीं किया जा सकता है । राजनीति और कला का गहरा संबंध है । अगर राजनीतिक नेतृत्व का मिजाज परिष्कृत नहीं है तो कला संस्थाएं न तो बनायी जा सकती हैं, न उनके अस्तित्व को बचाया जा सकता है । एक समय ऐसा भी था जब पटना कला महाविद्यालय से छात्र बतलाया करते थे कि परिसर की चारदीवारी नहीं होने की वजह से परिसर में मवेशी घूमते रहते हैं । इस महाविद्यालय के एक प्राध्यापक ने बतलाया कि प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू 1956 में यहाँ आये थे । तो इस बात से याद आया कि केंद्रीय ललितकला , संगीत-नाटक और साहित्य अकादमियों की स्थापना इसीलिए संभव हुई क्योंकि नेहरू जी चाहते थे । नेहरू जी के पास अपनी संस्कृति को देखने का नजरिया था, समझ थी और सरोकार था । यह कहना गैर-वाजिब है कि उनके समय में कुछ नहीं हुआ। नेहरू जी के समय में अंग्रेजों द्वारा स्थापित संस्थाओं के अस्तित्व को बचाया गया और नई संस्थाओं की स्थापना की गयी। कलात्मक नजरिये के आभाव में संस्कृति की अवनति होती ही है । इस कला महाविद्यालय के भवनों की जर्जर अवस्था को देख कर हाल ही में संपन्न रजा फॉउंडेशन की उस गोष्ठी का थीम कल्चरल कोलैप्स याद आया प्रासंगिक गोष्ठी थी । रंग-निर्देशक एम के रैना ने अपने वक्तव्य में कल्चरल कोलैप्स के कई उदाहरण दिऐ उन्होंने बतलाया कि इन दिनों रंगकर्मियों से एक फॉर्म भरवाया जाता है कि आपकी रंग-प्रस्तुति से किसी की भावना तो नहीं भड़केगी । उस फॉर्म के माध्यम से और कई आपत्तिजनक सवाल पूछे जा रहे हैं । यह काम व्यवस्था भीतर ही भीतर कर रही है बिना जगजाहिर किए । रंगकर्मियों के अनुकूलन की यह प्रक्रिया है । उत्तर भारत में वैसे भी प्रतिरोध का रंगमंच अच्छे हालात में नहीं है तो इस तरह के अनुकूलन से प्रतिरोध का रंगमंच बीते समय की चीज हो जाएगा । रैना ने एक और चिंताजनक बात कही कि रंगकर्मी विकल्पविहीनता की स्थिति में इस फॉर्म को भर रहे हैं, उस पर अपना हस्ताक्षर कर रहे हैं और सरकार को सौंप रहे हैं । रंगमंच अनुकूलन का शिकार हो रहा है। के टी रवीन्द्रन वास्तुशिल्पी हैं। उन्होंने बतलाया था सरकारों के पास वास्तुशिल्प की सरकारी नीतियाँ तो हैं लेकिन उसका उपयोग इमारतों के माध्यम से समाज में हिंसा, सामाजिक विद्वेष, दुर्भावना, जैसी मानवीय विरोधी तत्वों को फैलाने के लिए किया जा रहा है । दिल्ली, वाराणसी, उज्जैन इत्यादि शहरों में चल रहे निर्माण कार्यों की आलोचना करते हुए उन्होंने बतलाया था कहा कि ये सारे निर्माण धर्मांधता के समर्थन में हो रहा है जो समाज के लिए अच्छा नहीं है । बहाउद्दीन डागर का मत था कि कल्चरल कोलैप्स की शुरूआत बहुत पहले से ही गयी थी जब अखबारों के पन्नों से सांस्कृतिक खबरों की जगह को समाप्त कर दिया गया और वह जगह विज्ञापनों को दे दिया गया । लेकिन यह भी एक सच है कि इमारतों की जर्जरता एक दिन में नहीं आती वर्षों की उपेक्षा इसके लिए जिम्मेवार होती है । बेशक भारतीय संस्कृति रोगग्रस्त और और पतनोन्मुख हो रही है और जितना प्रतिरोध होना चाहिए उतना हो नहीं रहा है। महाविद्यालय के एक अध्यापक ने बतलाया कि छात्र पढाई करें या व्यवस्था की उपेक्षा का प्रतिरोध करें दोनों नहीं हो सकता है। उन्होंने एक विकल्प का भी पक्ष नहीं लिया कि पढाई की फी बढ़ा दी जाए । अगर ऐसा होता है तो आधुनिकता की अंधी दौड़ में कला की पढाई करने के लिए अभिभावक अपने बच्चे को नहीं भेजेंगे।

परिसर में चलते चलते एक मूर्तिशिल्प के प्रयोगशाला में पहुँचता हूँ जहाँ तीसरे वर्ष का एक छात्र एक आवक्ष मूर्ति ढ़ालने में व्यस्त है। अंदर आने की उससे अनुमति लेता हूँ तो वह सहर्ष अपनी अनुमति देता है और स्वागत करता है। अपना काम रोककर मुझसे बात करता ` मैं कहता हूँ कि आपके महाविद्यालय की इमारतों की जर्जरता देख कर मैं उदास हो गया हूँ । वह मुझसे सहमत नहीं होता; वह कहता है कि मेरा महाविद्यालय बहुत सुंदर है, भवनों की जर्जरता पर आप मत जाइए। मई इस बात को यहीं छोड़ देता हूँ । उसके प्रयोगशाला में रखी हुई मूर्तियों को देखता हूँ । उसने गाँधी जी का एक बस्ट बनाया है मुस्कुराता हुआ और उनके चश्मे के बगैरे वह बतलाता है कि वह जिस रूप में गाँधी को देखता है उसी रूप को बस्ट में उतारा है । एक आध्यात्मिक मुस्कान के साथ । दूसरा बस्ट शिवा जी का है । वह बचपन से शिवा जी से प्रभावित रहा है । एक मिट्टी से गढ़ी हुई और पकायी हुई मूर्तिशिल्प की तरफ मेरा ध्यान जाता है । यह एक लंबे कृशकाय उम्रदराज पुरुष का मूर्तिशिल्प है जिसका चेहरा आकर्षित करता है । यह छोटे आकार का मूर्तिशिल्प है लेकिन उस व्यक्ति के आयतन को घटाता नहीं है बल्कि उसके व्यक्तित्व की विशालता को उस छोटे से मूर्तिशिल्प में बनाए हुए है । यह इस मूर्तिशिल्प की एक खास विशेषता है । वह बतलाता है कि यह मूर्तिशिल्प उसके गुरु प्राध्यापक लालजी अहीर, क्ले मॉडलिंग के प्रोफेसर , ने बनायी है। मैं उस स्टूडियो में देर तक नहीं रुक सका क्योंकि एक अजीब सी तेजाबी दुर्गन्ध उस कमरे में फैली हुई थी जो नथुनों को फुला रही थी । वह शायद एक नए कास्ट की कलासामग्री को पिघलाने की प्रक्रिया में निकल रही थी । शायद रबड़ को नरम करने या पिघलाने से आ रही थी । उस स्टूडियो में क्रॉस-वेंटिलेशन की सुविधा नहीं थी, एग्जॉस्ट फैन नहीं था । वह छात्र फिर भी पूरी तन्मयता से अपना काम किए जा रहा था । मन ही मन उसकी तपस्या की सराहना की और स्टूडियो से बाहर आ गया।

महाविद्यालय के उद्द्यान या बागीचा कला-वीथिका में था । दो भवनों के बीच खाली जगहों में मूर्तिशिल्पों की भरमार उस्थिति मैंने देखी। उद्द्यानों में और भवनों की बाहरी दीवारों पर तारा-तरह के मूर्तिशिल्प लगे हुए थे जिनमें अधिकांश चेहरे थे । रख-रखाव के आभाव में उपेक्षित जैसे सड़क किनारे के , रेलवे-ट्रैक के किनारे या स्लम-बस्तियों के बाशिंदें होते हैं उपेक्षित । उन चेहरों को देख कर लग रहा था जैसे वे कुछ बोलना चाहते है लेकिन उनके अस्तित्व को स्वीकारा नहीं गया है। किसी भी आकृति के साथ उनके निर्माण की तारीख नहीं हैं ।उन आकृतियों को किसने बनायीं यह भी नहीं लिखा गया है । उनके अस्तित्व को पूरी तरह से नकारा गया है अपरिचय का माहौल बना कर । उनकी उपेक्षा देख कर महसूस हुआ कि उन चेहरों को बागीचे में इसलिए जगह मिल गयी क्योंकि कुछ वहाँ लगाना था जगह भरने के लिए । यह भी लगा कि पढाई के दौरान छात्रों ने मूर्तिशिल्प सीखने के लिए उन चेहरों को बनाया होगा या उनके गुरुओं ने उन्हें मूर्तिशिल्प की कला सीखने की गरज से उन चेहरों को गढ़ा होगा लेकिन ऐसा सोचना उन चेहरों के साथ न्याय संगत नहीं होगा । उन मूर्तिशिल्प की कलात्मकता, उनका संयोजन, उनके चहरे के भावबोध इस समाज के अन्याय बोध को उजागर करते हैं । ?अगर उन सभी मूर्तिशिल्पों के साथ परिचयात्मक टिप्पणियां रचनाकाल और सर्जक के नाम के साथ लगा होता और उनको कलात्मक तरीके से प्रदर्शित किया गया गया होता और वहां दिमि पिली रोशनी होती तो मैं कहता कि इस महाविद्यालय के प्राध्यापकों और छात्रों ने एक नायाब दुनिया का सृजन किया है । ये कलाकृतियां एक दिन दुर्लभ हो जाएंगी । महाविद्यालय के विस्तार क्षेत्र में भी मूर्तिशिल्प स्थापित हैं उनकी और अधिक दुर्गति दिखाई पड़ी । ऐसा लगा वे कूड़ेदानों में पड़े हैं और एक दिन कूड़े के साथ उन्हें भी फेंक दिया जाएगा।

घूमते घूमते शाम हो गयी । चेहरों को देख कर मैं थका नहीं हूँ और वह निराशा भी दूर हो चुकी है जो इमारतों की दुर्दशा देख कर या कला-संग्रहालय के बंद होने से हुई थी । कुछ नहीं, बहुत कुछ देख लिया है` जाड़े की शाम उतरते ही गहरा जाती है । वही हुआ है । गहरा अंधेरा और स्ट्रीट-लाइट की रोशनी। अब परिसर वैसा ही नहीं दिख रहा है, जैसा कि शाम होने के पहले दिखायी दिया था । 111 साल पुराना महाविद्यालय खिलखिला उठा है और उसकी इमारतों के दाग-धब्बे छुप गए हैं । बागीचे में जगह-जगह महफिलें लग गयी हैं जो दिन के उजाले में मूर्तिशिल्प के चेहरे लग रहे थे । मूर्तिशिल्प के चेहरों पर पेड़ों के पत्तों के बीच से आती हुई प्रकाश-किरणें गिर रही हैं और उन्हें उदीप्त कर रहीं हैं । ऐसा लग रह है दिन के उजाले में उदास उपेक्षित हाशिये पर धकेल दी गयीं मूर्तियों में शाम के उतरते ही जान फूंक गयी हैं। मैं सारे चेहरों को फिर से देख रहा हूँ और उनसे एक संबंध बना रहा हूँ कि एक अनजानी आवाज मुझे पुकारती है कि आप कौन ? आपको परिसर में घूमते हुए बहुत देर से आपको देख रहा हूँ । मैं एक कला प्रेमी हूँ और आप? उन्होंने बतलाया कि वे महाविद्यालय के प्राचार्य हैं और चित्रकला विभाग के प्रभारी। एक कलाकार से उसके महाविद्यालय की जर्जरता के बारे में सवाल करना मुनासिब नहीं लगा और यह भी मुनासिब नहीं लगा कि सांस्कृतिक पराभव के इस काल में एक प्राचार्य से पूछा जाए कि आपका संस्थान इस हाल में क्यों है । एक कलाकार प्राचार्य को अपना महाविद्यालय हर हाल में सुंदर ही दिखाई देगा। अपने बारे में सफाई देकर उनकी आशंकाएं दूर कर के सभी चेहरों को अलविदा किया और चल पड़ा लौटने के लिए ।

(लेखक वरिष्ठ कवि एवं सामाजिक चिंतक हैं, संपर्क 98686 28602)

व्यंग्य

चंदा महात्म्य?

विनोद कुमार विक्की

यूनिवर्सल अंकल चंदा मामा से हर कोई परिचित है,किंतु आज का प्रासंगिक विषय चंदा अर्थात जबरिया वसूली जाने वाली सहयोग राशि या वस्तु के बारे में हम चर्चा करेंगे। समाज शास्त्र और अर्थशास्त्र के दृष्टिकोण से चंदा का व्याप्क मानदंड निर्धारित होता है।

परिभाषा- चंदा विशुद्ध रूप से एक वाणिज्यिक क्रिया है। इसे फंडिंग, अंशानुदान, सहयोग राशि या जबरिया वसूली भी कहा जाता है।इसके माध्यम किसी सार्वजनिक कार्य को संपन्न किया जाता है।

उत्पत्ति - अल्पकालिक सरस्वती, गणपति, दुर्गा पूजा से लेकर मंदिर-मस्जिद, अतिथिशाला निर्माण आदि दीर्घकालिक कार्यो के समय।

प्रभाव क्षेत्र-इसका संग्रहण एवं प्रभाव क्षेत्र काफी व्याप्क होता है। रेहड़ी या दुकान चलाने वालों से लेकर नेशनल हाइवे पर ट्रक चलाने वाले ड्राइवर तक चंदा का प्रभाव समान रूप से अधिभारित होता है।

कार्यक्षेत्र- राजनीतिक पार्टी के फूलने फलने में तथा पूजा,यज्ञ हवन से लेकर दंगल,अखाड़ा,आर्केष्ट्रा आदि हर छोटी बड़ी धार्मिक,सामाजिक,सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन बिना चंदा के संभव नही!

देय राशि का निर्धारण - संग्रहण की राशि चंदा धारक की औकात एवं चंदा ग्राही के दबंगई पर तय होता है।सामान्यतः चंदा की देय राशि का निर्धारण वसूली तंत्र ही करता है।

संचालन की प्रकृति- चंदा मूलतः जटिल आर्थिक क्रिया है।चंदा मांग नियम में मनोनुकूल राशि अंकित रसीद उपलब्ध कराते हुए दबावपूर्ण कटू व्यवहार से चंदा वसूली का कार्य संपादित किया जाता है।अतः उक्त लेन-देन में अनुनय-विनय के भाव का लोप हो जाता है।मांग की कठोरता के छ्द्म भाव से कभी कभी ऐसा भी परिलक्षित होता है कि चंदा देने वालों के पूर्वज ने उधार ले रखी हो।

व्याप्कता- चंदा की धौंसपूर्ण वसूली या दावेदारी के सामने रंगदारी या लेवी मांगने वाले गुंडे का कद भी कम पड़ जाता है।

प्रक्रिया- चंदा उधार एवं नगद दोनो माध्यम पर निर्भर करता है।चंदा से बचने अथवा अत्यल्प दान देने की एवज मेंश्मालिक नही है,अभी तक बोहनी नही हुई, पिछली बार इतनी ही राशि दी थीश आदि उच्चारण के साथ बहानेबाज चंदा दाता चिर परिचित पुराना पैंतरा अपनाता है।किंतु रसीद धारी चंदा वसूली गिरोह भी माँ का परम भक्त अथवा विशुद्ध समाजसेवी होता हैश्कोई नही कल दे देना,लौटते वक्त ले लेंगेश आदि जवाबी प्रतिक्रिया के साथ मंहगाई और खर्च की दुहाई देकर तत्क्षण भुगतान करवा लेता है अथवा मन मुताबिक राशि अंकित कर रसीद काटने के पश्चात पावती पर उधारी दर्ज कर देता है। भले ही लोन देने वाली संस्था कस्टमर से ईएमआई वसूलने में नाकाम हो जाए किंतु चंदा वसूली संघ कार्यक्रम के पूर्व,दौरान अथवा संपन्न होने के बाद भी संबंधित चंदा धारक से राशि वसूली कर लेता है।

व्ययभार-चंदा घाटा रहित अति महत्वपूर्ण आर्थिक क्रिया है।कार्यक्रम में होने वाले निर्धारित खर्च के अलावा कार्यकताओं के दारू, बीड़ी, पान-गुटखा तक पर होने वाला व्यय चंदा पर भारित होता है।कार्यक्रम की संपन्नता के पश्चात आय व्यय चंदा की आमद राशि का ऑडिट ससमय कर लिया जाता है। आर्थिक एवं सामाजिक विश्लेषण के पश्चात यह कहा जा सकता है कि चंदा समाज की वह अनैच्छिक आर्थिक क्रिया है, जिसमें बिना पूंजी और लागत के प्राप्त होने वाली आमदनी से व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक दायित्वों और उद्देश्यों का साथ साथ निर्वाह होता है।

(लेखक व्यंग्यकार हैं)

रचनाएं हमें ई-मेल से भी भेज सकते हैं-
<raisubhash953@gmail.com>

25 हजार का इनामिया गिरफ्तार

फर्जी प्रमाण पत्र के जरिये कर रहा था सहायक अध्यापक की नौकरी

फंदे में

फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीमें थीं गठित

जनसंदेश न्यूज

पकड़ा गया इनामियां।

मीरजापुर। पुलिस उपमहानिरीक्षक विन्ध्याचल परिक्षेत्र आर.पी.सिंह द्वारा वांछित चल रहे व पुरस्कार घोषित अपराधियों को गिरफ्तारी के निर्देश दिये गये हैं। पुलिस अधीक्षक द्वारा चलाये जा रहे उक्त अभियान के क्रम में मीरजापुर में फरार चल रहे इनामिया आरोपी की गिरफ्तारी हेतु अपर पुलिस अधीक्षक नगर व ऑपरेशन के नेतृत्व में कई पुलिस टीमें गठित कर गिरफ्तारी करने के निर्देश दिये गये हैं।

पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना को0शहर पर पंजीकृत 519/2016 धारा 419, 420, 467, 468, 471 भादवि से सम्बन्धित वांछित आरोपी मानवेन्द्र कुमार राय पुत्र महेन्द्र कुमार राय निवासी वार्ड न03 थाना पिपरी जनपद सोनभद्र, स्थायी पता ग्राम कुण्डेसर थाना भांवरकोल गाजीपुर के विरूद्ध 25 हजार का ईनाम घोषित किया गया था। उक्त निर्देश के अनुक्रम में गठित पुलिस टीमों द्वारा 25 हजार के ईनामिया अभियुक्त मानवेन्द्र कुमार राय उपरोक्त की सुरागरसी पतारसी करते हुए गिरफ्तारी हेतु लगातार प्रयास किये जा रहे थे कि गुरूवार को थाना को0 शहर क्षेत्र से आरोपी मानवेन्द्र कुमार राय उपरोक्त को निरीक्षक स्वामीनाथ अपराध शाखा विवेचना सेल मीरजापुर मय टीम द्वारा गिरफ्तार किया गया। उल्लेखनीय है कि आरोपी मानवेन्द्र कुमार राय उपरोक्त के विरुद्ध फर्जी प्रमाण पत्र के जरिये सहायक अध्यापक की नौकरी प्राप्त करने के संबंध में थाना को0शहर मीरजापुर पर 18 जुलाई 2016 को वादिनी माया निरंजन संयुक्त शिक्षा निदेशक विन्ध्याचल मण्डल के द्वारा मुकदमां पंजीकृत कराया गया था। तब से आरोपी लगातार फरार चल रहा था।

जमुआं चौकी क्षेत्र में चोरों का आतंक

जनसंदेश न्यूज

दहशत

सोलर पैनल की बैटरी पर किया हाथ साफ

मीरजापुर। कछवां थानाक्षेत्र के जमुआं बाजार पुलिस चौकी एरिया में इन दिनों चोरों का आतंक बढ़ता ही जा रहा है। बुधवार-गुरुवार की दरम्यानी रात चोरों ने सरकारी सोलर पैनल की बैटरी गायब कर दी। जिसकी सूचना जमुआं चौकी पर दी गई। इससे पहले भी जमुआं बाजार में कई सोलर लाइटों की बैटरियां चोरी हो चुकी हैं लेकिन अभी तक कोई भी चोर गिरफ्त में नहीं आया। जानकारी के अनुसार जमुआं चौकी क्षेत्र के हीरापुर गांव निवासी लालबिहारी दूबे के मकान के सामने कुछ साल पहले सरकारी सोलर लाइट लगाई गई थी। यह सड़क किनारे लगी थी जिससे आने जाने वालों को भी फायदा होता था। लेकिन बुधवार-गुरूवार की रात चोरों ने यह बैटरी गायब कर दी। कुछ दिनों से यह लाइट नहीं जल रही थी। जिसकी शिकायत ग्राम प्रधान से भी की गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिसके बाद यहां की बैटरी ही चोर उठा ले गए। पीड़ित परिवार के लोगों का कहना है कि अगर यह लाइट पहले की तरह जल रही होती तो शायद ऐसा नहीं होता। पीड़ित व्यक्ति ने जमुआं पुलिस चौकी पर लिखित शिकायत दी है। जहां से आश्वासन मिला है कि जल्द ही चोरों को पकड़ा जाएगा। लेकिन कुछ दिन पहले ही जमुआं बाजार में भी कुछ बैटरियों को चोरों ने पार कर दिया था, जिसका अभी तक कुछ अता-पता नहीं चला है। स्थानीय पुलिस का कहना है कि चौकी में इस वक्त पुलिसकर्मियों की संख्या काफी कम है जिसकी वजह से बाजार में तो गश्त हो जाती है लेकिन ग्रामीण क्षेत्र में गश्त कम होती है। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि जुआड़ियों और नशेड़ियों ने जगह-जगह अड्डा बना लिया है और वे इस तरह की चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस की सुस्ती का फायदा चोर उठा रहे हैं। स्थानीय लोगों की मांग है कि जल्द से जल्द चोरी का पदार्फाश किया जाए और ऐसे लोगों पर उचित कार्रवाई भी हो।

गुणवत्ता के साथ करायें विकास कार्य : डीपीआरओ

डीपीआरओ ने किया गोगांव का निरीक्षण

गोगांव का निरीक्षण करते डीपीआरओ।

जिगना। गुरुवार को जिला पंचायत राज अधिकारी अरविंद जायसवाल ने तूफानी दौरा कर कई ग्राम पंचायतों में हुए कार्यों का स्थलीय सत्यापन किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत विजयपुर बिहसड़ा कला कुसहा में पंचायत भवन का निरीक्षण किया। तत्पश्चात उन्होंने ग्राम सभा गोगांव में चयनित ग्राम सभा में चल रहे कार्यों को देखा और जहां भी थोडा बहुत कार्य में ना समझी में थोड़ी बहुत गलतियां हुई थी। उसे सुधारने का निर्देश दिया। इस दौरान एडीओ पंचायत पीयूष दुबे ने भी कार्य को मानक के अनुसार करने की बात कही। यादव बस्ती में ह्यूम पाइपलाइन के द्वारा पानी निकासी का कार्य देखा तथा रोड के बगल में पानी निकासी का सोख्ता गड्ढा व खाद गड्ढा बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने ग्राम सभा में चल रहे सभी कार्यों को देखा और आवश्यक दिशा निर्देश दिया। इस दौरान प्रधान प्रतिनिधि गुलाम रसूल, ग्राम प्रधान शियादुलारी, सेक्रेटरी प्रकाश चंद दुबे, प्रतिनिधि केशव यादव, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर हरीश शुक्ल, अजय कुमार यादव, ग्राम प्रधान चंद्रशेखर कुशवाहा, ग्राम पंचायत बिहसड़ा कला में निमार्णाधीन पंचायत सचिवालय को देखा। जहां पर कार्य गुणवत्ता मानक के अनुरूप पाया गया।

आवास हेतु दिव्यांग पहुंचा ब्लॉक मुख्यालय

हलिया। स्थानीय विकास खंड के महुअट लायन निवासी एक दिव्यांग घर से 20 किलोमीटर का साइकिल से चक्कर लगाकर ब्लॉक मुख्यालय पहुंचा। पैर से दिव्यांग सर्टिफिकेट लिये हुए साइकिल से सुबह 6 बजे घर से चलकर बारह बजे 20 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए ब्लॉक मुख्यालय पहुंचे दिव्यांग का आरोप है कि मुझे आवास नहीं मिला। इसकी शिकायत ग्राम प्रधान एवं सचिव से किया। समाधान न होने पर खंड विकास अधिकारी कुलदीप कुमार पटेल से शिकायत करने ब्लॉक मुख्यालय आया हूं। जहां खंड विकास अधिकारी के न मिलने पर दिव्यांग अपने प्रमाण पत्र को दिखाते हुए बैरन घर वापस चला गया। विकास खंड के महुअट लायन निवासी ईश्वर दीन पुत्र जंगी लाल दिव्यांग ने बताया कि पेंशन धारी व गरीब हूं इसके बावजूद भी आवास नहीं मिला है। इस संबंध में सचिव आलोक भारती ने बताया कि लाभार्थी द्वारा आनलाइन रजिस्ट्रेशन में विकासखंड के दूसरे गांव में रजिस्ट्रेशन हो गया है। महुअट लायन के स्थान पर महुगढ़ गांव में रजिस्ट्रेशन हुआ था। वहाँ के सचिव द्वारा गांव का न होना बताकर बाहरी दिखाते हुए खारीज कर दिया गया है आवास की लिस्ट जिले में जा चुकी है।

प्राथमिकता के आधार पर हो धान की खरीद : एसडीएम

जांच

एसडीएम ने किया क्रय केन्द्र का औचक निरीक्षण

जनसंदेश न्यूज

क्रय केद्र का निरीक्षण करते एसडीएम।

मड़िहान। स्थानीय क्षेत्र के क्रय केन्द्र कलवारी, जमुई, हिनौता, रजौहा का औचक निरीक्षण करने गुरुवार दोपहर एसडीएम अश्वनी कुमार सिंह पहुँचे जहाँ उन्होंने रजिस्टर व बोरा, कांटा आदि का निरीक्षण किया। केन्द्र प्रभारी को निर्देश देते हुए कहा कि प्राथमिकता के आधार पर किसानों के धान खरीद हों व बोरे का मात्रा हमेशा केन्द्र पर बनी रहें।

एसडीएम ने गोदाम का निरीक्षण कर धान क्रय व धान तौल आदि का बारीकी से जायजा लिया। एसडीएम ने अब तक हुई तौल की जानकारी ली और किसानों के नम्बर प्रणाली रजिस्टर का निरीक्षण भी किया। एसडीएम ने क्रय केन्द्र प्रभारी को निर्देश देते हुए कहा कि किसानों को धान तौल में किसी भी तरह की समस्या नहीं आनी चाहिए।यदि कोई ऐसी परिस्थिति उत्पन्न होती है तो तत्काल आवश्यक कार्यवाही करते हुए सूचना संप्रेषित किया जाए ताकि किसान सरकारी योजनाओं का लाभ समय से व सही ढंग से उठा सकें। एसडीएम द्वारा केन्द्र प्रभारी को धान की खरीदारी अधिक से अधिक करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। मानक के अनुरूप खरीदारी करने के दिशा निर्देश दिया गया। एसडीएम ने हिदायत देते हुए कहा कि धान खरीद में किसी भी तरह की अनियमितता मिलने पर सम्बंधित के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही किया जायेगा। वही पचोखरा खुर्द (रजौहा) केन्द्र पर तकनीकी कमी से परिवहन नहीं हो पा रहा है जिसके लिए यूपीएसएस संस्था प्रभारी को एसडीएम द्वारा निर्देशित किया गया।

संक्षेप

ग्रामीण इलाकों में रोजगार योजनाओं से होगा बदलाव : एडीएम वित्त

लालगंज। विकासखंड लालगंज में धान की भूसी से तैयार करने की रिफाइनरी की इंडस्ट्री के भूमि पूजन के अवसर पर पगार गांव में एडीएम वित्त शिव प्रताप शुक्ला ने कहा कि ग्रामीण इलाके में रोजगार योजनाओं से बदलाव का शुभारंभ होगा। इस तरह के इंडस्ट्री से आर्थिक समृद्धि के साथ परिवर्तन की नींव तय होती है। सिटी मजिस्ट्रेट विनय कुमार सिंह पौधारोपण कर बताया कि पर्यावरण के लिए पौधरोपण आवश्यक है। इससे वातावरण में कार्बन रहे डाइऑक्साइड पर नियंत्रण लगेगा। इंडस्ट्री के प्रबंधक भुवनेश्वर तिवारी उर्फ पप्पू ने बताया कि विकासखंड को इस परियोजना से लाभ मिलेगा। यहां लोगों को काम करने का अवसर सुलभ होगा। ज्वाइंट कमिश्नर उमेश कुमार सिंह ने बताया कि इंडस्ट्री शब्द बहुआयामी राह निर्माण करता है। ऐसे योजनाओं से ग्रामीण इलाके में आर्थिक समृद्धि का वातावरण और रोजगार की संभावनाएं बनेंगी। पुलिस क्षेत्राधिकारी परमानंद कुशवाहा ने बताया कि रोजगार परियोजनाएं अपने आप में व्यवस्था है। इस अवसर पर विपिन कुमार, बैंक ऑफ इंडिया के जोनल मैनेजर, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष बालेंदु मणि त्रिपाठी, विनोद शंकर पांडे, सुधीर तिवारी, बबलू तिवारी, केशव नाथ तिवारी, देवी शंकर तिवारी, बाल नाथ तिवारी, पुरूषोत्तम पांडे के साथ ग्रामीण मौजूद रहे।

दो आरोपियों को हुई आजीवन कारावास की सजा

मीरजापुर। पुलिस उपमहानिरीक्षक विन्ध्याचल परिक्षेत्र के नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में एसपी द्वारा मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला सम्बन्धित अपराध में प्राथमिकता के आधार पर प्रभावी पैरवी कराई गयी। जिसके परिणाम स्वरूप न्यायालय द्वारा 2 आरोपियों को महिला के हत्या के आरोप में दण्डित करते हुए को आजीवन कारावास व 05-05 हजार के अर्थदण्ड की सजा कराने में सफलता प्राप्त हुई। 13 जनवरी 2008 को थाना को0कटरा पर व दिनेश सेठ पुत्र संतलाल सेठ निवासी परसठी बजार थाना परसठी जौनपुर द्वारा नामजद आरोपी के विरुद्ध अपनी पुत्री को ससुराल वालों द्वारा हत्या कर देने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई थी। जहां थाना को0 कटरा पर नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। न्यायालय जनपद एवं सत्र न्यायालय मीरजापुर महिला सम्बन्धित उपरोक्त अपराध में दोषी पायें जाने पर आरोपियों को आजीवन कारावास एवं 05-05 हजार के अर्थदण्ड की सजा सुनायी गयी तथा अर्थदण्ड अदा न करने की दशा में 01 वर्ष की अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर खाई में कूदने से युवक गंभीर

कलवारी। स्थानीय थाना क्षेत्र मड़िहान के गोरथरा में कुत्ता बचाने के चक्कर में ट्रैक्टर अनियन्त्रित होकर खाई में जा कुदा। जिसमें एक गंभीर रूप से घायल 6 लोग बाल बाल बच गये। गुरुदेव नगर निवासी मुरली (50) पुत्र रामदिहल अपना ट्रैक्टर लेकर अजीत का धान लादने गोरथरा खेत पर जा रहा था। बीच रास्ते में ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे जा कुदा। जिसमें बैठे अजीत कुमार (40) पुत्र दिनेश्वर, गुड्डी (35) पत्नी अजीत, अर्चना (10) पुत्री अजीत, अंशिका (7) पुत्री अजीत, रितेश(5) पुत्र अजीत, प्रभावती (38)पुत्री मुरारी जो रिस्ते में अजीत की साली है। निवासी गुरदेव नगर सभी ट्रैक्टर व ट्राली में बैठे हुए थे। गुरुदेव से गोरथरा जाते समय बीच में ही ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे खाई में कुद गया। ट्रैक्टर को कूदने से अजीत को गंभीर रूप से चोट लग गई। संजोग अच्छा था कि परिवार के बाकी लोग बाल-बाल बच गए अन्यथा कोई बड़ा हादसा हो सकता था। ग्रामीणों के मदद से अजीत को राजगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद वाराणसी ड्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया।

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

मीरजापुर। पड़री थाना क्षेत्र के पहाड़ा गांव के पास ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि महिला फोन पर बात करते हुए अपने खेत पर जा रही थी। इस दौरान ट्रेन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गई। अस्पताल ले जाते वक्त मौत हो गई। पड़री थाना क्षेत्र के पहाड़ा गांव के पास बुधवार की दोपहर आरती पतली सोनू और 3 वर्ष निवासी देवाही थाना पड़री खेत पर काम करने के लिए जा रहे थे ऐसे में ट्रेन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे पति इलाज के लिए जब तक अस्पताल ले जाते इतने में ही महिला की मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ट्रेन में यात्रा के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

मीरजापुर। पूर्वा एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रा के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत हो गई। प्राप्त सूचना के आधार पर गुरुवार को पूर्वा एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रा के दौरान आलोक वर्मा पुत्र रामदयाल वर्मा उम्र लगभग 29 वर्ष जो देवरिया बलिया से बक्सर के लिए यात्रा कर रहा था। गुरुवार को ट्रेन में यात्रा के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में उसकी मौत हो गई। पूर्वा एक्सप्रेस जो कि मीरजापुर रेलवे स्टेशन पर नहीं रुकती है। कंट्रोल की सूचना पर स्टेशन मास्टर ने ट्रेन को रेलवे स्टेशन पर रुकवाया गया, जहां मौके पर पहुंची जीआरपी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई में जुट गई।

पुलिस ने वारंटी को किया गिरफ्तार

हलिया। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के महुगढ़ी गांव निवासी राकेश सिंह को न्यायालय द्वारा वारंट जारी होने पर बृहस्पतिवार को एसआई कमलेश कुमार यादव हेड कांस्टेबल ओमप्रकाश यादव ने वारंटी को उसके घर से गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष अतुल कुमार पटेल ने बताया कि किसी मुकदमे में सूचना के बाद भी न्यायालय में पेश नही होने पर न्यायालय द्वारा वारंट जारी होने पर वारंटी राकेश सिंह को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया है।

संविधान दिवस सप्ताह के अंतर्गत सगोष्ठी का किया गया आयोजन

कलवारी। स्थानीय थाना क्षेत्र मड़िहान के ग्राम सभा कलवारी में नेहरू युवा केंद्र मीरजापुर युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय भारत सरकार के जिला युवा समन्वयक प्रतीक साहू के नेतृत्व में संविधान दिवस सप्ताह गोष्टी के माध्यम से मनाया गया। साथ ही साथ संविधान के प्रति आदर रखते हुए भारतीय संविधान में लिखित उद्देशिका का शपथ लेकर संविधान के प्रति अपने जिम्मेदारी व कर्तव्य का पालन करने के लिए शपथ लिया गया। जिसमें मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान उमेश केशरी व विशिष्ट अतिथि के रूप में महाविद्याल बाबू बसंतलाल राज नारायण महाविद्यालय के प्रवक्ता सुनील यादव वहा पंकज कुमार, चंदन सोनी, नीतू सिंह, असलम खान, रामलोचन सिंह, रोहित शर्मा, रत्नेश सिंह व कई सम्मानित लोग उपस्थित रहे।

कृषकों के भुगतान की कार्रवाई समय से किये जाने का निर्देश

मीरजापुर। अपर जिलाधिकारी वित्त शिव प्रताप शुक्ल ने गुरूवार को तहसील लालगंज क्षेत्रान्तर्गत कई धान कय केन्द्रों का निरीक्षण किया। पी0सी0एफ0 क्रय केन्द्र लालगंज निरीक्षण के समय केन्द्र प्रभारी सिद्धनाथ तिवारी उपस्थित रहें। निरीक्षण के समय तक 759 किसानों द्वारा क्रय हेतु सम्पर्क किया जाना पाया गया, जिसमें 27 किसानों से 1257.60 कु0 की खरीद हुई है तथा 15 किसानों का भुगतान किया गया है। 12 किसानों का भुगतान अवशेष है। इसी प्रकार धान का प्रेषण 800 कु0 हुआ है, बाकी अवशेष है। निरीक्षण के समय राम आधार की तौल होना पाया गया, जिनके नामिनी मनोज कुमार का आधार कार्ड से सत्यापन किया गया, जो सही पाया गया। केन्द्र प्रभारी को निर्देशित किया जाता है कि अवशेष धान का प्रेषण व कृषकों के भुगतान की कार्यवाही कल तक करायें तथा टोकन के अनुसार पारदर्शी तरीके के क्रय करना सुनिश्चित करें। निरीक्षण के समय तक केन्द्र प्रथम पर 15 किसानों से 984 कु0 खरीद की गयी है जिसमें से 12 किसानों का भुगतान किया गया है। इसी प्रकार केन्द्र तृतीय पर 16 किसानों से 826 कु0 खरीद की गयी है, जिसमें से 14 किसानों का भुगतान किया गया है। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि अभी तक दोनों केन्द्रों से क्रय किये गये धान का प्रेषण नहीं किया गया है, जो कदापि स्वीकार्य नहीं है। जिला खाद्य विपणन अधिकारी, को निर्देशित किया जाता है कि धान के प्रेषण की व्यवस्था सुनिश्चित कराकर 02 नवम्बर तक अवगत करायें तथा टोकन व्यवस्था के अनुसार पारदर्शी ढंग से खरीद सुनिश्चित करायें।

बीएचयू के बरकछा में की गई साफ-सफाई

मीरजापुर। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के राजीव गांधी दक्षिणी परिसर बरकछा में गुरूवार को आचार्य प्रभारी, प्रोफेसर विनोद कुमार मिश्र, की अध्यक्षता में क्रीड़ा मैदान में साफ-सफाई एवं भूमि समतलन का कार्य संपादित किया गया। इस कार्य हेतु में परिसर के छात्र, शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों ने अपनी भागीदारी निभाते हुए मैदान पर जम कर पसीना बहाया। सभी ने इस कार्य को आगे भी साप्ताहिक स्तर पर बढ़ाने पर जोर दिया। जिससे परिसर के रहवासियों एवं छात्रों को मैदान पर खेलने में सुविधा हो। इसके अतिरिक्त आचार्य प्रभारी ने अन्य सुविधाओं का भी जायजा लिया एवं संबंधित अधिकारियों को उसे दुरुस्त करने का निर्देश भी दिया।

ज्ञान बचाए जान, वादा निभाएंगे एड्स को भगाएंगे : सतीश शंकर

विश्व एड्स दिवस पर छात्र व छात्राओं ने निकाली रैली

जनसंदेश न्यूज

विश्व एड्स दिवस पर रैली निकालते टीबी के अधिकारी।

मीरजापुर। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जिला क्षय रोग विभाग द्वारा रैली एवं गोष्ठी के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया गया। उक्त कार्यक्रम के दौरान जिला टीबी आइसोलेशन प्रभारी डॉक्टर धर्मेंद्र यादव द्वारा महर्षी दयानंद बालिका इंटरमीडिएट कॉलेज प्रांगण में उपस्थित छात्राओं एवं अध्यापिका के बीच एड्स से प्रभावित होने के कारण एवं उससे बचाव, उपचार के विषय में विस्तार से बताया गया।

उक्त गोष्ठी के पश्चात डॉ यादव द्वारा विद्यालय से निकली बच्चों की रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जो एड्स का ज्ञान बचाए जान, वादा निभाएंगे एड्स को भगाएंगे, नन्हे मुन्ने की है आस एड्स न हो हमारे पास का नारा लगाते हुए जिला अस्पताल, रमई पट्टी तिराहा, पेट्रोल टंकी से होते हुए जिला टीबी अस्पताल पर पहुंचकर समाप्त हुई। वहीं उक्त क्रम में क्षय विभाग के द्वारा रेलवे स्टेशन पर भी यात्रियों, कुलियों, वाहन स्टैंड पर एकत्रित ड्राइवरों के बीच एड्स के विषय में जागरूक करने का कार्य किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम में क्षय रोग विभाग के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर सतीश शंकर यादव, दुर्गेश कुमार रावत पीएमडीटी, प्रदीप कुमार पंकज, अभी केस मणि त्रिपाठी ,सावित्री देवी, अखिलेश पांडे, रामजीत निषाद, अंशुमान आदि कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

संकेतांक में टक्कर लगने से बाल-बाल बचा चालक

कलवारी। स्थानीय थाना क्षेत्र मड़िहान के कलवारी बाजार में मुमताज 30 पुत्र सुलेमान निवासी प्रयागराज गुरुवार के भोर में घोरावल से टमाटर लादकर पिकअप से प्रयागराज जा रहा। मीरजापुर घोरावल संपर्क मार्ग पर कलवारी बाजार में बना संकेतक सड़क से सटे पटरी पर बना होने के कारण संकेतक में अनियंत्रित होकर जोरदार टक्कर मार दिया। संजोग अच्छा था कि ड्राइवर बाल-बाल बच गया वहीं वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। विभागीय के लापरवाही के चलते खामियाजा वाहन चालकों को भुगतना पड़ रहा है। इस प्रकार के संकेतक की डिजाइन विभागीय इंजीनियरों द्वारा की जाती है। संकेतक बोर्ड सड़क की पटरी से सटे होने से वाहन चालक भ्रमित होकर घटना के शिकार हो जाते हैं। सड़क व्यस्त होने के कारण वाहनों का आवागमन बना रहता है, दो जिलों को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग पर हल्के व बड़े वाहनों का आवागमन बना रहता है। बाजारवासियों ने जल्द से जल्द संकेतक बोर्ड को हटाने की मांग की है।

सुरक्षा के बचाव हेतु कारखानों में सुनिश्चित करायें सुविधाएं : अपर जिलाधिकारी

मीरजापुर। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल के निर्देशन एवं अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 शिव प्रताप शुक्ल की अध्यक्षता में जिला संकट स्थित समूह के सदस्यों के साथ प्रथम बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आहूत की गयी। बैठक में संयोजक सदस्य/सहायक निदेशक कारखाना वाराणसी अर्चना के द्वारा बैठक के एजेण्डा बिन्दु के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी तथा जिला क्राइसिस ग्रुप के गठन उद्देश्य एवं कार्यो पर विस्तृत चर्चा कर जानकारी दी गयी। उन्होने बताया कि जनपद में किसी भी स्थापित कारखानाओं में अतिखतरनाक प्रकृति के कारखानें में भंडारित रसायनों एवं उत्पादित माल तथा कारखाने में स्थापित सुरक्षा व्यवस्थाओं के बारे में भी चर्चा की गयी। अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि क्षेत्र में स्थापित बड़े औद्योगिक कारखानों में भंडारित रसायनों, उत्पाद के दौरान अपरिहार्य कारणो से होने वाले दुघर्टनाओं के बचाव एवं सुरक्षा के लिये निर्धारित मानक के अनुसार मूल भूत सूविधाए अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करायी जाय। उन्होने कहा कि जनपद के आफ साइट एवं आन साइट इमरजेंसी प्लान के सम्बन्ध में भी समिति के सदस्यों व कारखानाओं के प्रबन्धको को निर्देशित करते हुये कहा कि अतिशीघ्र अपात स्थिति से निपटने हेतु आफ साइड इमरजेंसी प्लान तैयार कर प्रस्तुत किय जाय ताकि जिला प्रशासन को सम्मिलित करते हुये कारखाने आनसाइड इमरजेंसी प्लान का रिहर्सल भी कराया जा सकें। उन्होने कहा कि स्थानीय स्तर पर भी संकट स्थिति समूह के गठन के दौरान जिला अग्निशमन अधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी, सम्बन्धित क्षेत्र के क्षेत्राधिकारी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारियों को भी शामिल किया जाय। बैठक में अजय कुमार क्षेत्राधिकारी चुनार, अधिशासी अभियन्ता जल निगम संदीप सिंह, जिला सूचना अधिकारी ओम प्रकाश उपाध्याय, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ बी0के0 सिंह, सम्भागीय परिवहन अधिकारी संतोष कुमार सिंह, सहायक अग्निशमन अधिकारी सुभाष सिंह के अलावा अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

जलजीवन मिशन योजना के तहत बिछाई गई पाइप लाइनों में लीकेज

जनसंदेश न्यूज

हलिया। विकास खंड में जलजीवन मिशन योजना के तहत बिछाई गई पाइप लाइनों में जगह जगह लीकेज की समस्या होने से बेशकीमती पानी नहरों तथा सड़कों पर बहकर बर्बाद हो रहा है। सरकार द्वारा जलजीवन मिशन योजना के तहत हर घर को नल जोड़कर शुद्ध पेयजल को मुहैया कराया जाएगा। विकास खंड में अभी तक करोड़ों की लागत से कार्यदायी संस्था एनसीसी लिमिटेड द्वारा पाइप लाइन बिछाने का काम किया जा रहा है और दर्जनों गांवों में नल द्वारा पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पाइप लाइन का ट्रायल भी किया जा चुका है। कार्यदाई संस्था द्वारा गुणवत्ता पूर्ण ढंग से पाइप लाइन का कार्य नही किए जाने से जगह जगह बिछाई गई पाइप लाइन में लीकेज की समस्या पैदा हो गई है। अदवा बांध के पास अहुगी कलां गांव में बनाए गए इंटेकवेल के पास से वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से आने वाले पाइपलाइन में लीकेज होने से पाइप लाइन का पानी अदवा नहर में बह रहा है। एक सप्ताह से पाइप लाइन में लीकेज होने के बाद भी कार्यदायी संस्था द्वारा लीकेज को दुरुस्त नही कराया जा सका है जिसे लेकर कार्यदाई संस्था के ऊपर कार्य को लेकर सवालिया निशान लग रहा है। विकास खंड के गुर्गी, हर्रा, बरूआ, अहुगी खुर्द, हथेड़ा, राजपुर धमौली आदि दो दर्जन गांवों में नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल आपूर्ति का ट्रायल भी किया जा चुका है लेकिन गुणवत्ता पूर्ण ढंग से पाइपलाइन का काम नही होने से जगह जगह लीकेज की समस्या खड़ी हो रही है। कार्यदायी संस्था एनसीसी कंपनी की लापरवाही के चलते विकास खंड में हर घर नल योजना को पलीता लगता दिखाई दे रहा है। दो वर्ष बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य धीमी गति से होने पर पाइप लाइन बिछाने का काम अधूरा पड़ा हुआ है। इस संबंध में एडीएम नमामि गंगे अमरेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि पाइप लाइन से पानी को टंकी तक पहुंचाने के लिए ट्रायल किया जा रहा है। जिन जगहों पर लीकेज की समस्या है उसे दुरुस्त कराने के लिए कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया गया है। जल्द ही लीकेज की समस्या को दुरुस्त करा लिया जाएगा।

क्रशर प्लांटों, कटिंग यूनिट व खनन पट्टा स्थलों पर करें मिस्ट गन का प्रयोग : एडीएम वित्त

बैठक

अपने खनन क्षेत्र के पास बोर्ड लगाकर प्रदर्शित करे विस्तृत विवरण

प्रदूषण कंट्रोल के लिये खनन क्षेत्रों में किया जाय समुचित उपाय

जनसंदेश न्यूज

जिला पंचायत में बैठक में शामिल अधिकारी।

मीरजापुर। अपर जिलाधिकारी शिव प्रताप शुक्ल के द्वारा आज जिला पंचायत सभागार में क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जिला खान अधिकारी एवं जनपद के क्रशर व खन्न पट्टा धारको के साथ बैठक कर खन्न क्षेत्रों में होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिये समुचित उपाय करने का निर्देश दिया गया। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि खन्न पट्टा स्थलों व क्रशर प्लांटो पर निरीक्षण के दौरान कई पट्टा धारको के द्वारा मानक के अनुसार कार्य नही किया जाता हुआ पाया गया है।

उन्होने कहा कि सभी खन्न पट्टा धारक अपने खन्न क्षेत्र पर एक बोर्ड लगाकर पट्टा धारक का नाम, आराजी संख्या, क्षेत्रफल व अवधि के साथ ही साथ मोबाइल नम्बर भी अंकित कर प्रदर्शित करना सुनिश्चित करें। इसी प्रकार क्रशर प्लांटों एवं खन्न क्षेत्रों के आस पास के क्षेत्रों को ग्रीन बेल्ट के रूप में विकसित करने के लिये सड़को के किनारे आस पास प्राथमिक विद्यालयों एवं खाली पड़ी जमीनों पर वृक्षारोपण व हरे पौधो का प्लांटेशन कराना सुनिश्चित कराये ताकि खन्न क्षेत्रो में क्रशर प्लांटो से निकलने वाले धूल को रोका जा सकें। उन्होने कहा कि अपने-अपने क्रशर प्लांटो सहित आस पास के सड़को पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव सुनिश्चित कराये तथा ट्रको के आने जाने से छतिग्रस्त सड़को के गढ्ढो में गिट्टी आदि को भरकर मरम्मत भी सुनिश्चित करायें। उन्होने कहा कि सभी खन्न पट्टा क्षेत्रो में फेसिग पिलर भी लगाया जाय। खन्न क्षेत्रों में ब्लास्टिंग के सम्बन्ध में अपर जिलाधिकारी ने कहा कि निर्धारित समय में ही ब्लास्टिंग किया जाय यह भी सुनिश्चित करे कि आस पास के स्कूलों से भी समन्वय स्थापित कर या मालूम कर ले कि यदि किन्ही कारणवश ब्लास्टिंग छुट्टी होने वाला हो तो प्रधानाध्यपक से समन्वय स्थापित कर ही ब्लास्टिंग की किया जाय। सभी क्रशर प्लांटो, कटिंग यूनिट एवं खन्न पट्टा धारको को नियमित रूप से मिस्ट गन का प्रयोग करने के लिये भी निर्देशित किया गया। उन्होने यह भी कहा कि क्रशर प्लांटो कटिंग यूनिट अपने प्लांट के क्षेत्रान्तर्गत तार से घेरा बन्दी भी सुनिश्चित करे ताकि वहां कोई जानवर न जा सकें। क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण के लिये खदानों एं क्रशर प्लांटो पर समुचित उपाय सुनिश्चित किया जाय। अन्त में अपर जिलाधिकारी ने कहा कि खन्न क्षेत्रो में प्रदूषण नियंत्रण एक गम्भीर विषय है अतएव सभी पट्टा धारक व क्रशन प्लांट धारक अपने क्षेत्रो में प्रदूषण नियंत्रण अथवा नियमों में उल्लिखित सभी बिन्दुओं का पालन सुनिश्चित कराये। उन्होने यह भी कहा कि कोई भी खन्न पट्टा धारक अपने खादान से ओवर लोडिंग ने करे अन्यथा उसके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

स्पोर्ट्स

दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज कीगन ऑस्ट्रेलिया दौरे में नहीं खेलेंगे

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका को 17 दिसंबर से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले ही करारा झटका लगा है। उसके बल्लेबाज कीगन पीटरसन हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर हो गए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार पीटरसन को क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका टी20 चैलेंज फाइनल के दौरान चोट लगी थी और उन्हें ठीक होने में करीब छह से आठ सप्ताह लगेंगे। 2021 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से यह दूसरा दौरा है जिसमें वह शामिल नहीं हो पायेंगे। पिछले साल वह कोविड-19 के कारण न्यूजीलैंड दौरे से बाहर हो गए थे। वहीं केशव महाराज को आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 में कमर में चोट लग गई थी क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) भी उनकी फिटनेस रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। नीदरलैंड के खिलाफ एक मैच में महाराज दक्षिण अफ्रीका के अंतिम मैच में बल्लेबाजी करते हुए दौड़ने में असमर्थ थे और आगामी खेलों के लिए उनकी उपलब्धता का निर्धारण करने के लिए इस सप्ताह उनका मूल्यांकन किया जाएगा।

पाक की खटिया खड़ी: टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड का हाहाकार, तोड़ डाला 112 साल पुराना रिकॉर्ड

इंग्लैंड ने पहले दिन 75 ओवर में चार विकेट पर 506 रन बनाये, उसके चार बल्लेबाजों ने शतक लगाए, जैक क्रॉली ने 122, ओली पोप ने 108, बेन डकेट ने 107 और हैरी ब्रुक ने नाबाद 101 रन ठोके

कराची। पाकिस्तान में 17 साल बाद टेस्ट सीरीज खेलने पहुंची इंग्लैंड की टीम ने कमाल कर दिया है। उसने रावलपिंडी में पहले टेस्ट के पहले दिन पाकिस्तानी गेंदबाजी की बखिया उधेड़ दी। इंग्लैंड ने पहले दिन 75 ओवर में चार विकेट पर 506 रन बना लिए। उसके चार बल्लेबाजों ने शतक लगाए। जैक क्रॉली ने 122, ओली पोप ने 108, बेन डकेट ने 107 और हैरी ब्रुक ने नाबाद 101 रन बनाए।

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। जैक क्रॉली और बेन डकेट ने क्रीज पर उतरते ही पाकिस्तानी गेंदबाजों की कुटाई शुरू कर दी। दोनों ने 35.4 ओवर में पहले विकेट के लिए 233 रन की साझेदारी की। डकेट 110 गेंद पर 107 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में 15 चौके लगाए। डकेट के आउट होने के कुछ देर बाद ही क्रॉली भी पवेलियन लौट गए। उन्होंने 21 चौकों की मदद से 111 गेंद पर 122 रन बनाए। डकेट को जाहिद महमूद और क्रॉली को हारिस रऊफ ने आउट किया।

रूट का नहीं चला बल्ला

235 रन पर दो विकेट गिर जाने के बाद ओली पोप और जो रूट ने पारी को संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 55 गेंद पर 51 रन की साझेदारी की। रूट ज्यादा देर नहीं टिक पाए और 31 गेंद पर 23 रन बनाकर जाहिद महमूद का शिकार बने। उनके बाद ओली पोप और हैरी ब्रुक के साथ पाकिस्तानी गेंदबाजों की धुनाई की। दोनों ने 149 गेंद पर 176 रनों की साझेदारी की। ओली पोप 104 गेंद पर 108 रन बनाकर मोहम्मद अली का शिकार बने। पोप ने अपनी पारी में 14 चौके लगाए। दिन का खेल समाप्त होने के समय हैरी ब्रुक 101 और कप्तान बेन स्टोक्स 34 रन बनाकर नाबाद रहे।

मैच में बने ये बड़े रिकॉर्ड:

इंग्लैंड ने टेस्ट के पहले दिन सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उसने 75 ओवर में चार विकेट पर 506 रन बनाए। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने नौ दिसंबर 1910 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सिडनी में 99 ओवर में छह विकेट पर 494 रन बनाए थे।

इंग्लैंड टेस्ट के पहले दिन सबसे ज्यादा रन बनाने वाली मेहमान टीम (विजिटिंग टीम) बन गई। उसने 88 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इससे पहले 1934 में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड में 475 रन बनाए थे।

टेस्ट क्रिकेट में पहली बार मैच के पहले दिन चार शतक लगे। इंग्लैंड के लिए जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप और हैरी ब्रुक ने शतक लगाा।

हैरी ब्रुक ने साउद शकील के ओवर में छह चौके लगाए। टेस्ट इतिहास में ऐसा पांचवीं बार हुआ है। भारत के संदीप पाटिल ने इंग्लैंड के बॉब विलिस के खिलाफ 1982 में पहली बार एक ओवर में छह चौके लगाए थे। उनके बाद 2004 में वेस्टइंडीज के खिलाफ क्रिस गेल ने इंग्लैंड के मैथ्यू होगार्ड, 2006 में वेस्टइंडीज के रामनरेश सरवन ने भारत के मुनाफ पटेल और 2007 में श्रीलंका के सनथ जयसूर्या ने इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन के ओवर में ऐसा किया था।

टेस्ट में यह तीसरा अवसर है जब उसके शीर्ष तीन बल्लेबाजों (जैक क्रॉली, बेन डकेट और ओली पोप) ने शतक लगाया है। इससे पहले 1924 में लॉर्ड्स के मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जैक हॉब्स, हर्बट सटक्लिफ और फ्रैंक वॉली ने ऐसा किया था। फिर 2010 में ब्रिस्बेन क्रिकेट ग्राउंड पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एंड्रयू स्ट्रॉस, एलिस्टर कुक और जोनाथन ट्रॉट ने शतक लगाया था।

इंग्लैंड के दोनों ओपनर बल्लेबाजों ने नौ साल के बाद एक ही पारी में शतक लगाया है। पिछली एलिस्टर कुक (116) और निक कॉम्पटन (117) ने न्यूजीलैंड के खिलाफ नौ मार्च 2013 को ड्यूनेडिन में शतक लगाया था। इस बार जैक क्रॉली और बेन डकेट ने ऐसा किया।

राहुल ने बीसीसीआई से छुट्टी मांगी, शादी की अटकलें तेज

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज लोकेश राहुल ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से छुट्टी मांगी है। राहुल ने निजी कारणों से यह छुट्टी मांगी है। उनकी छुट्टी स्वीकृत भी हो गई है। इससे प्रशंसकों ने उनके और अभिनेत्री आथिया शेट्टी की शादी की अटकलें लगायी हैं। इससे पहले यह भी कहा जा रहा था कि राहुल और आथिया के अभिभावकों ने दोनो की शादी को लेकर मुलाकात की थी। राहुल और आथिया अगले महीने के पहले सप्ताह में शादी कर सकते हैं। राहुल ने बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के बाद बीसीसीआई से एक ब्रेक मांगा है। राहुल अब श्रीलंका के खिलाफ भारत में होने वाली तीन मैचों की टी20 और एकदिवसीय सीरीज में नहीं खेलेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार यह दोनो ही जनवरी के पहले सप्ताह में शादी कर सकते हैं। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने भी माना है कि राहुल ने निजी काम से छुट्टी मांगी है पर कारणों को नहीं बताया है। इस अधिकारी ने आगे कहा कि वह शादी कर रहे हैं या सगाई यह हमें नहीं पता पर उनके कुछ घरेलू काम हैं जिन्हें उन्हें पूरा करना है। वहीं आथिया के पिता ने हाल ही में कहा था कि समय आने पर ये दोनो शादी करेंगे जिसकी जानकारी सभी का दी जाएगी।

कोहली के छक्कों पर बोले रऊफ : कार्तिक या पंड्या मारता तब मुझे दुख होता, उनमें डिफरेंट क्लास

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ ने टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान मुकाबले के दौरान विराट कोहली के छक्कों पर प्रतिक्रिया दी

कराची। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ ने टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान मुकाबले के दौरान विराट कोहली के छक्कों पर प्रतिक्रिया दी है। 29 साल के इस तेज गेंदबाज ने क्रिकविक पर पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली की तरीफ करते हुए कहा है- 'वर्ल्ड कप में जैसा कोहली ने खेला, उनकी वो क्लास है। सबको पता है कि जिस तरह के वे शॉट खेलते हैं और जैसे उन्होंने मेरी बॉल पर छक्के जमाए। मेरे ख्याल से कोई और प्लेयर नहीं है, जो ऐसे सिक्स लगा सकता है। दिनेश कार्तिक मारता या हार्दिक पंड्या मारता तब मैं दुखी होता। लेकिन,

कोहली ने मारे हैं, उनकी डिफरेंट क्लास है।' याद दिला दें कि विराट कोहली ने 23 अक्टूबर को मेलबर्न में भारत-पाकिस्तान मुकाबले में हारिस रऊफ की गेंद पर बैक टु बैक 2 सिक्स जमाकर मैच का रुख पलट दिया था और भारत को हारा हुआ मुकाबला जिता दिया था। 19वें ओवर की आखिरी 2 बॉलों पर आए इन छक्कों से पहले भारत को जीत के लिए 8 बॉल में 28 रनों की जरूरत थी। कोहली ने लिखा था- मेरे दिल में हमेशा खास रहेगा 23 अक्टूबर 2022

कोहली ने उस पारी को अपने लिए यादगार बताया था। विराट ने 26 नवंबर को एक सोशल पोस्ट में लिखा था- '23 अक्टूबर 2022 मेरे दिल में हमेशा खास रहेगा। क्रिकेट के खेल में ऐसी ऊर्जा पहले कभी महसूस नहीं हुई।

कोहली के 2 छक्कों की खूब वाहवाही हुई थी। खासकर, वो सिक्स जो कोहली ने रऊफ की लेंथ बॉल पर सामने की दिशा में मारा था। इन छक्कों ने फैंस और पूर्व क्रिकेटर्स को हैरत में डाल दिया था।

रोनाल्डो ने दो दशक में कमाये 4100 करोड़ रुपये

दोहा। फीफा विश्वकप फुटबॉल में पुर्तगाल के स्टार फुटबॉल प्लेयर क्रिस्ट्रियानो रोनाल्डो का आकर्षण 37 साल के उम्र में भी बना हुआ है। रोनाल्डो के खेल को लेकर दर्शकों में दीवानगी है। रोनाल्डो ने फुटबॉल से भारी दौलत भी कमाई है। अपने दो दशक के करियर में उन्होंने करीब 500 मिलियन डॉलर (करीब 4100 करोड़ रुपये) से ज्यादा की रकम कमाई है। उनके बाद अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी दूसरे नंबर पर हैं जिन्होंने 400 मिलियन डॉलर जबकि ब्राजील के स्टार स्टार खिलाड़ी नेमार ने अबतक 200 मिलियन डॉलर कमाये हैं। फोर्ब्स के अनुसार रोनाल्डो ने साल 2021 में सबसे ज्यादा कमाई वाले फुटबॉलरों में शीर्ष पर थे। उन्होंने साल 2021 में 125 मिलियन डॉलर करीब 980 करोड़ रुपये कमाये थे। वहीं रोनाल्डो ने साल 2020 में 858 करोड़ कमाए। हाल में उन्होंने ब्रिटेन के मैनचेस्टर यूनाइटेड क्लब को छोड़ दिया है। इसके बाद उन्हें सऊदी अरब के एक क्लब अल नासर ने तीन साल के लिए 1800 करोड़ रुपये की पेशकश की है। रोनाल्डो के इंस्टाग्राम में 50 करोड़ से ज्यादा फॉलोवर हैं। रोनाल्डो प्रत्येक इंस्टाग्राम पोस्ट के 11 करोड़ रुपये लेते हैं।

फीफा विश्वकप के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंची फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया

दोहा। फीफा विश्वकप फुटबॉल में गत चैंपियन फ्रांस की टीम ट्यूनीशिया के खिलाफ मुकाबले में 1-0 से हार के बाद भी प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी है। वहीं ट्यूनीशियाई टीम टूनार्मेंट से बाहर हो गयी। ग्रुप डी के एक अन्य मैच में ऑस्ट्रेलिया ने डेनमार्क को 1-0 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया। अब चार दिसंबर को होने वाले प्री क्वार्टर फाइनल में फ्रांस का सामना ग्रुप सी में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से होगा जबकि ऑस्ट्रेलिया ग्रुप सी में शीर्ष पर रहने वाली टीम का सामना करेगी।

विश्व की 30वें नंबर की टीम ट्यूनीशिया से मुकाबले में पूर्व चैम्पियन फ्रांस की टी कई बदलावों से उतरी जो उसपर भारी पड़ गये। मुकाबले में अधिकांश समय फ्रांस की टीम दबाव में नजर आयी। दूसरी ओर ट्यूनीनिशाई कप्तान वाहबी खाजरी ने 58वें मिनट में टूनार्मेंट का पहला गोल कर अपनी टीम को जीत दिलायी। फ्रांस के लिए इंजरी टाइम के आठवें मिनट में एंटोनी ग्रिजमैन ने गोल किया था पर ऑफ साइड होने के कारण वह अमान्य करार दिया गया। वहीं एक अन्य मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने मैथ्यू लेकी के 60वें मिनट में किये एक मैदानी गोल से डेनमार्क को हरा दिया। इसी के साथ ही डेनमार्क की टीम टूनार्मेंट से भी बाहर हो गयी। डेनमार्क के गोलकीपर कास्पर श्माइकल ने इससे रोकने के पूरे प्रयास किये पर वह सफल नहीं हुए।

विश्व कप में खेल रहे ट्यूनीशिया अब तक तीसरी बार जीत हासिल की है पर वह कभी भी नॉकआउट में नहीं पहुंच पायी है। उसे पहली जीत साल 1978 में मैक्सिको के खिलाफ और दूसरी जीत चार साल पहले रूस में पनामा के खिलाफ दर्ज की थी। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने विश्व कप के 19 मैचों में चौथी जीत दर्ज की है पर इससे टीम साल 2006 के बाद दूसरी बार नॉकआउट में प्रवेश किया है। ग्रुप डी में फ्रांस की टीम ट्यूनीशिया के खिलाफ हार के बाद भी तीन मैच में दो जीत से छह अंक के साथ शीर्ष पर रही है। वहीं ऑस्ट्रेलिया के भी तीन मैच में दो जीत से छह अंक रहे पर फ्रांस की टीम प्लस तीन के गोल अंतर के कारण उससे आगे रही जबकि ऑस्ट्रेलिया का गोल अंतर माइनस एक रहा। ट्यूनीशियाई टीम एक जीत एक ड्रॉ और एक हार के साथ ही चार अंक के साथ तीसरे स्थान पर रही है।

फीफा विश्वकप में बाइडेन ने अमेरिकी टीम की ईरान पर जीत की घोषणा की

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन फीफा विश्वकप फुटबॉल में अमेरिकी टीम की ईरान पर 1-0 की जीत से बेहद उत्साहित नजर आये। बाइडेन उस समय यहां मिशिगन टेक्नोलॉजी प्लांट में थे। जैसे ही उन्हें टीम की जीत की खबर मिली वह भागकर मंच पर पहुंच गये और लोगों को यह जानकारी दी। ग्रुप बी में दूसरे स्थान पर पहुंची अमेरिकी टीम इस जीत के साथ ही अंतिम 16 में पहुंच गई है। बाइडेन ने इस सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए खिलाड़ियों को अगले मैच के लिए भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने मंच से कहा कि विश्व कप एक बड़ा खेल आयोजन है। इसी कारण मैंने कोच और खिलाड़ियों से बात की थी। मैच के पहले मैंने खिलाड़ियों का हौंसला भी बढ़ाया था और कहा कि आप जीत सकते हो और उन्होंने ऐसा ही किया। इस जीत के बाद भी अभी अमेरिकी टीम को लंबा रास्ता तय करना है। इस जीत से टीम ग्रुप में दूसरे स्थान पर रही। यह लगातार तीसरा टूनार्मेंट है जब टीम नॉकआउट चरण में पहुंची है। इससे पहले 2010 और 2014 में भी टीम से उम्मीदें की गईं थीं। अमेरिकी टीम साल 2014 के बाद पहली बार विश्व कप के अंतिम 16 में पहुंची है। अब उसे क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए शनिवार को ग्रुप ए विजेता नीदरलैंड्स पर हासिल करनी होगी।

स्मिथ ने की ब्रेडमैन के २९ शतकों के रिकार्ड की बराबरी

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक लगाने के साथ ही महान बल्लेबाज डॉन ब्रेडमैन के 29 शतकों की बराबरी कर ली है। मैच के दूसरे दिन स्मिथ के शतक से ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में लंच तक 3 विकेट पर 402 रन बनाये। स्टीव स्मिथ 114 रन बनाकर खेल रहे हैं। वहीं मार्नस लाबुशेन ने दोहरा शतक लगाने के साथ ही 204 रन बनाये। इस शतक के साथ ही स्मिथ भारत के विराट कोहली इंग्लैंड के जो रूट और न्यूजीलैंउ के केन विलियम्सन से कहीं आगे निकल गये हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट 28 शतक के साथ दूसरे विराट 27 शतक के साथ तीसरे और न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्यन 24 शतक के साथ चौथे नंबर पर है। विराट हालांकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के तीनों प्रारुपों टेस्ट एकदिवसीय और टी20 में कुल शतक के मामले में नंबर 1 पर हैं। उन्होंने सबसे अधिक 71 शतक लगाए हैं। इसमें एकदिवसीय में 43 टेस्ट में 27 और टी20 में एक शतक शामिल है। इस सूची में अन्य कोई 50 शतक तक भी नहीं पहुंच पाया है। रूट 44 शतक के साथ दूसरे स्टीव 41 शतक के साथ तीसरे और विलियम्सन 37 शतक के साथ चौथे नंबर पर हैं। कोहली अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल शतक के मामले में दूसरे नंबर पर है जबकि सचिन तेंदुलकर 100 शतक के साथ पहले ही नंबर पर हैं।

फीफा विश्वकप के नाकआउट में पहुंचने पर उत्साहित ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसक।

इसलिए सूर्यकुमार नहीं हो रहे एकदिवसीय में सफल : जाफर

मुम्बई। टी20 क्रिकेट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से आईसीसी रैंकिंग में नंबर एक स्थान पर पहुंचे टीम इंडिया के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव एकदिवसीय क्रिकेट में अब तक अपना प्रभाव नहीं दिखा पाये हैं। इसको लेकर पूर्व बल्लेबाज वसीम जाफर ने कहा है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ वह वह एक ही प्रकार से आउट हुए। न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में सूर्यकुमार ने 22 की औसत और 115.79 की स्ट्राइक रेट से केवल 44 रन बनाए। पहले मैच और तीसरे मैच में वह 4 और 6 रन बनाकर आउट हो गए। दूसरे मैच में उन्होंने जरूर आक्रमक तरीके से 34 रन की पारी खेली। जाफर ने कहा कि दोनो ही मैचों में वह स्लिप में कैच आउट हुए। इससे साफ है कि स्लिप में फील्डर होने के कारण वह बड़ी पारी नहीं खेल पा रहे हैं। जाफर ने कहा वह दोनों वनडे मैच में एक ही तरीके से आउट हुए हैं। दोनों मैच में उन्होंने स्लिप में कैच देकर अपना विकेट खोया है।

दोहा में फीफा विश्वकप में पोलैंड के खिलाफ गोल का प्रयास करते हुए अर्जेंटीना के लियोनल मैसी।

जी20 के अध्यक्ष के रूप में भारत एकता की भावना को बढ़ावा देने पर करेगा काम : पीएम मोदी

भारत के गुरुवार से औपचारिक रूप से जी20 की अध्यक्षता ग्रहण करने के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर एक लेख लिखा

नई दिल्ली। भारत के गुरुवार से औपचारिक रूप से जी20 की अध्यक्षता ग्रहण करने के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर एक लेख में कहा कि देश एकता की सार्वभौमिक भावना को बढ़ावा देने के लिए काम करेगा। भारत 1 दिसंबर, 2022 से 30 नवंबर, 2023 तक जी20 की अध्यक्षता करेगा। अपने लेख में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, जी20 की पिछले 17 अध्यक्ष देशों ने मैक्रो-इकोनॉमिक स्थिरता सुनिश्चित करने, अंतरराष्ट्रीय कराधान को युक्तिसंगत बनाने, देशों पर ऋण-भार से राहत देने सहित कई अन्य महत्वपूर्ण परिणाम दिए।

आगे बताया गया कि, हम इन उपलब्धियों से लाभान्वित होंगे और उन पर और निर्माण करेंगे। भारत सभी जीवित प्राणियों और यहां तक कि निर्जीव चीजों को भी एक ही पांच मूल तत्वों से बना हुआ देखता है, जिसमें पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और अंतरिक्ष का पंच तत्व शामिल है।

प्रधानमंत्री ने कहा, हमारी जी20 अध्यक्षता के दौरान, हम भारत के अनुभवों, सीखों और मॉडलों को दूसरे देशों को प्रस्तुत करेंगे। हमारी जी20 प्राथमिकताओं को जी20 भागीदारों के परामर्श से आकार दिया जाएगा, जिनकी आवाज अक्सर अनसुनी कर दी जाती है। हमारी प्राथमिकताएं हमारे एक पृथ्वी को ठीक करने, हमारे एक परिवार के भीतर सद्भाव पैदा करने और हमारे एक भविष्य की आशा देने पर केंद्रित होंगी। उन्होंने अपने लेख में कहा, अपने ग्रह को ठीक करने के लिए, हम भारत की प्रकृति के प्रति ट्रस्टीशिप की परंपरा के आधार पर टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली को प्रोत्साहित करेंगे।

लेख में आगे बताया गया कि, आज हम जिन सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, उसमें जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद और महामारी का समाधान आपस में लड़कर नहीं, बल्कि मिलकर काम कर ही किया जा सकता है। सौभाग्य से, आज की तकनीक हमें मानवता-व्यापक पैमाने पर समस्याओं का समाधान करने का साधन भी प्रदान करती है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, सामूहिक निर्णय लेने की सबसे पुरानी ज्ञात परंपराओं के साथ, भारत लोकतंत्र के मूलभूत डीएनए में योगदान देता है। लोकतंत्र की जननी के रूप में, भारत की राष्ट्रीय सहमति फरमान से नहीं, बल्कि लाखों स्वतंत्र आवाजों को एक सुरीले स्वर में मिला कर बनाई गई है। इन सभी कारणों से भारत के अनुभव संभावित वैश्विक समाधानों के लिए अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकते हैं।

जी20 अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग का प्रमुख मंच है जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 85 प्रतिशत, वैश्विक व्यापार के 75 प्रतिशत से अधिक और विश्व की आबादी के लगभग दो-तिहाई का प्रतिनिधित्व करता है। अपनी जी20 अध्यक्षता के दौरान, भारत पूरे भारत में कई स्थानों पर 32 विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 200 बैठकें आयोजित करेगा। अगले वर्ष आयोजित होने वाला जी20 शिखर सम्मेलन, भारत द्वारा आयोजित की जाने वाली सर्वोच्च प्रोफाइल अंतर्राष्ट्रीय सभाओं में से एक होगा। *एजेंसी*

उत्तराखंड में नहीं होगा जबरन धर्मांतरण पकड़ने जाने पर 10 साल की होगी सजा : धामी

देहरादून। देश में धर्मांतरण का मुद्दा लगातार जोर पकड़ रहा है। धर्मांतरण को लेकर कानून बनाने की मांग हिंदू संगठनों की ओर से होती रही है। दरअसल जबरन धर्मांतरण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने भी अपनी सख्ती दिखाई है। मामले में मोदी सरकार से जवाब मांगा गया था। इस बीच उत्तराखंड सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। उत्तराखंड में अब अगर कोई भी व्यक्ति का धर्मांतरण करने पर वह पकड़ा गया तब उस 10 साल तक की सजा हो सकती है। इसकी जानकारी खुद राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दी है। धामी ने कहा कि धर्मान्तरण बहुत प्रकार से बहुत जगह चल रहा था और ये हमारे लिए गंभीर विषय बनता जा रहा था। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इसकारण हमें कानून को सख्त बनाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि हमने इस पर कानून बनाया है और अब उत्तराखंड में कोई धर्मान्तरण नहीं कर पाएगा अगर धर्मार्तरण में किसी का नाम आता है तब उस 10 साल तक की सजा होगी।

अवनीत कौर ने फिर एक बार पोस्ट की बोल्ड फोटोज, फैंस हुए दंग

मुंबई। एक्ट्रेस अवनीत कौर ने डांस रियलिटी शो से अपने करियर की शुरूआत की थी। अवनीत इस शो में बतौर डांसर आई थी। हालांकि कुछ समय बाद उन्होंने एक्टिंग में अपना डेब्यू किया। अवनीत ने अब टीवी के छोटे पर्दे से लेकर बॉलीवुड के बड़े पर्दे तक अपना नाम और अपनी पहचान बनाई है। हालांकि अब अवनीत को बतौर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के तौर पर देखा जा रहा था। सोशल मीडिया पर अमृता के करोड़ों फैंस हैं। उनका अंदाज फैंस को काफी पसंद आता है। उनकी एक झलक देखने के लिए फैंस बेताब होते हैं। अवनीत कौर की सीरियल 'अलादीन' में सिद्धार्थ के साथ उनकी जोड़ी को फैंस ने खूब पसंद किया। लाखों फैंस उन्हें वापस देखना चाहते हैं। अवनीत कौर जल्द ही नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ अपना बॉलीवुड डेब्यू करने वाली हैं। उन्होंने पंजाबी फिल्मों में भी काम किया था।

खास खबर

यूपी 112 में तैनात होमगार्डों को मिलेगा 150 रुपये अतिरिक्त मानदेय, शासनादेश जारी

यूपी 112 सेवा में वाहन चालक के रूप में तैनात होमगार्डों के लिए शानदार खबर है। योगी सरकार ने उनके कठिन चुनौतीपूर्ण कार्यों को देखते हुए हर होमगार्ड को उनके ड्यूटी भत्ते के अलावा 150 रुपये दैनिक मानदेय देने का निर्णय लिया है। होमगार्ड लंबे समय से इसकी आस लगाए हुए थे जिसे अब सरकार ने पूरा कर दिया है। जारी शासनादेश के मुताबिक प्रदेश स्तरीय पुलिस इमरजेन्सी प्रबंधन प्रणाली (पीईएमएस) यूपी 112 में वाहन चालक के रूप में नियोजित होने वाले होमगार्ड स्वयंसेवकों को ड्यूटी भत्ते के अतिरिक्त 150 रुपये मानदेय प्रतिदिन प्रदान किया जाएगा। यह भत्ता होमगार्ड के यूपी 112 में तैनाती की अवधि तक ही अनुमन्य होगा। इस संबंध में वित्त विभाग की स्वीकृति भी मिल गई है। बता दें कि करीब 8000 होमगार्ड यूपी 112 में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। अब इन सभी को ड्यूटी भत्ते के अलावा हर दिन 150 रुपये अतिरिक्त मानदेय मिलेगा।

चालीसा पाठ मामले में राणा दंपती को वारंट

हनुमान चालीसा पाठ मामले में बॉम्बे सेशंस कोर्ट ने राणा दंपती को वारंट जारी किया है। इसके बाद राणा दंपति की की मुश्किलें बढ़ने की आशंका है। नवनीत राणा और विधायक रवि राणा ने तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के मातोश्री आवास के सामने हनुमान चालीसा का पाठ किया था। इस विरोध के बाद उनके खिलाफ मामला दर्ज हुआ था। खार ठाणे में अपराध और गिरफ्तारी के बाद राणा दंपति को जमानत पर रिहा किया गया। ऐसा प्रतीत होता है कि मामले की सुनवाई के लिए राणा दंपत्ति उपस्थित नहीं है। राणा 11 नवंबर को होने वाली सुनवाई में मौजूद नहीं थे। इसकारण कोर्ट ने उन्हें वारंट जारी किया है। यह वारंट जमानती है। उन्हें 5 हजार की जमानत पर रिहा किया जाएगा। लेकिन राणा दंपत्ति को अगली सुनवाई के लिए यहीं से पेश होना होगा।

बरेली: नाले में डुबोकर मारे गए चूहे की हत्या का मामला सुर्खियों में

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में फेफड़ों में आक्सीजन न पहुंचने से हुई थी मौत

बरेली। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में एक चूहे की हत्या का मामला सुर्खियों में बना हुआ है। इस मामले में चूहे को डुबोकर मारने वाले शख्स के खिलाफ एफआईआर भी हुई है, जिसके बाद चूहे की डेडबाडी को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया था। भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आइवीआरआइ) के डाक्टरों ने पोस्टमार्टम में पाया है कि चूहे की मौत दम घुटने के कारण हुई थी। मतलब उसके फेफड़ों तक आक्सीजन नहीं पहुंच पाई थी। पोस्टमार्टम करने वाले डाक्टरों ने रिपोर्ट में बताया है कि डुबाए जाने की वजह से चूहे के फेफड़ों में आक्सीजन नहीं जा रही थी, इस स्थिति को अनआक्सिया कहते हैं। इससे चूहे के शरीर में आक्सीजन नहीं पहुंच पा रही थी, जिससे वह काफी देर तड़पता रहा। चूहे के फेफड़ों में एल्वियोली (वायुकोष्ठिका) में वायु ना जाने से वह फटना शुरू हो गई थी। इस वजह से चूहे की मृत्यु हो गई। आइवीआरआइ के प्रधान वैज्ञानिक डा. जी साइ कुमार ने बताया कि रिपोर्ट को गुरुवार शाम तक बदायूं के थाना प्रभारी को भेज दिया जाएगा।

दरअसल, घटना एक सप्ताह पहले बदायूं के शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला पनवड़िया की है। यहां के निवासी युवक मनोज कुमार ने एक चूहे की पूंछ में पत्थर बांधकर उसे नाले में डुबोकर मार डाला था। इस घटना को शहर के मोहल्ला कल्याण नगर के निवासी पशु प्रेमी विकेंद्र शर्मा ने देख लिया और आपत्ति जाहिर की थी। इसके बाद विकेंद्र ने मनोज के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत एफआइआर भी दर्ज करवाई थी।

परिसीमन आयोग के गठन के केंद्र के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर में विधानसभा और लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण के लिए एक परिसीमन आयोग के गठन के सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। याचिका में कहा गया है कि सरकार ने मामले में संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन किया है। न्यायमूर्ति एस.के. कौल और न्यायमूर्ति अभय एस.ओका की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता निर्वाचन आयोग और याचिकाकताओं के वकीलों की दलीलें सुनीं। सुनवाई के बाद पीठ ने कहा जिरह सुनी गई फैसला सुरक्षित। दो याचिकाकताओं हाजी अब्दुल गनी खान और मोहम्मद अयूब मट्टू की तरफ से पेश वकील ने दलील दी थी कि परिसीमन की कवायद संविधान की भावनाओं के विपरीत की गई थी और इस प्रक्रिया में सीमाओं में परिवर्तन तथा विस्तारित क्षेत्रों को शामिल नहीं किया जाना चाहिए था। याचिका में यह घोषित करने की मांग की गई थी कि जम्मू कश्मीर में सीटों की संख्या 107 से बढ़ाकर 114 (पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 24 सीटों सहित) संवैधानिक और कानूनी प्रावधानों विशेष रूप से जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 की धारा 63 के तहत अधिकारातीत है।

भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी के साथ कदमताल करती दिखी स्वरा भास्कर

यात्रा के 83वें दिन उज्जैन में यात्रा में हुई शामिल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को तमाम लोगों का सहयोग मिल रहा है। बॉलीवुड के कई सितारे भी यात्रा का हिस्सा बन रहे हैं। यात्रा के 82 दिन पूरे हो चुके हैं और 83वें दिन बॉलीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर भी यात्रा में शामिल हो गई हैं। स्वरा भास्कर ने मध्यप्रदेश के उज्जैन जिले में राहुल गांधी के साथ यात्रा में शामिल हुई है। यात्रा में राहुल गांधी और उनके काफिले के साथ चलते हुए स्वरा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। गौरतलब है कि स्वरा भास्कर ने कई दिनों पहले इस यात्रा की तारीफ करते हुए समर्थन किया था। हालांकि इसके लिए उन्हें ट्रोल भी होना पड़ा था। भारत जोड़ो यात्रा महाराष्ट्र के बाद इन दिनों मध्य प्रदेश से गुजर रही है। इसके बाद राजस्थान फिर दिल्ली और उत्तर प्रदेश के बाद हरियाणा और पंजाब से होते हुए जम्मू कश्मीर जाकर खत्म होगी।

बता दें कि यात्रा में अब तक सुशांत सिंह अमोल पालेकर रिया सेन पूजा भट्ट रश्मि देसाई आकांक्षा पुरी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अब स्वरा भास्कर भी इसमें शामिल हो चुकी हैं। फिल्मी सितारों के यात्रा में शामिल होने को लेकर भाजपा ने तंज कसा था। भाजपा नेता ने कहा था कि फिल्मी सितारे राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का हिस्सा बन रहे हैं उस हिसाब से लगता है कि इस काम के लिए उन्हें पैसे दिए जा रहे हैं।

प्रसपा प्रमुख शिवपाल बोले–मेरे जीते जी एकजुट रहेगा परिवार

जसवंतनगर में वैश्य समाज की बैठक में पहुंचे प्रसपा प्रमुख ने परिवार में एकजुटता का दिया संकेत

इटावा। इटावा जिले के जसवंतनगर में जैन मोहल्ला में रामलीला समिति के प्रबंधक राजीव गुप्ता बबलू के घर हुई वैश्य समाज की बैठक में पहुंचे प्रसपा अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि मेरे जीते जी परिवार एकजुट ही रहेगा। हम इस एकजुटता से न सिर्फ 2024 में बल्कि 2027 के चुनाव में भी भाजपा को सत्ता से बाहर कर देंगे।

शिवपाल ने कहा कि हमारे परिवार की फूट का फायदा भाजपा ने उठाया, अब ऐसा नहीं होगा। उन्होंने भाजपा सरकार में महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी बढ़ने, विद्युत अव्यवस्था और सरकारी दफ्तरों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर जमकर हमला बोला। कहा कि हमारी सरकार में सड़कें हॉट मिक्स प्लांट से बनी थीं। भाजपा शासन में आठ साल में गड्ढे भी नहीं भरे जा सके। गड्ढों को भरने के नाम पर कमीशनखोरी और जेबें भरी गईं हैं। अब न तो ट्रांसफार्मर बदल पाते हैं और न ही बिजली आपूर्ति सही ढंग से होती है। लोगों को बिजली चेकिंग के नाम पर ठगा जा रहा है। फर्जी बिजली चोरी के मुकदमों में फंसाया जा रहा है। उन्होंने लोगों से कहा कि भाजपा का चरित्र कितना गंदा है कि नेताजी की मृत्यु को अभी एक माह भी नहीं हुए, चुनाव की घोषणा कर दी। संवेदनहीनता की इससे बड़ी गिरावट भाजपा में और क्या हो सकती है कि उपचुनाव में नेताजी के बहू के खिलाफ भी प्रत्याशी उतार दिया। कहा कि भाजपा प्रत्याशी के तो अपने गांव तक में भी जीतने के लाले हैं। फिर उन्होंने खटीक और चक समाज के लोगों के साथ भी बैठक की।

14 साल पुराने मामले में भाजपा नेता हरिओम यादव और पूर्व मंत्री रामसकल गुर्जर सहित 15 दोषमुक्त

गुर्जर आरक्षण आंदोलन के समर्थन में रेलवे ट्रैक को जाम किए जाने पथराव एवं फायरिंग की घटना के मामले में फैसला

लखनऊ। फिरोजाबाद के अपर जिला जज नवम एवं विशेष जज एमपी एमएलए कोर्ट जितेंद्र सिंह द्वितीय ने 14 वर्ष पुराने गुर्जर आरक्षण आंदोलन के समर्थन में रेलवे ट्रैक को जाम किए जाने पथराव एवं फायरिंग की घटना के मामले में सपा के वर्तमान महानगर अध्यक्ष सहित दो पूर्व विधायक, पूर्व एमएलसी सहित 15 लोगों को साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त करार दिया है। न्यायालय के फैसला आने के बाद पूर्व सपा नेताओं को बड़ी राहत मिली है।

घटनाक्रम 30 मई 2008 का है। राजस्थान राज्य में चल रहे गुर्जर आरक्षण आंदोलन के समर्थन में गुर्जर समर्थक नेता एवं पूर्व मंत्री रामसकल गुर्जर ने शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन करना था। लेकिन प्रदर्शन के दौरान काफी हंगामा हुआ था। इस मामले में कार्यवाहक थाना प्रभारी रसूलपुर सुखवीर सिंह ने पूर्व विधायक अजीम भाई, पूर्व विधायक शिकोहाबाद एवं वर्तमान में भाजपा नेता हरिओम यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विजय प्रताप उर्फ छोटू, पूर्व सपा एमएलसी एवं वर्तमान में भाजपा नेता रामसकल गुर्जर सहित 38 नामजद और दो हजार अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कराया था।

बचाव पक्ष ने रखी यह दलील

पुलिस ने मामले की विवेचना करके आरोपपत्र न्यायालय में दाखिल किया था। मामला शेषन के सुपुर्द होकर सुनवाई को अपर जिला जज नवम एवं विशेष जज एमपी एमएलए कोर्ट जितेंद्र सिंह द्वितीय के न्यायालय में पहुंचा। बचाव पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश कुलश्रेष्ठ एडवोकेट ने अपनी बात रखते हुए कहा कि उक्त लोगों का मकसद कोई बवाल करने का नहीं था बल्कि झूठा फंसाया गया है।

विशेष जज एमपी एमएलए कोर्ट जितेंद्र सिंह द्वितीय ने पूर्व विधायक अजीम भाई, पूर्व विधायक एवं भाजपा नेता हरिओम यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विजय प्रताप उर्फ छोटू, पूर्व मंत्री रामसकल गुर्जर, सपा के महानगर अध्यक्ष योगेश गर्ग, मुकेश यादव सहित अन्य करीब 15 लोगों को साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त करार दिया है।

मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर सामान्य सेवाएं बहाल, 40 मिनट बाधित रहा परिचालन

सर्वर फेल होने से एयरपोर्ट पर हुई परेशानी

मुंबई। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर गुरुवार को सर्वर डाउन होने के बाद सामान्य सेवाएं फिर से शुरू हो गई हैं। बता दें कि सर्वर फेल होने से करीब 40 मिनट तक परिचालन बाधित रहा। मालूम हो कि एयरपोर्ट पर सर्वर डाउन होने की वजह से एयरलाइनों के चेक-इन और अन्य परिचालन प्रभावित हो गए थे। सर्वर डाउन होने की वजह से कई उड़ानें प्रभावित हो गई और यात्रियों की भीड़ बढ़ गई थी। जानकारी के मुताबिक एयरपोर्ट पर सामान्य की तुलना में भीड़ थोड़ी ज्यादा हो गई थी।

इससे पहले, सीआईएसएफ अधिकारी ने बताया था कि भीड़ को हैंडल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भीड़ बढ़ने से किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं है। उन्होंने कहा कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मैनुअल पास जारी किए जा रहे हैं। सिस्टम की गड़बड़ी के लिए अभी तक सटीक विवरण स्पष्ट नहीं हैं। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि इस समस्या को ठीक किया जा रहा है और सिस्टम के जल्द ही चालू होने की संभावना है। इससे पहले, एक यात्री द्वारा इस मामले को लेकर ट्वीट किए जाने पर एयर इंडिया ने कहा था कि हम असुविधा को खत्म करने के लिए काम कर रहे हैं। एयर इंडिया ने ट्वीट किया, 'हम समझते हैं कि देरी निश्चित रूप से असुविधाजनक होती है। हमारी टीम असुविधा को कम करने के लिए लगन से काम कर रही है। आगे के अपडेट के लिए वे आपके संपर्क में रहेंगे।'

सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में तीसरी बार महिला बेंच की मामलों की सुनवाई

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की पीठ गठित की

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में तीसरी बार एक महिला बेंच मामलों की सुनवाई करेगी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की पीठ गठित की। गुरुवार को जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस त्रिवेदी की पीठ के पास 32 मामले सूचीबद्ध हैं जिसमें वैवाहिक विवादों से जुड़े मामले 10 ट्रांसफर पिटीशन और 10 जमानत की अर्जियां शामिल हैं। पहली बार सुप्रीम कोर्ट में 2013 में एक महिला बेंच थी जब जस्टिस ज्ञान सुधा मिश्रा और रंजना प्रकाश देसाई एक साथ बैठे थे। दूसरा मौका 2018 में आया जब जस्टिस आर भानुमति और इंदिरा बनर्जी की एक बेंच 5 सितंबर को एक साथ बैठी थी।

सुप्रीम कोर्ट में केवल तीन महिला जस्टिसः सुप्रीम कोर्ट में वर्तमान में केवल तीन महिला न्यायाधीश हैं जस्टिस हिमा कोहली जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस बेला एम त्रिवेदी। जस्टिस कोहली का कार्यकाल जहां सितंबर 2024 तक है जस्टिस त्रिवेदी जून 2025 तक पद संभालेंगी। वहीं जस्टिस नागरत्ना 2027 में देश की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश बन सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट में फिलहाल 34 की स्वीकृति के मुकाबले 27 न्यायाधीशों की कार्य क्षमता है। जनवरी 2023 में यह वेकेंसी बढ़कर आठ होगी। जस्टिस एस अब्दुल नजीर 4 जनवरी 2023 को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। अगले साल जस्टिस नजीर के अलावा सात और न्यायाधीश का कार्यकाल भी पूरा होगा। सुप्रीम कोर्ट में पहली महिला न्यायाधीश 1989 में थीं। जब न्यायमूर्ति एम फातिमा बीवी को उनकी सेवानिवृत्ति के बाद केरल हाई कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। उनके बाद जस्टिस सुजाता मनोहर रूमा पाल ज्ञान सुधा मिश्रा रंजना प्रकाश देसाई आर भानुमति इंदु मल्होत्रा इंदिरा बनर्जी जस्टिस हिमा कोहली जस्टिस नागरत्ना और जस्टिस त्रिवेदी थीं। जस्टिस कोहली जस्टिस नागरत्ना और जस्टिस त्रिवेदी को एक ही दिन 2 सितंबर 2021 को भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एन वी रमना के कार्यकाल के दौरान शपथ दिलाई गई थी। जस्टिस बनर्जी इसी साल 23 सितंबर को सेवानिवृत्त हुई थीं। न्यायमूर्ति कोहली शीर्ष सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नति से पहले तेलंगाना हाई कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश थीं। वहीं जस्टिस त्रिवेदी सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नति से पहले गुजरात हाईकोर्ट की जज थीं। *एजेंसी*

भारत के जी-20 की अध्यक्षता संभालने पर ऑस्ट्रेलिया ने दी बधाई

नई दिल्ली। भारत ने 1 दिसंबर से जी-20 की अध्यक्षता संभाल ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के दौरान कहा था कि यह (जी-20 की अध्यक्षता) भारत के लिए एक बड़ा अवसर है। हमें इस अवसर का पूरा उपयोग करना है और वैश्विक भलाई और विश्व कल्याण पर ध्यान देना है। शांति हो या एकता पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता हो या सतत विकास भारत के पास इनसे जुड़ी चुनौतियों का समाधान है। वहीं भारत के जी-20 की अध्यक्षता संभालने के साथ ही देश-दुनिया से उसके लिए बधाई संदेश भी आ रहे हैं। भारत में ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त बैरी ओफैरेल ने कहा कि गुरुवार को भारत के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है क्योंकि भारत ने जी20 की अध्यक्षता संभाली है। हम एक पृथ्वी एक परिवार एक भविष्य विषय पर अपने साझा उद्देश्यों और प्रगति को प्राप्त करने के लिए इसके साथ मिलकर काम करने की आशा करते हैं।

दिल्ली भाजपा का नगर निगम चुनाव प्रचार आज और तेज हुआ जिसके अंतर्गत वरिष्ठ नेताओं द्वारा विजय संकल्प रोड शो संपन्न हुए एवं लगभग 100 छोटी-बड़ी जनसभाओं को संबोधित किया गया। नेताओं द्वारा जनसभा संबोधन के माध्यम से पार्टी का प्रचार प्रभावी तरीके से लाखों लोगों के बीच पहुंचा। विजय संकल्प रोड शो कार्यक्रम प्रमुख श्री कुलजीत सिंह चहल ने बताया कि आज के रोड शो एवं जनसभाओं के माध्यम से भाजपा नेताओं ने समाज के विभिन्न वर्गों जैसे-व्यापारियों अनुसूचित जाति के लोगों और पूर्वांचल समाज के लोगों से संवाद जोड़ा।

जनसंदेश टाइम्स

मनी मैटर्स

प्रयागराज, शुक्रवार, 2 दिसंबर 2022

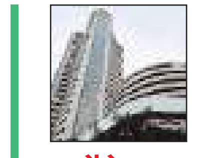

सेंसेक्स
सेंसेक्स 184.54 अंक ऊपर आकर 63284.19 अंक पर बंद

सोना
352 रुपये बढ़कर 53677 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद

रिकार्ड तेजी पर बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 184.54 अंक ऊपर आकर 63284.19 अंक पर बंद

मुंबई। मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को भी रिकार्ड तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों में भारी लिवाली (खरीददारी) से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 184.54 अंक करीब 0.29 फीसदी ऊपर आकर 63284.19 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 63583.07 अंक आया था।

वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 54.15 अंक करीब 0.29 फीसदी बढ़कर 18812.50 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से अल्ट्राटेक सीमेंट टाटा स्टील टीसीएस टेक महिंद्रा विप्रो इंफोसिस एचसीएल टेक्नोलॉजीज और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर लाभ के साथ ही उछले हैं।

वहीं दूसरी ओर आईसीआईसीआई बैंक महिंद्रा एंड महिंद्रा पावरग्रिड और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयरों को नुकसान हुआ है और ये नीचे आये हैं। एशियाई बाजारों की बात करें तो सोल टोक्यो शंघाई और हांगकांग सभी के प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं यूरोपीय बाजारों में भी काफी हद तक सकारात्मक रुख रहा। अमेरिकी शेयर बाजार भी बुधवार को बढ़त रही। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.40 फीसदी नीचे आकर 87.32 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

वैश्विक बाजारों में मजबूती और विदेशी कोषों की लगातार आवक के बीच शेयर बाजारों में गुरुवार को शुरूआती कारोबार में बढ़त रही। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के शेयरों में लिवाली से भी शेयर बाजार को तेजी मिली। इस दौरान बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक 483.42 अंक की तेजी के साथ 63583.07 अंक पर पहुंच गया जो शुरूआती कारोबार के दौरान इसका सर्वकालिक उच्च स्तर है। व्यापक एनएसई निफ्टी 129.25 अंक बढ़कर 18887.60 पर था। सेंसेक्स में टेक महिंद्रा इंफोसिस एचसीएल टेक्नोलॉजीज विप्रो टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस एचडीएफसी बैंक लार्सन एंड टूब्रो तथा एचडीएफसी बढ़ने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल थे। दूसरी ओर हिंदुस्तान यूनिलीवर एशियन पेंट्स महिंद्रा एंड महिंद्रा तथा एनटीपीसी में गिरावट हुई। बुधवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 417.81 अंक चढ़कर 63099.65 अंक पर बंद हुआ था। यह सेंसेक्स का नया रिकॉर्ड स्तर है और पहली बार यह 63000 अंक के पार बंद हुआ है। कारोबार के दौरान सेंसेक्स एक समय 621.17 अंक तक उछलकर 63303.01 अंक तक पहुंच गया था जो इसका अब तक का उच्चतम स्तर है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के सूचकांक निफ्टी ने भी तेजी के इस दौर में 140.30 अंक की बढ़त दर्ज की। निफ्टी कारोबार के अंत में 18758.35 अंक पर बंद हुआ।

सोने और चांदी की कीमतों में बढ़त

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में बढ़त आयी है। दिल्ली सराफा बाजार में सोना 352 रुपये बढ़कर 53677 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वहीं गत कारोबारी सत्र में सोना 53325 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। सोने की तरह चांदी भी 1447 रुपये की तेजी के साथ ही 65003 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। बाजार जानकारों के अनुसार दिल्ली में हाजिर सोने की कीमतों में तेजी आई है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना उछलकर 1778.6 डॉलर प्रति औंस और चांदी 22.25 डॉलर प्रति औंस पहुंच गयी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में हल्की बढ़त से सोने और चांदी की कीमतों में बढ़त आई है।

विदेश में कमाई कर रहे भारतीयों ने इस साल भेजे 100 अरब डॉलर

नई दिल्ली। विदेशों में कमा रहे भारतीयों ने इस साल रुपए भेजने के मामले में नया रेकॉर्ड बनाया है। विश्व बैंक के मुताबिक इस साल भारत में विदेशों से आने वाले रुपयों में 12 फीसदी तक बढ़ोतरी देखने को मिली है। इस साल भारतीयों ने अपने देश में करीब 100 अरब डॉलर भेजे हैं। भारत में शेयर बाजार में जितनी एफडीआई आई है ये रकम उससे भी 25 फीसदी ज्यादा है। भारत के बाद मेक्सिको चीन और फिलिपिंस का स्थान है। एक रिपोर्ट के मुताबिक खाड़ी देशों में इस बार बड़े पैमाने पर अनौपचारिक रोजगार के मौके भी बने। इसी के साथ दुनिया के कई अमीर देशों जैसे सिंगापुर जापान आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में भी खूब नौकरियां आई थीं। विदेशों से भारत भेजी जाने वाली रकम में बीते वर्षों में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है। इसमें आने वाले वर्षों में और बढ़ोतरी होने का अनुमान है। विदेशों में रहने वाले भारतीयों ने पिछले साल भारत में करीब 87 अरब डॉलर भेजे थे। इसमें सबसे ज्यादा

रकम अमेरिका से भेजी गई थी। जबकि साल 2020 की बात करें तो करीब 83 अरब डॉलर की रकम भेजी गई थी। साल 2016-17 और 2020-21 के बीच यूएस यूनाइटेड किंगडम और सिंगापुर से रकम भेजने का हिस्सा 26 फीसदी से बढ़कर 36 फीसदी ज्यादा हो गया है। हालांकि पांच जीसीसी देशों सऊदी अरब संयुक्त अरब अमीरात कुवैत ओमान और कतर से भेजी जाने वाली रकम में गिरावट आई है। ये 54 फीसदी से गिरकर 28 फीसदी हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2020-21 में भारत में विदेशों से जो रकम भेजी गई उसमें अमेरिका सबसे आगे रहा। अमेरिका ने संयुक्त अरब अमीरात को पीछे छोड़ दिया।

डॉलर के मुकाबले रुपया तेजी के साथ बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को रुपया तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया आठ पैसे ऊपर आकर 81.22 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अमेरिका में ब्याज दरों में वृद्धि की गति धीमी करने के संकेत के बाद डॉलर के व्यापक स्तर पर कमजोर होने से रुपये में बढ़त आई है। विदेशी पूंजी प्रवाह बढ़ने और निवेशकों की कारोबारी धारणा मजबूत होने से भी रुपये को बल मिला है।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 81.08 पर खुला। कारोबार के दौरान यह 80.98 के उच्चस्तर और 81.32 के निचले स्तर तक गया। अंत में रुपया अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले आठ पैसे बढ़कर 81.22 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपये का पिछला बंद भाव 81.30 प्रति डॉलर था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की कमजोरी या मजबूती को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.41 फीसदी की गिरावट के साथ ही 105.51 पर पहुंच गया।

इक्विटी मार्केट साल के अंत तक निवेशकों को खुशी दे सकता है: डीएसपी म्यूचुअल फंड

नई दिल्ली। डीएसपी म्यूचुअल फंड की मासिक रिपोर्ट नेत्र के मुताबिक 2022 के पहले दस महीनों में खराब प्रदर्शन के बाद, आखिरकार ऐसा लग रहा है कि शेयर बाजार अब साल के अंत में निवेशकों के लिए खुशी लेकर आ सकता है। डीएसपी म्यूचुअल फंड की मासिक रिपोर्ट नेत्र नवीनतम आर्थिक रुझानों और जानकारियों पर नजर रखती है। डीएसपी म्यूचुअल फंड के नेत्र के नवंबर अंक में दी गई जानकारी के मुताबिक, संभावित एफआईआई खरीद की वापसी के साथ-साथ भविष्य में विदेशी बैंकों की तरफ से ब्याज दरों में मामूली बढ़ोतरी, आपूर्ति-श्रृंखला की लागत में कमी, व्यवस्थागत तरलता की निकासी और प्राकृतिक गैस की कीमतों में कमी निकट भविष्य में शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव को नियंत्रित कर सकती है। आपूर्ति मोर्चे पर महंगाई के सबसे बड़े स्त्रोतों में से एक वैश्विक कंटेनर शिपिंग दरें पिछले साल के ऊच्चतम स्तर से 67% तक नीचे आ चुकी है और कोविड-पूर्व स्तर की तरफ बढ़ रही हैं। कंटेनर जहाजों के लिए माल ढुलाई दर अब 68% घटकर 1,486

डॉलर प्रति कंटेनर हो गई है। महंगाई के नियंत्रण में आने से आरबीआई पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी का दबाव कम होगा। डीएसपी म्यूचुअल फंड के मुताबिक अगर यह ब्याज दर वृद्धि चक्र छोटा रहता है, तो निफ्टी का मूल्यांकन पहले की तुलना में अधिक रह सकता है। कम उतार-चढ़ाव वाले बाजार सक्रिय शेयरों को चुने जाने के अधिक अवसर पैदा करेंगे। इस कैलेंडर वर्ष के पहले 10 महीनों में जहां निफ्टी इंडेक्स में 5% से कम की बढ़ोतरी हुई है, वहीं समान अवधि में निफ्टी बैंक इंडेक्स में 17.5% का उछाल आया है। डीएसपी म्यूचुअल फंड में बाजार रणनीतिकार और प्रॉडक्ट हेड साहिल कपूर ने कहा, ₹इक्विटी बाजार अपने दीर्घकालिक प्रवृत्ति के अनुरूप आगे बढ़ने के लिए तैयार है, क्योंकि एफआईआई भारतीय इक्विटी और उसके वैल्यूएशंस या मूल्यांकन को लेकर कम चिंतित हैं। वहीं भारतीय निवेशक एसआईपी के जरिए इक्विटी म्यूचुअल फंड में लगातार निवेश बनाए हुए हैं। डीएसपी म्यूचुअल फंड का मानना है कि बैंकिंग क्षेत्र में अभी भी वृद्धि के लिहाज से आकर्षक संभावनाएं हैं। बैंकों के पास अब उनकी बैलेंस शीट पर बहुत कम खराब ऋण हैं और ऋण की मांग में अर्थव्यवस्था में रिकवरी के अनुरूप तेज वृद्धि हो रही है। इसका मतलब है कि डिफॉल्ट की संख्या में व्यापक वृद्धि के बिना उनकी आय में बढ़ोतरी होगी। कुछ बड़े बैंकों के लिए शुद्ध नॉन-परफॉर्मिंग लोन दशक के निचले स्तर पर आ गए हैं और बैंक बैलेंस शीट मजबूत बनी हुई है। 'मेक इन इंडिया' पर पीएम मोदी के फोकस के अनुरूप आशाजनक एक अन्य क्षेत्र रक्षा क्षेत्र है। घरेलू कंपनियां हमारी अपनी जरूरतों को पूरा करने और निर्यात के लिए भारत में अधिक उपकरणों का निर्माण कर रही हैं। नतीजतन, पिछले 7 वर्षों में रक्षा निर्यात 6 गुना से अधिक बढ़ा है। *एजेंसी*

सीईएसएल की प्रमुख महुआ आचार्य ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के काम में लगी कन्वर्जेन्स एनर्जी सर्विसेज लि. (सीईएसएल) की प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) महुआ आचार्य ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। एक आधिकारिक सूत्र ने गुरुवार को को इसकी जानकारी दी। सीईएसएल बिजली मंत्रालय के तहत आने वाली कंपनियों.. एनटीपीसी लि. पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन आरईसी लि. और पावरग्रिड कॉरपोरेशन... की संयुक्त उद्यम इकाई एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लि. (ईईएसएल) की पूर्ण अनुषंगी है। यह सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ इलेक्ट्रिक वाहन और सस्ती दर पर एलईडी बल्ब वितरित करने की योजना ग्राम उजाला जैसे कार्यों से जुड़ी हुई है। सूत्र ने कहा सीईएसएल की प्रबंध निदेशक एवं सीईओ महुआ आचार्य ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कंपनी के निदेशक मंडल से भी इस्तीफा दे दिया है। अनुबंध शर्तों के तहत वह 13 जनवरी 2023 तक अपने पद पर बनी रहेंगी।

आम आदमी पर महंगाई की मार से बिस्कुट बिक्री में तेजी

नई दिल्ली। देश में लगातार बढ़ती महंगाई ने लोगों का घर बजट बिगाड़ दिया है। इसका सीधा असर उनके खर्चों पर देखने को मिल रहा है। इसकारण अब लोग सस्ते प्रोडक्ट्स की ओर ज्यादा जा रहे हैं। इसकारण अन्य स्नैकिंग और पैकेज्ड फूड की तुलना में बिस्कुट की ब्रिकी बढ़ गई है। स्नैकिंग का सबसे सस्ता रूप होने के कारण चालू वित्त वर्ष में पैकेज्ड फूड प्रोडक्ट की तुलना में बिस्कुट बिक्री में तेजी आई है। सर्वे के आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल से सितंबर के दौरान बिस्कुट की बिक्री साल-दर-साल 16.5 फीसदी बढ़ी जबकि पैकेज्ड फूड की बिक्री साल-दर-साल 14.1 फीसदी बढ़ी है। इस ट्रेंड से ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज को सबसे ज्यादा फायदा हुआ है। 30 सितंबर को समाप्त दूसरी तिमाही के दौरान अधिकांश एफएमसीजी कंपनियों के मार्जिन पर दबाव देखने को मिला है। महंगाई के कारण कई प्रोडक्ट्स महंगे हुए हैं। लेकिन ब्रिटानिया ने मार्जिन में

बढ़ोतरी से बाजार को चौंका दिया है। कंपनी ने बिस्कुट से जुड़े कई उत्पाद बाजार में उतारे थे जिसका उन्हें सीधा फायदा मिला है। बिस्किट्स की बिक्री में वृद्धि को देखकर दिग्गज एफएमसीजी कंपनी आईटीसी नए प्रोडक्ट्स जोड़े हैं। आईटीसी में खाद्य विभाग के मुख्य परिचालन अधिकारी ने बताया कि फार्मलाइट के तहत अलग-अलग हेल्दी बिस्कुट डार्क फैंटेसी डेसर्ट वेनिला फिल्स और मॉम्स मैजिक फिल्स से भरे हुए कुकीज की मदद से कंपनी का बिजनेस बढ़ा है। कई भारतीय हर दिन भूख मिटाने के लिए बिस्कुट का उपयोग करते हैं। चाहे वह चाय के साथ हो या बतौर स्नैक्स लिया जाए।

विमान ईंधन के दामों में 2.3 फीसदी की कटौती

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल के दामों में नरमी आने के बाद विमान ईंधन (एटीएफ) के दामों में गुरुवार को 2.3 फीसदी की कटौती की गई। पेट्रोल और डीजल के दामों में लगातार आठवें महीने कोई बदलाव नहीं हुआ है।

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों द्वारा जारी मूल्य अधिसूचना के मुताबिक दिल्ली में एविएशन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) की कीमत 2775 रुपये प्रति किलोलीटर या 2.3 प्रतिशत घटाकर 117587.64 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई है। एटीएफ के दाम में कटौती से विमानन कंपनियों को खासी राहत मिलेगी क्योंकि उनकी परिचालन लागत में से लगभग 40 फीसदी हिस्सा ईंधन का होता है। विमान ईंधन के दाम में प्रत्येक महीने की पहली तारीख को संशोधन किया जाता है।

वहीं घरेलू रसोई गैस एलपीजी के दाम में भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। वाणिज्यिक इस्तेमाल में आने वाले 19 किलोग्राम के एक एलपीजी सिलेंडर की कीमत राष्ट्रीय राजधानी में 1744 रुपये है।

घरेलू और कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। सरकारी तेल कंपनियां हर महीने की 1 तारीख को एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतें बदल देती है। गुरुवार 1 दिसंबर को भी तेल कंपनियों की ओर से इसमें बदलाव किया जाना था लेकिन फिलहाल घरेलू और कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के भाव स्थिर रखे गए हैं। सरकारी तेल कंपनियां पिछले चार महीने से कॉर्शियल एलपीजी सिलेंडर के रेट में लगातार कटौती कर रही थीं लेकिन दिसंबर में इसकी कीमत को स्थिर रखा गया है। पिछले कई महीनों से गैस सिलेंडर के दाम में उतार-चढ़ाव जारी है। दिल्ली में अभी 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 1744 रुपए है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक इस बार दिसंबर में रसोई गैस की कीमतों में भी कोई बदलाव नहीं हुआ है और दिल्ली में बिना सब्सिडी वाले 14.2 किलोग्राम घरेलू एलपीजी सिलेंडर का भाव 1053 रुपए स्थिर है।कोलकाता में 14.2 किलोग्राम वाले

घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 1079 रुपए मुंबई में 1052.50 रुपये और चेन्नई में 1068.50 रुपए है। नवंबर महीने में इसकी कीमतों में बदलाव किया गया था जिसके बाद से यह भाव बना हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों ने इस बार कॉमर्शियल गैस सिलेंडर का भाव भी नहीं बदला है और इसके भाव नवंबर वाले ही बने हुए हैं। दिल्ली में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत अभी 1744 रुपए है जबकि कोलकाता में कॉर्शियल गैस सिलेंडर 1846 रुपए के भाव में मिल रहा है। मुंबई में इसकी कीमत फिलहाल 1696 रुपए पर स्थिर है जबकि चेन्नई में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 1893 रुपए पर बनी हुई है।

सिएट ने एक नया ऑल- टेरेन टायर क्रॉसड्राइव एसयूवीज के लिए भारत में प्रस्तुत किया

मुंबई। भारत के प्रमुख टायर निमार्ता, सिएट लिमिटेड ने आज भारत में एसयूवी (एसयूवी) के लिए अपने हाई-परफॉर्मेंस, ऑल-टेरेन टायर्स क्रॉसड्राइव को लॉन्च कर दिया। क्रॉसड्राइव सिएट की अत्याधुनिक 3डी सिप टेक्नोलॉजी और मजबूत शोल्डर डिजाइन जैसे फीचर्स से लैस है जो टायर को सभी इलाकों में इस्तेमाल करने के अनुकूल बनाने में मदद करता है। टायर के नए कार्बन ब्लैक ट्रेड कंपाउंड्स बेहतर पकड़ के साथ-साथ बेहतर फ्यूल एफिशिएंसी देते हैं। और इसका इंदौर में अत्याधुनिक ऑटो टेस्टिंग ट्रैक 'नैटरैक्स' और इंदौर के पास माइल्ड ऑफ-रोडिंग पर वृहद पैमाने पर टेस्ट किया गया है।

क्रॉसड्राइवटायर्स को विशेष रूप से सभी 4बाई2 और 4बाई4 प्रकार की एसयूवी में इस्तेमाल के लिए डिजाइन किया गया है। क्रॉसड्राइव विभिन्न साइज में, सिएट के एक्सक्लूसिव आउटलेट्स सहित सभी प्रमुख टायर शॉप्स; सिएट शॉपी

और टायर स्टॉप पर उपलब्ध है। सिएट ने पहले से ही थार जैसे अपने स्पेशलाइज्ड ऑल-टेरेन व्हीकल्स को क्रॉसड्राइव उपलब्ध कराने के लिए महिंद्रा जैसे ओईएम के साथ पार्टनरशिप शुरू कर दी है। सिएट भी जल्द ही ग्लोबल मार्केट में क्रॉसड्राइवटायर्स लॉन्च करने की योजना बना रहा है।

सिएट टायर्स लिमिटेड के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर श्री अर्नब बनर्जी ने कहा, क्रॉसड्राइव, एसयूवी के लिए ऑल-टेरेन टायर सेगमेंट में हमारी प्रीमियम पेशकशों में से एक है। क्रॉसड्राइव टायरों के लिए नई टेक्नोलॉजी और डिजाइनों की शुरूआत से हमारे उपभोक्ताओं को सेफ्टी के साथ मुश्किल और विविध इलाकों (टेरेंस) को पार पाने में मदद मिलेगी, साथ ही व्हीकल की फ्यूल एफिशिएंसी भी बढ़ेगी। हमने ऑफ-रोडिंग कैपेबिलिटीज और शहर में इस्तेमाल होने के लिए क्रॉसड्राइव का बड़े पैमाने पर परीक्षण किया है और यह दोनों इलाकों में बेस्ट एक्सपीरिएंस देता है। क्रॉसड्राइव की लॉन्चिंग भारत में उत्साही एसयूवी मालिकों को आत्मविश्वास से हर तरह के इलाकों को पार करने में सक्षम बनाकर हर दिन मोबिलिटी को सुरक्षित और स्मार्ट बनाने के हमारे प्रयासों में एक और कदम है। एसयूवी उपभोक्ताओं के लिए सीईएटी क्रॉसड्राइव का मुख्य वादा 'डिस्कवरिंग द न्यू यू' है।

टाटा खरीद सकता है कर्नाटक स्थित विस्ट्रॉन का मैन्युफैक्करिंग प्लांट

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप जल्द ही विस्ट्रॉन कॉर्प का कर्नाटक स्थित मैनुफैक्करिंग प्लांट खरीद सकता है। इस प्लांट में आईफोन के अलावा ऐपल के अन्य प्रोडक्ट्स का निर्माण किया जाता है। दरअसल चीन में दुनिया की सबसे बड़ी आईफोन मैन्युक्करिंग फैसलिटी लॉकडाउन के कारण बंद है जिसकी वजह से आईफोन का प्रोडक्शन बड़े स्तर पर प्रभावित हो रहा है। अगर टाटा और विस्ट्रॉन के बीच यह सौदा हो जाता है तो कुछ हद तक इस परेशानी से ऐपल को राहत मिल सकती है।

टाटा की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी टीईपीएल (टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड) पहले से ऐपल प्रोडक्ट्स के लिए कॉम्पोनेंट बनाती है। हाल ही में खबर आई थी कि टाटा से ऑर्डर प्राप्त करने के लिए टाटा की यह कंपनी बड़े स्तर पर कर्मचारियों की भर्ती करने वाली है। यह सौदा 4-5 हजार करोड़ रुपये में हो सकता है। टाटा ग्रुप ने इस खबर पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं की है। इसी साल सितंबर में एक रिपोर्ट में कहा गया था कि टाटा ग्रुप और विस्ट्रॉन इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्करिंग ज्वाइंट वेंचर बनाने का विचार कर रहे हैं। टाटा इस वेंचर की अगुआई करेगी लेकिन विस्ट्रॉन की भी कुछ हिस्सेदारी इसमें होगी ताकि उसके ऐपल के ग्लोबल वैंडर के रूप में फायदा मिल सके। जैसा कि हमने ऊपर आपको बताया कि चीन में लॉकडाउन के कारण वहां मौजूद आईफोन मैन्युफैक्करिंग की सबसे बड़ी फैसिलिटी बंद है और इसका असर उत्पादन पर हुआ है। अब ऐपल समेत दूसरी इलेक्ट्रॉनिक कंपनियां चीन से इतर और देशों को मैन्युफेक्करिंग विकल्प के रूप में आजमाना चाह रही हैं। ऐसे में टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन चीन की कमजोरी का फायदा उठाकर इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स वाली कंपनियों के वेंडर के रूप में भारत को एक पसंदीदा विकल्प बनाने का प्रयास कर रहे हैं। ऐपल के भारत में प्रमुख तीन वेंडर हैं- फॉक्सकॉन विस्ट्रॉन और पेगाट्रॉन। भारत में अब आईफोन 14 का भी निर्माण किया जा रहा है। बता दें कि फॉक्सकॉन के पास ही आईफोन की सबसे बड़ी मैन्युफैक्करिंग फैसिलिटी है. यह चीन के झेंगझाउ में स्थित है। *एजेंसी*

संक्षेप

निसान इंडिया ने नवंबर 2022 में 6746 वाहनों की होलसेल बिक्री दर्ज करायी

गुरुग्राम। निसान मोटर इंडिया ने नवंबर 2022 में 6746 यूनिटों की संचयी थोक बिक्री दर्ज करायी है जिसमें 2400 घरेलू थोक बिक्री और 4346 निर्यात थोक बिक्री शामिल है। पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में संचयी थोक बिक्री वाईटीडी ग्रोथ 22%रही। राकेश श्रीवास्तव, प्रबंध निदेशक, निसान मोटर इंडिया ने कहा, त्योहारी सीजन बीतने के बाद नवंबर के दौरान, बुकिंग्स की आपूर्ति जारी रही है जिससे स्पष्ट है कि कई पॉजिटिव संकेतकों के चलते, जैसे कि आर्थिक गतिविधियों में सुधार और ग्राहकों का भरोसे बढ़ने के बाद, मांग की स्थिति बेहतर बनी हुई है। आने वाले समय में, टियर 1 एवं टियर 2 शहरों से भी मांग स्थिर बनी रहने की संभावना है। निसान ने मैगनाइट की कामयाबी को उसके शानदार फीचर्स, आकर्षक कीमत, ग्राहकों के प्रति प्रतिबद्धता, और समूचे ऑपरेशंस में कस्टमर सैटिस्फेक्शन पर जोर जैसे पहलुओं से जोड़ा है। हाल में निसान क्वालिटी मंथ के दौरान भी यह पक्ष स्पष्ट रूप से सामने आया और इस दौरान निसान ने ऑलवेज थिंक ऑफ द कस्टमर के अपने ध्येय को दोहराते हुए देशभर में निसान के नेटवर्क के जरिए यही संदेश दिया। 26 सितंबर से 10 नवंबर, 2022 के दौरान आयोजित इस पहल उत्कृष्टता और निरंतर सुधार जैसी प्रक्रियाओं के जरिए ग्राहक संतुष्टि पर जोर दिया गया। निसान ने बैस्ट इन क्लास सेल्स एंड सर्विस पर जोर देते हुए इस कैम्पेन को ह्यमूव बियॉन्ड के मूल्यों से जोड़ा। इस पहल के तहत निसान की सभी डीलरशिप में कार्यरत कर्मियों ने एकजुट होकर निसान के क्वालिटी संबंधी संकल्प कस्टमर सैटिस्फैक्शन इज आवर टॉप प्रायोरिटी, ऑलवेज थिंक ऑफ द कस्टमर फर्स्ट।' को दोहराया।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने नवंबर 2022 में 11765 इकाइयों की थोक बिक्री की

बैंगलोर। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज घोषणा की कि कंपनी ने नवंबर 2022 के महीने में कुल 11,765 यूनिट्स की बिक्री की। संदर्भ के लिए, टीकेएम ने नवंबर 2021 के महीने में 13,003 यूनिट्स की बिक्री की थी। अतुल सूद , एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट, सेल्स एंड स्ट्रेटेजिक मार्केटिंग, टीकेएम ने कहा, हमने पिछले महीने की शुरूआत मांग में वृद्धि और बहुप्रतीक्षित, पूरी तरह नई इनोवा हाईक्रॉस के अनावरण की दिशा में सकारात्मक भावनाओं के निर्माण के साथ शुरूआत की। अर्बन क्रूजर हाइराइडर को भी बाजार से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। ऐसे में, अप्रैल से नवंबर 2022 तक संचयी थोक बिक्री में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 31% की वृद्धि दर्ज की गई। अपना दुख व्यक्त करते हुए उन्होंने आगे कहा, हालांकि, पिछले महीने टीकेएम के उपाध्यक्ष श्री विक्रम एस. किर्लोस्कर के असामयिक और अचानक निधन से टीकेएम के लिए एक अपूरणीय क्षति भी हुई। वह सिर्फ टीकेएम के लिए ही नहीं बल्कि पूरे भारतीय ऑटोमोटिव उद्योग के लिए शक्ति के एक प्रमुख स्तंभ रहे हैं। एक सच्चे दूरदर्शी और अगुआ, हम आशा करते हैं कि भारत में हम न केवल व्यावहारिक बल्कि हमेशा बेहतर, टिकाऊ, स्वच्छ और सुरक्षित गतिशीलता समाधान लाने के उनके सपने को पूरा करने में सक्षम होंगे।

फ्लिपकार्ट की शॉप्सी ऐप को गूगल प्ले की ओर से मिला बेस्ट ऑफ यूजर्स च्वॉइस अवार्ड

नई दिल्ली। भारत के सबसे तेजी से बढ़ रहे हाइपरवैल्यू ई-कॉमर्स प्लेटफार्म शॉप्सी को गूगल प्ले बैस्ट ऑफ यूजर्स च्वॉइस अवार्ड से सम्मानित किया गया है देशभर से यूजर्स ने शॉप्सी को विजेता चुना है इसके अनूठे शॉपिंग फीचर्स अभूतपूर्व अनुभव और पर्सनलाइजेशन जैसे अनुभवों के चलते ही शॉप्सी को इस कैटेगरी में विजेता चुना गया है ऑनलाइन शॉपिंग को ग्राहकों के लिए सुविधाजनक और किफायती बनाने के मकसद से शॉप्सी को जुलाई 2021 में लॉन्च किया गया था भारत की विविधता के मद्देनजर शॉप्सी अपनी प्रोडक्ट रेंज को प्रत्येक सीजन और अवसरों के मुताबिक कस्टमाइज करती है जिससे हर ग्राहक को मिलता है बेहतरीन शॉपिंग अनुभव आज इस प्लेटफार्म पर 800$ से अधिक श्रेणियों में 150 मिलियन से भी ज्यादा प्रोडक्ट्स उपलब्ध हैं शॉप्सी के प्लेटफार्म पर यूजर्स का आंकड़ा सितंबर 2022 में ही 100 मिलियन से पार हो गया है जबकि 2023 में ऐसा होने का अनुमान था। इस हाइपरवैल्यू प्लेटफार्म ने बिग बिलियन डेज के दौरान अपने ग्राहक आधार में छह गुना बढ़त दर्ज करायी है और यह प्लेस्टोर पर सर्वाधिक डाउनलोड की जाने वाली ऍप के तौर पर अव्व्ल रही शॉप्सी के प्लेटफार्म पर ग्राहकों को जीरो कमीशन मार्केटप्लेस की सुविधा मिलती है जिसके परिणामस्वरूप यह विक्रेताओं के बीच भी पसंदीदा है।

कोर्निंग ने कोर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस 2 के साथ मजबूती बढ़ाई

नई दिल्ली। आज कोर्निंग इन्कॉर्पोरेटेड ने अपने नए ग्लास इनोवेशन, कोर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस 2 का अनावरण किया। अपने कोर्निंग गोरिल्ला ग्लास पोर्टफोलियो का विस्तार कर कोर्निंग ग्लास की सीमाएं बढ़ा रहा है। नए ग्लास कंपोजिशन के साथ गोरिल्ला ग्लास विक्टस 2 विश्व की सर्वाधिक इंजीनियर्ड सामग्री, कॉन्क्रीट जैसी कठोर सतहों पर बेहतर ड्रॉप परफॉर्मेंस प्रदान करता है, तथा गोरिल्ला ग्लास विक्टस की स्क्रैच रजिस्टैंस को भी बनाए रखता है। डेविड वेलास्क्वेज, वाईस प्रेसिडेंट एवं जनरल मैनेजर, कोर्निंग गोरिल्ला ग्लास ने कहा, स्मार्टफोन हमारे डिजिटल जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, और स्पष्ट, डैमेजफ्री डिस्प्ले पर हमारी बढ़ती निर्भरता के साथ बेहतरीन स्क्रैच एवं ड्रॉप रजिस्टैंस की जरूरत बढ़ी है। उन्होंने कहा, सतह का महत्व है, और कॉन्क्रीट जैसी कठोर सतहें हर जगह मौजूद हैं। कोर्निंग की विस्तृत अनुसंधान में सामने आया है कि चीन, भारत और अमेरिका जैसे तीन सबसे बड़े स्मार्टफोन बाजारों में 84 प्रतिशत उपभोक्ता स्मार्टफोन ब्रांड के बाद मजबूती को सबसे महत्वपूर्ण गुण मानते हैं। वेलास्क्वेज ने कहा, हमने अपने वैज्ञानिकों को न केवल एक ऐसा ग्लास कंपोजिशन बनाने की चुनौती दी, जो बहुत मजबूत हो और डामर जैसे कठोर सतहों पर कमर की ऊँचाई से गिरने पर भी सुरक्षित रहे, बल्कि बड़ी और भारी डिवाईसेज के लिए बेहतर कवर ग्लास परफॉर्मेंस भी प्रदान करे। उन्होंने आगे बताया, ज्यादा जटिल और विविध डिजाईन के साथ आज के स्मार्टफोन चार साल पहले के मुकाबले लगभग 15 प्रतिशत ज्यादा भारी हैं, और स्क्रीन साईज 10 प्रतिशत ज्यादा बड़ा है, जिससे कवर ग्लास पर दबाव और डैमेज होने की संभावना बढ़ गई है। गोरिल्ला ग्लास विक्टस 2 उपभोक्ताओं और ओईएम को ज्यादा मजबूती प्रदान करेगा।

प्लेटफॉर्म सेवाओं के संचालन के लिए दिशा-निर्देश जारी

नई दिल्ली। सरकार ने बहु-प्रणाली संचालकों से कहा है कि एक प्लेटफॉर्म सेवा प्रदाता के रूप में अगर वे अपने नेटवर्क पर स्थानीय समाचार एवं समसामयिक कार्यक्रम प्रसारित करना चाहते हैं तो उन्हें तीन महीने के भीतर एक कंपनी के तौर पर पंजीयन कराना होगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने बहु-प्रणाली संचालकों के लिए ये दिशा-निर्देश जारी किए। ये निर्देश उनके अपने कार्यक्रमों को प्रसारित करने से संबंधित हैं। इन कार्यक्रमों का प्रसारण वे या तो अपने उपभोक्ताओं तक सीधे करते हैं या फिर एक या अधिक स्थानीय केबल परिचालकों के जरिये करते हैं। इस तरह की कार्यक्रम सेवाओं को प्लेटफॉर्म सर्विस कहा जाता है। इनमें स्थानीय चैनल भी आते हैं और ये इस प्रकार की विशेष कार्यक्रम सेवा होती हैं जिन्हें बहु-प्रणाली परिचालक स्थानीय स्तर पर उपलब्ध करवाते हैं। मंत्रालय ने बहु-प्रणाली परिचालकों द्वारा प्लेटफॉम सर्विस चैनलों के ऑनलाइन पंजीयन की सरल प्रक्रिया रखी है और इसका शुल्क 1000 रुपए प्रति चैनल तय किया गया है।

व्हाट्सऐप ने 23.24 लाख खातों पर रोक लगाई

नई दिल्ली। व्हाट्सऐप ने अक्टूबर में 23.24 लाख खातों पर रोक लगाई है। सितंबर में व्हाट्सऐप ने 26.85 लाख खातों पर रोक लगाई थी। व्हाट्सऐप ने सूचना प्रौद्योगिकी नियम 2021 के तहत अक्टूबर 2022 की भारत के बारे में अपनी मासिक रिपोर्ट में कहा कि एक अक्टूबर 2022 से 31 अक्टूबर 2022 तक 2324000 वॉट्सऐप खातों पर रोक लगाई गई।

पूर्व विधायक विजय मिश्र के बहू का करोड़ों का फ्लैट कुर्क

जिला मजिस्ट्रेट गौरांग राठी ने धारा-14(1) के तहत की कार्रवाई

जनसंदेश न्यूज

कसा शिकंजा

कुर्क की गई फ्लैट की कुल कीमत ग्यारह करोड़ 55 लाख रुपए

वर्तमान में जेल में निरुद्ध हैं विजय मिश्रा

ज्ञानपुर। पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के कुशल निर्देशन में संगठित होकर अपराध कारित करने वाले पेशेवर अपराधियों के विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही हेतु पुलिस व प्रशासन द्वारा चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में मुकदमा अपराध संख्या 109/2022 धारा-3(1) उत्तर भारत गिरोहबन्द एवं समाज विरोधी किया-कलाप निवारण अधिनियम थाना गोपीगंज जनपद भदोही से सम्बंधित चिन्हित सफेदपोश माफिया गैंग लीडर पूर्व विधायक विजय कुमार मिश्र की बहू के नाम लखनऊ में क्रय किया गया ग्यारह करोड़ पचपन लाख का फ्लैट कुर्क किया गया। भदोही पुलिस के मुताबिक पूर्व विधायक विजय मिश्रा द्वारा अपने आर्थिक, भौतिक एवं अनुचित दुनियाबी लाभ हेतु अपने प्रभाव का प्रयोग कर आपराधिक कृत्यों के अर्जित धन से गैंग के सक्रिय सदस्य सगे पुत्र विष्णु मिश्रा की पत्नी रूपा मिश्रा (बहू) के नाम से लखनऊ स्थित विला नंबर 39 रिश्ता मलवरी सुशांत गोल्फ सिटी में फ्लैट रजिस्ट्री कराया गया ताकि अपने अवैध धन को वैध रूप दे सके, जिसकी कुल अनुमानित कीमत ग्यारह करोड़ पचपन लाख रुपए आंकी गई। आपराधिक कृत्यों के अर्जित धन से क्रय की गई उक्त सम्पत्ति को जिला मजिस्ट्रेट भदोही गौरांग राठी ने अंतर्गत धारा-14(1) उत्तर गिरोहबन्द एवं समाज विरोधी किया-कलाप (निवारण) अधिनियम राज्य सरकार के पक्ष में कुर्क करने का आदेश पारित किया। पूर्व में भी गैंग लीडर द्वारा आपराधिक कृत्यों के अर्जित धन से क्रय की गई करोड़ों रुपए की अचल सम्पत्ति के जब्तीकरण की कार्यवाही की गई है। चिन्हित माफिया के विरुद्ध हत्या, लूट, अपहरण, बलात्कार, मारपीट, सम्पत्ति हड़पने, जालसाजी, रंगदारी सहित गम्भीर अपराधों के कुल 83 अभियोग पंजीकृत हैं।

धरना प्रदर्शन तीन को

ज्ञानपुर। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के जिलाध्यक्ष मल्लू राम बिंद व जिला महासचिव श्यामधर सिंह ने किसानों का आवाहन किया है कि 3 दिसंबर शनिवार को दिन में 11 बजे जिला मुख्यालय सरपतहा पर पहुंचकर जिले में खाद बीज की उपलब्धता ना होने के विरोध में धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

जनता दल यूनाइटेड जिला कार्यालय का हुआ उद्घाटन

भदोही। नगर स्थित रामरायपुर में जनता दल यूनाइटेड का जनपद कर्यालय के उद्घाटन में सैकड़ों कार्यकर्ता प्रतिभाग किए। पार्टी के प्रदेश प्रधान महासचिव डीएम सिंह गहरवार और जिलाध्यक्ष सर्वेश राय ने फीता काटकर कार्यालय का उद्घाटन किया। डीएम सिंह गहरवार ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा की पार्टी को मजबूत करें और जन जन तक नीतीश कुमार के संदेश को पहुंचा और कार्यकर्ता गलत का खुलकर विरोध करें। श्री गहरवार ने कहा भाजपा की युवा विरोधी नीति को खत्म करके युवा अधिकार की लड़ाई लड़ना हमारा मुख्य लक्ष्य है। जनपद में हो रहे शोषण के खिलाफ जल्द बड़ा आंदोलन का अंदेशा भी दिया। वही पार्टी जिलाध्यक्ष सर्वेश राय ने पार्टी को मजबूत करने का मंत्र दिया। इस मौके पर मुख्य रूप से महासचिव फिरोज अहमद, व्यापार प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष विनय राय, कोषाध्यक्ष शिव नरेश यादव, श्रमिक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष मेही लाल यादव, युवा जिलाध्यक्ष प्रियांशु सिंह, जिला सचिव नीरज सिंह, लल्लू प्रजापति, बच्चन पाठक, सुमित गुप्ता, शुशील पाठक, काली चरण पाल, सुलतान आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस बल के साथ नायब तहसीलदार ने खाली कराया खेल का मैदान

अतिक्रमण

अवैध अतिक्रमण को 24 घण्टे में खाली करने का दिया आदेश

ग्राम प्रधान ने जिलाधिकारी को सौंपा था शिकायती पत्र, डीएम के निर्देश पर की गई कार्रवाई

जनसंदेश न्यूज

पुलिस बल के साथ महजूदा गाँव में अतिक्रमण हटवाते नायब तहसीलदार बलवंत उपाध्याय

भदोही। सुरियावां थाना क्षेत्र के महजूदा गाँव में गुरुवार को नायब तहसीलदार के नेतृत्व में पहुँची राजस्व टीम ने ग्राम सभा द्वारा प्रस्तावित खेल मैदान पर हुए अतिक्रमण को ट्रैक्टर चलवाकर खाली कराया गया व ऊसर की जमीन पर खोले गए व्यावसायिक प्रतिष्ठान को 24 घण्टे के अंदर खाली करने का आदेश दिया।

महजूदा के ग्राम प्रधान राजमणि पांडेय ने जिलाधिकारी गौरांग राठी को शिकायती पत्र देकर ग्राम सभा द्वारा प्रस्तावित खेल मैदान पर अतिक्रमण की शिकायत की थी। डीएम के आदेश पर महजूदा गाँव में नायब तहसीलदार बलवंत उपाध्याय के नेतृत्व में पहुँची राजस्व व पुलिस टीम ने ट्रैक्टर चलवा कर खेल मैदान को अतिक्रमण मुक्त कराकर सरकारी जमीन ग्राम प्रधान को सुपुर्द किया। इसी तरह महजूदा गाँव में आराजी संख्या 248 ऊसर की जमीन पर किये गए अवैध अतिक्रमण को नायब तहसीलदार बलवंत उपाध्याय ने अवैध कब्जेदारों को 24 घण्टे में अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया।

ज्ञात हो ग्राम सभा महजूदा की आराजी संख्या 248 राजस्व अभिलेख में ऊसर के नाम से दर्ज हैं। इस जमीन पर ग्राम महजूदा के पूर्व प्रधान के परिजन एक कमरा बनाकर व्यावसायिक प्रतिष्ठान खोल कर दस विस्वे से अधिक भूमि पर गिट्टी, बालू,मोरंग आदि रखकर कब्जा कर लिया था।

नायब तहसीलदार ने हल्का लेखपाल राकेश तिवारी को संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ बेदखली व अतिक्रमण का मुकदमा कराने का निर्देश दिया। इस मौके पर नाम राजस्व निरीक्षक अशोक कुमार दुबे, राजस्व निरीक्षक श्यामलाल, ग्राम प्रधान राजमणि पांडेय, लेखपाल अखिलेश्वर राम तिवारी, हल्का लेखपाल राकेश तिवारी व सुरियावा थाने के पुलिस के जवान मौजूद रहे।

रेल मंत्री भारत सरकार के नाम पत्रक सौंप धरना किया समाप्त

रोष

भारतीय किसान मजदूर संयुक्त यूनियन का ज्ञानपुर रोड पर धरना

जनसंदेश न्यूज

भारतीय किसान मजदूर संयुक्त यूनियन बैनर तले धरना देते लोग

गोपीगंज। भारतीय किसान मजदूर संयुक्त यूनियन व भारतीय रेल संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ईश्वर चंद त्रिपाठी के नेतृत्व में लोग ज्ञानपुर रोड स्टेशन के बाहर क्रमिक धरने पर अपने सहयोगियों के साथ प्रातः 10 बजे से 2 बजे दिन तक बैठे रहे, और भाषणों का सिलसिला चलता रहा तत्पश्चात वहां पर मौजूद आरपीएफ के इंस्पेक्टर मुकेश कुमार यादव, सब इंस्पेक्टर विजय कुमार यादव, सब इंस्पेक्टर सतीश कुमार तिवारी को रेल मंत्री भारत सरकार के नाम पत्रक सौपंते हुए अपने धरने को समाप्त किया। पत्रक में मुख्य रूप से उनकी मांगे रही कि मंडुवाडीह हंडिया प्रयागराज रेलखंड के दोनों तरफ बाउंड्री वाल बनाई जा रही है, जिससे ज्ञानपुर रोड के पूर्वी तरफ समपार संख्या 38 एवं समपार संख्या 39 के बीच ग्रामीणों का आना-जाना रेलवे के उत्तरी तरफ है। गोपीगंज बाजार, बच्चों का स्कूल, अस्पताल, किसानों का खेत एवं रेलवे के उत्तरी तरफ है।

बाउंड्री वाल हो जाने पर लोगों का आना जाना बंद हो जाएगा। मरीजों को अस्पताल जाने के लिए ग्रामीणों को बाजार जाने के लिए 3 से 4 किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ेगा। जिससे काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। धरने पर मुख्य रूप से शिवांश, अवधेश कुमार, संतलाल, रामसूरत, सतीश पाठक पूर्व प्रधान माधो रामपुर आदि लोग उपस्थित रहे। धरने के दौरान गोपीगंज पुलिस चौकी इंचार्ज मनोज राय, हेड कांस्टेबल एजाज अहमद खान सहित काफी पुलिस बल मौजूद रही।

डीघ ब्लॉक प्रमुख के पुत्र समेत तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

जनसंदेश न्यूज

कार्रवाई

ब्लॉक संचालन समिति के सदस्य मनोज की तहरीर पर पुलिस ने की कार्रवाई

ज्ञानपुर। जेल मे निरुद्ध डीघ ब्लाक प्रमुख मनीष मिश्र के पुत्र यश मिश्र व सगे संबंधी सहित तीन लोगो के खिलाफ गोपीगंज थाने मे विभिन्न धाराओ में मुकदमा कायम किया गया है। उक्त कार्रवाई डीघ ब्लाक संचालन समिति के सदस्य मनोज कुमार मिश्र की तहरीर पर की गई है। गोपीगंज थाना क्षेत्र के धनीपुर जंगीगंज निवासी मनोज मिश्र ने तहरीर देकर अवगत कराया कि पूर्व विधायक विजय मिश्र के विरुद्ध दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 273/20 में व अन्य मुकदमें में गवाह व पैरोकार हू इस लिए जेल में निरुद्ध मनीष मिश्र साजिश कर उनकी हत्या करवाना चाहते है।

बताया कि 15 जुलाई 22 को गाड़ी संख्या डब्लूबी 08 ई 2644 में रात 9 बजे से 10.30 बजे तक हत्या करने के लिए पीछा करते रहे। उक्त गाड़ी में पूर्व विधायक विजय मिश्र का नाती यश मिश्र पुत्र मनीष मिश्रा व उनके रिश्तेदार सुमित दुबे पुत्र राम कुमार दुबे निवासी सियरहा मोढ़ भदोही व सौरभ मिश्रा पुत्र अरविन्द मिश्र निवासी रमयनपुर करियाव भदोही उनके घर व उनके रिश्तेदार कृष्ण मोहन तिवारी के घर पर जाकर बाहर से रेकी किया।

हमराहियों के साथ जब वह बाहर निकला तब जब देखा तो कार सवार असलहा दिखाते हुए भाग गये। तहरीर पर कार्रवाई करते हुए मनीष मिश्र के पुत्र यश मिश्र रिश्तेदार सुमित दुबे व रमन मिश्र के खिलाफ सम्बंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया।

चौरी नाले पर पौधरोपण कर डीएम ने पर्यावरण संचेतना का दिया संदेश

भदोही। राष्ट्रीय हरित अधिकरण नई दिल्ली के आदेश के अनुपालन में गुरुवार को चौरी नाले पर वृक्षारोपण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिलाधिकारी गौरांग राठी, मुख्य विकास अधिकारी भानु प्रताप सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी नीरज कुमार आर्य एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय के प्राचार्य ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संचेतना का संदेश दिया। पौधरोपण के पश्चात डीएम ने चौरी नाले के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण हेतु प्रभागीय वनाधिकारी से चर्चा करते हुए विभिन्न विभागों के सहयोग से नाले के कायाकल्प हेतु विभिन सुझाव भी दिए। कार्यक्रम का आयोजन भदोही वन प्रभाग, भदोही के रेंज अफसर अनिल कुमार सिंह तथा वन विभाग की टीम ने कराया। जिसमे औराई रेंज, वन विभाग के रेंज अफसर पीपी सिंह, जेआरएफ डॉ. जितेंद्र कुमार, भिखारीपुर एवं पल्हइयाँ गांव के ग्राम प्रधान, गांववासी व श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज के छात्र व शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता किया।

प्रचार वाहन को एडीएम ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जनसंदेश न्यूज

ज्ञानपुर। जनपद भदोही में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना हेतु एचडीएफसी लिमिटेड का चयन राज्य स्तर से किया गया है। फसल बीमा सप्ताह दिवस मनाये जाने के रूप में अपर जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार मिश्रा ने गुरुवार को प्रचार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। जिला कृषि अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि कृषि बीमा योजनान्तर्गत रबी की फसल वर्ष 2022-23 में गेहूँ फसल पर यह योजना लागू है। रबी में बीमा हेतु 1.5 प्रतिशत प्रीमियर दर से जमा करना होता है। यदि कृषक किसान क्रेडिट कार्ड से फसल हेतु ऋण लिया है और फसल का बीमा नही करवाना चाहता है तो 24 दिसम्बर तक संबंधित बैंक को प्रार्थना पत्र देना होगा कि मैं किसान क्रेडिट कार्ड से ऋण लिया हूॅ और बीमा नहीं कराना चाहता हूॅ। उस स्थिति में कृषक का बीमा बैंक द्वारा नहीं किया जायेगा। यदि कृषक प्रार्थना पत्र नहीं देंगे तो बैंक स्वतः रबी प्रीमियम की कटौती करके बीमा कर देगा। गैर ऋणी कृषक जनसेवा केन्द्र के माध्यम से आधार कार्ड, बैंक पासबुक एवं खतौनी के साथ फसल बीमा करा सकता है। जो किसान किसान क्रेडिट कार्ड से आच्छादित नहीं है वह सहज जनसेवा केन्द्र से जाकर अपनी अधिसूचित फसल का बीमा करा सकते हैं। इस मौके पर अशोक कुमार जिला कृषि अधिकारी, रवि प्रकाश, अपर सांख्यिकीय अधिकारी, हिना सहायक सांख्यिकीय अधिकारी, आशीष पाण्डेय जिला समन्वयक एचडीएफसी अर्गो उपस्थित थे।

बोलेरो सवार चोरों ने चार स्थानों से 20 बकरी उड़ायी

दुस्साहस

पशु चोरी की घटनाओं में पुलिस नहीं दिखाती दिलचस्पी

सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के पोटरिया गांव का मामला

करंजाकला। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के पोटरिया गांव में बुधवार की रात चार स्थानों से 20 बकरी बोलेरो सवार चोर उठा ले गए। चोरों के असलहे से लैस होने की वजह से पशुपालक रात में शोर मचाना भी मुनासिब नहीं समझते हैं। शिकायत के बाद भी पुलिस चोरों के खिलाफ दिलचस्पी नहीं दिखा रही है जिस वजह से ये घटनाएं काफी तेजी से बढ़ती जा रही है।

मल्हनी क्षेत्र में कई महीने से पशु चोरी की वारदात में तेजी से इजाफा हुआ है। मवेशी चोर बकरा, बकरी, भैंस, भैंसा पिकअप व बोलेरो में लाद ले जा रहे हैं। विरोध करने पर ईट पत्थर चलाते हैं और ग्रामीणों पर धारदार हथियार से हमला भी कर देते हैं जिसके चलते रात के समय पशुपालक जग जाने के बाद भी चोरों के विरोध करने का साहस नही करते हैं। इस तरह की कई वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद भी हुई। पशुपालकों ने लिखित शिकायत पुलिस से किया लेकिन पुलिस ने ना तो कोई मुकदमा दर्ज किया और ना ही कोई कार्यवाही की। जिस वजह से चोरों का हौसला बढ़ता गया और वारदात में काफी तेजी से इजाफा हुआ। उक्त थाना क्षेत्र के पोटरिया गांव निवासी अबरार अहमद की छह बकरी, शकील अहमद के सात बकरे व बकरी, अबरार सलमानी की तीन बकरी और इसी थाना क्षेत्र के छतौरा हसनपुर गांव निवासी शमशाद अहमद की चार बकरी बोलेरो सवार चोर उठा ले गए। ग्रामीणों ने बगैर नंबर प्लेट की बोलेरो को रात में 2:30 बजे ले जाते देखा भी लेकिन चोरों के मारने के डर वस बोलने की कोई हिम्मत नहीं जुटा सके। मामले की जानकारी पुलिस को दी लेकिन पुलिस देर में पहुंची और चोर आराम से फरार हो गए। पशुपालकों ने पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग किया।

नोडल अधिकारी ने अल्ट्रासॉउंड संचालकों के साथ की बैठक

केराकत। तहसील क्षेत्र में अवैध अल्ट्रासॉउन्ड सेंटरों की भरमार हो गई है। इस पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से चिकित्सा नोडल अधिकारी डॉ. प्रत्युष कुमार ने गुरुवार को तहसील क्षेत्र के अल्ट्रासाउंड सेंटर संचालकों के साथ स्थानीय डाक बंगले में बैठक की। बैठक में केराकत, जलालपुर, मुफ़्तीगंज, डोभी, बीरीबारी आदि सभी स्थानों के अल्ट्रासाउंड संचालकों को अपने रजिस्ट्रेशन और साथी डॉक्टर के साथ बुलाया गया था लेकिन बैठक में केवल आधा दर्जन अल्ट्रासाउंड संचालक ही पहुंचे। उसमें भी केवल तीन अल्ट्रासाउंड सेंटर संचालक विवेक कुमार सिंह, दिग्विजय सिंह, मुन्ना सिंह ही अपने डॉक्टर लेकर पहुंचे थे। जबकि अनिल यादव, दिलीप कुमार, प्रमोद यादव अकेले ही पहुंचे थे। बैठक की अध्यक्षता एसडीएम माज अख्तर ने की। अपुष्ट जानकारी के अनुसार तहसील क्षेत्र के विभिन्न बाजारों में करीब 40 से अधिक अल्ट्रासॉउन्ड सेंटर चल रहे हैं। अधिकांश अवैध ढंग से संचालित किए जा रहे हैं।

अखिलेश चंद्र नए संयोजक व अखिलेश कुमार महामंत्री बने

करंजाकला। शिव गोविंद महाविद्यालय के प्रांगण में अटेवा के जिला संयोजक चंदन सिंह के नेतृत्व में ब्लॉक इकाई मछलीशहर का गठन किया गया। अटेवा पेंशन बचाओ मंच जौनपुर के ब्लॉक इकाई मछलीशहर का चुनाव सम्पन्न हुआ। संगठन के अन्य पदाधिकारियों का चयन सर्वसम्मति से हुआ। जिला संयोजक चंदन सिंह ने कहा कि पुरानी पेंशन की बहाली को लेकर हम हमेशा आवाज बुलंद करते रहेंगे। पुरानी पेंशन बंद करके सरकार शिक्षकों के साथ बहुत बड़ा अन्याय कर रही है। ब्लॉक इकाई गठन होने के पश्चात शिक्षकों ने पुरानी पेंशन की बहाली को लेकर नारा भी लगाया। ब्लॉक अध्यक्ष बक्सा लाल चन्द, मड़ियाहूं अध्यक्ष अरविन्द यादव, सिकरारा अध्यक्ष डॉ. कृपानिधि यादव जिला संगठन मंत्री संदीप यादव, नन्द लाल पुष्पक जिला सोशल मीडिया प्रभारी, अच्छे लाल यादव आदि शिक्षक कर्मचारियों ने पेंशन आंदोलन के पक्ष में अपने विचार रखे। संरक्षक राकेश कुमार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुभाष चंद मौर्य, उपाध्यक्ष सत्येन्द्र पटेल, कोषाध्यक्ष महेंद्र नाथ मौर्य, समोद कुमार गुप्ता प्रवक्ता, अशोक कन्नौजिया संयुक्त मंत्री, नितिन वर्मा संगठन मंत्री, सार्जन कुमार मीडिया प्रभारी, जितेन्द्र यादव सोशल मीडिया प्रभारी, बृजभान सिंह मंत्री एवं बृजेश मौर्य तथा दिनेश बिन्द सदस्य कार्यकारिणी के पद पर चुने गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कोषाध्यक्ष त्रिभुवन नाथ यादव ने तथा संचालन जिला उपाध्यक्ष राजेश उपाध्याय ने किया। अंत में अखिलेश चन्द ने सभी के प्रति आभार जताया।

कला और विज्ञान प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

आयोजन

छात्र छात्राओं ने किया प्रतिभाग

जफराबाद। स्थानीय कस्बे में स्थित श्री केपी पांडेय इंटर कालेज में गुरुवार को एक कला एवं विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में सैकड़ों बच्चों ने हिस्सा लिया। उक्त प्रदर्शनी में हाईस्कूल तथा इंटर के छात्र छात्राओं ने अपने हाथों से तरह तरह के वैज्ञानिक तथा शिक्षा से सम्बंधित सामानों की बनाकर लगाया। प्रदर्शनी में स्वशन तंत्र, उत्सर्जन तंत्र, पाचन तंत्र, सांची का स्तूप, आलेखन चित्र सहित कई ऐतिहासिक धरोहरों को थर्माकोल व कागजात आदि से बनाकर लगाया। छात्र-छात्राओं द्वारा प्रदर्शनी में लगाये सामानों का कालेज के प्रबन्धक संजीव कुमार पांडेय, शिवशंकर निर्मल, जितेन्द्र कुमार, भूपमणि बरनवाल, एमपी यादव, रितेश चौबे, सनाउल्लाह, मंगलेश पांडेय, रीता मौर्या, बागीश उपाध्याय आदि ने अवलोकन किया। उसके बाद प्रथम द्वितीय तथा तृतीय स्थान के बच्चों को पुरस्कृत किया गया। बच्चों को सम्बोधित करते हुए प्रबन्धक श्री पांडेय ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिता के आयोजन से बच्चों के अंदर एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना उत्पन्न होती है। यह बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक होती है। साथ ही उनका मनोबल बढ़ता है।

संयम, वफादारी व जागरूकता एड्स से बचाव के लिए जरूरी : रमेश चंद्र सिंह

संगोष्ठी को सम्बोधित करते वक्ता

जौनपुर। गांधी स्मारक पीजी कॉलेज समोधपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में गुरूवार को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन हुआ। संगोष्ठी में प्राचार्य प्रोफेसर रमेश चंद्र सिंह ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि संयम, वफादारी एवं जागरूकता से ही हम एड्स से बच सकते हैं। उपस्थित स्वयंसेवकों का आहवान किया कि अधिक से अधिक जागरूकता कार्यक्रम चलाकर लोगों को इस बीमारी के बारे में बताएं। प्रो. अरविन्द कुमार सिंह ने एड्स के बारे में विस्तार से बताया। समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना प्रो. राकेश कुमार यादव ने भारत में एड्स प्रसार एवं सरकार द्वारा बचाव हेतु किये जा रहे उपायों के बारे में विस्तार से छात्रों को बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. लालमणि प्रजापति एवं धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आलोक प्रताप सिंह विसेन ने किया। इस अवसर पर डॉ. अवधेश कुमार मिश्रा, डॉ. पंकज सिंह, डॉ. नीलमणि सिंह, डॉ. जितेंद्र सिंह, डॉ. नीलम सिंह, डॉ. विष्णुकांत त्रिपाठी, डॉ. विकास कुमार यादव, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. नीलू सिंह, डॉ1 सत्यप्रकाश सिंह, डॉ. रत्नेश प्रजापति, कार्यालय अधीक्षक बिंद प्रताप सिंह, गंगा प्रसाद सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

जनसंदेश टाइम्स प्रा. लि. के लिए **प्रवीण कुमार कुशवाहा,** 8/6 ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज से प्रकाशित एवं मीडिया टेक्स्ट (Media Text) प्रा.लि. प्रेस, रोहनिया, वाराणसी से मुद्रित।
प्रधान सम्पादक - सुभाष राय
स्थानीय सम्पादक - प्रवीण कुमार कुशवाहा
पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बन्धित विवादों का न्याय क्षेत्र वाराणसी होगा।
फोन नं. -0532 - 2400063
आरएनआई नं. **UPHIN/2012/46202**
डाक पंजीयन सं.: जीपीओएलडब्ल्यू / एनपी - 78/2011-13.

व्यापारियों की समस्याओं का अविलंब हो निवारण : राधेरमण

जौनपुर। नगर उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल सिटी मजिस्ट्रेट देवेंद्र सिंह से मुलाकात करके निम्नलिखित विद्युत समस्या जो पिछले 3 दिनों से शहर उत्तरी का कुछ एरिया पंजाबी मार्केट, ताड़तला के व्यापारियों को विद्युत आपूर्ति नहीं मिल पा रही है जिससे लगभग सैकड़ों व्यापारी प्रभावित हैं। उन्हें व्यापार करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है साथ ही साथ विद्युत आपूर्ति नहीं होने के कारण जन समुदाय में भी पानी और बिजली की समस्या उत्पन्न हो गई है। नगर अध्यक्ष राधेरमण ने कहा कि व्यापार करने के लिए जो मूल समस्या है उसे अविलंब दूर किया जाए ताकि हमारे व्यापारियों को व्यापार करने में जो समस्या आ रही है उसका निदान हो सके। प्रतिनिधिमंडल में नगर महामंत्री दक्षिणी मुन्नालाल अग्रहरि, महामंत्री उत्तरी मनोज कुमार साहू, अमर जौहरी, श्यामसुंदर मिगलानी, संजय जाड़वानी, सरदार तरनजीत सिंह, मनीष सेठी, सतीश अग्रहरि, राकेश जायसवाल, संतोष कुमार, सत्य प्रकाश जायसवाल आदि व्यापारी गण उपस्थित रहे।

समाज के अभिन्न अंग हैं दिव्यांग छात्र

बोले सुशील उपाध्याय

प्राथमिक विद्यालय ताहिरपुर के दिव्यांग छात्र शिवम कन्नौजिया को मिली ट्राइसाइकिल

जनसंदेश न्यूज

दिव्यांग छात्र शिवम कन्नौजिया को ट्राइसाइकिल वितरित करते अतिथिगण

सिकरारा। अंग्रेजी माध्यम प्राथमिक विद्यालय ताहिरपुर के दिव्यांग छात्र शिवम कन्नौजिया को गुरुवार को विद्यालय परिसर में ट्राइसाइकिल मिली तो उसके खुशी का ठिकाना नहीं रहा। ट्राइसाइकिल पर बैठते ही वह भावुक हो गया। ब्लाक प्रमुख संजय सिंह द्वारा उक्त ट्राइसाइकिल दिया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष सुशील उपाध्याय ने कहा कि दिव्यांग समाज के अभिन्न अंग है। समाज में उनके आत्म सम्मान, सेहत और अधिकार को सुधारने के लिए सरकार द्वारा उनके वास्तविक जीवन मे तमाम तरह से सहायता की जा रही है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक व प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अमित सिंह ने कहा कि दिव्यांग दया नही बल्कि स्नेह के पात्र है। समाज में तमाम ऐसे उदाहरण है जिन्होंने अच्छी शिक्षा ग्रहण कर देश दुनिया में नाम रोशन कर रहे है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में अध्ययन कक्षा चार का छात्र शिवम कन्नौजिया पैरों से दिव्यांग था। बताया कि स्कूल आने में उसको कठिनाई होती है। उक्त छात्र को ट्राइसाइकिल हेतु ब्लाक प्रमुख संजय सिंह व उनके बड़े भाई धीरू सिंह से बात की गयी तो उन्होंने छात्र को ट्राइसाइकिल उपलब्ध करा दिया। ट्राइसाइकिल छात्र के अभिभावकों को बुलाकर दिया गया। इस अवसर पर राजेंद्र प्रताप यादव, दिनेश यादव, श्यामधर यादव, मंजू जैसवार, नेहा जायसवाल, गजाला बानो, मनोज कुमार, माधुरी देवी, श्याम बहादुर, शुभेंद्र सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

न लिहाज, न गिलाफ, सर्दी बेहिसाब
विंटर फूड्स में बड़ी आग है

सर्दियों का मौसम शुरू चुका है। दिन में तो तापमान में गर्माहट का असर नजर आता है, लेकिन शाम ढलते ही बदन को चुभोने वाली ठंडक शुरू हो गयी है। कई बार ठंड लगने से लोगों को सर्दी और जुकाम भी हो जाता है। क्योंकि कोरोना पूरी तरह से गया नहीं है, आपको अपनी इम्यूनिटी और हेल्थ का ध्यान रखना चाहिए। ऐसे में शीतकालीन सीजन के विंटर फूड्स आपके बदन के लिए बेहतर सुरक्षा कवच साबित होते हैं। फूड एक्सपर्ट भी बताते हैं कि हर मौसम का अपना मिजाज होता है। जिसके विपरीत खाने की आदत आपको बीमार कर सकती है। इसलिए ठंड के मौसम में आपको ऐसे फूड्स खाने से बचना चाहिए, जिनकी तासीर ठंडी हो। बल्कि आप उन खाद्य पदार्थों को खाएं, जो शरीर को गर्माहट देते हैं। आयुर्वेद में भी तमाम ऐसे फूड्स का जिक्र है, जिनके सेवन से बदन को गर्माहट मिलती है और सेहत भी चंगा रहता है।

-प्रस्तुत है जितेंद्र श्रीवास्तव की एक रिपोर्ट।

बदन को गर्माहट प्रदान करते हैं सर्द मौसम वाले स्वादिष्ट व्यंजन और मिठाइयां

आयुर्वेद में भी तमाम फूड्स का जिक्र है जिनके सेवन से रहती है सेहत भी चंगी

सीजनल मीठे पकवान भी फायदेमंद, ड्राई फ्रूट्स भी देते हैं गर्माहट

सर्द मौसम में आप जो कुछ भी खाते हैं, तो उस चीज से आपकी बॉडी सबसे ज्यादा प्रभावित होती है। वहीं जब सर्दियों का मौसम हो, तो बॉडी का तापमान पहले से कम हो जाता है। ऐसे में डाइट में ऐसी चीजों को शामिल करना चाहिए, जो बॉडी के तापमान को बढ़ाने में मददगार हो सके। जब भी सर्दियां पड़ती हैं, तो उस दौरान बॉडी का मेटाबोलिज्म रेट धीमा हो जाता है, इस वजह से शरीर की गर्माहट कम होने लगती है, जिस कारण सर्दियों के दिनों में नींद और आलस सबसे ज्यादा महसूस होता है। इससे बचने के लिए डाइट का ख्याल सबसे ज्यादा रखें। सर्दियों के मौसम में ऐसी डिशेज को जरूर ट्राई करें, जो बॉडी को गर्म रखने में मददगार साबित हो सकती हैं।

सरसों का साग : हरे सरसों के पत्तों से तैयार साग सर्दियों में खाने की जान होती है। मक्के की रोटी के साथ सरसों के साग का कॉम्बिनेशन लाजवाब होता है। ये पंजाबियों का काफी लोकप्रिय व्यंजन है। सर्दियों में सरसों के साग में मक्खन स्वाद बढ़ा देता है। सेहत के लिए सरसों का साग खाना काफी अच्छा भी माना जाता है।

ड्राई फ्रूट्स : सर्दियों में बादाम, किशमिश, अंजीर, खजूर के साथ-साथ सभी तरह के ड्राई फ्रूट्स खाने चाहिए। इन सभी ड्राई फ्रूट्स में भरपूर मात्रा में प्रोटीन और विटामिन पाया जाता है। ड्राई फ्रूट्स को आप गर्म दूध, हलवे या मिठाई जैसी चीजों के साथ खा सकते हैं।

देशी घी : सर्दियों में देशी घी खाना आपके लिए बहुत फायदेमंद होता है। देशी घी में पाया जाने वाला हेल्दी फैट सर्दियों में आपके शरीर को गर्म रखता है, जिससे ठंड से राहत मिलती है। साथ ही इम्यूनिटी भी बढ़ाता है। इसके अलावा सर्दियों में देशी घी खाने से त्वचा को नमी मिलती है, जिस वजह से ड्राइनेस की प्रॉब्लम से निपटने में हेल्प होती है। आप देशी घी को रोटी, दाल और सब्जी में मिलाकर खा सकती हैं।

तुलसी: आपने अक्सर यह देखा या सुना होगा कि जब भी सर्दी-खांसी होती है, तो तुलसी वाली चाय पीने की सलाह दी जाती है। औषधीय गुणों से युक्त तुलसी में विटामिन-ए, विटामिन-सी, आयरन तथा जिंक मौजूद होते हैं, जो आपके शरीर को सर्दियों में होने वाली बीमारियां जैसे खांसी, जुकाम, साइनस अथवा सांस संबंधी परेशानियों से बचाने में सहायक होते हैं। इसके अलावा, चाय में तुलसी की पत्तियां मिलाकर पीने से इम्यूनिटी बूस्ट होने के साथ ही ठंड के मौसम में शरीर को गर्मी मिलती है।

स्वाद और सेहत का दूसरा नाम बाजरे की रोटी

बाजरा एक ऐसा अनाज है, जिसे सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। बाजरे की रोटी और सरसों का साग सर्दियों के मौसम में एक पॉपुलर डिश में से एक है। आयुर्वेद कहता है कि बाजरे के आटे में फाइबर और अमीनो एसिड भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। पोषक तत्वों से भरपूर बाजरे के आटे को सर्दियों के मौसम में खासतौर पर इस्तेमाल किया जाता है। जाड़े के सीजन में बाजरे की रोटी खाने से शरीर अंदर से गर्म बना रहता है। साथ ही शरीर का कई तरह की बीमारियों से भी बचाव होता है। इसके अलावा ये पाचन तंत्र को भी दुरुस्त करती है। बाजरे की रोटी को दाल, सब्जी, कढ़ी, लहसुन की चटनी आदि के साथ खाया जा सकता है। बाजरे का आटा ग्लूटेन फ्री होता है और फाइबर से युक्त होता है। यदि सर्दियों में आप बाजरे की रोटी का रोजाना सेवन करते हैं तो इससे आपकी पेट की तमाम समस्याएं दूर होती हैं।

मसाले

भारत में सबसे ज्यादा मसाले पाए जाते हैं। जिनका इस्तेमाल देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी किया जाता है। आयुर्वेद मानता है कि सर्दियों में इलायची, लौंग, हल्दी और अदरक का इस्तेमाल आपके लिए बहुत कारगर साबित होता है। सर्दियों में ये मसाले आपके शरीर को गरम रखने में मदद करते हैं।

अजवाइन : सर्द मौसम में अजवाइन सेहत के लिए रामबाण होता है। ठंडक लगने या दस्त होने पर एक चम्मच अजवाइन को गर्म पानी के साथ सेवन करने पर झटपट आराम मिलता है। रात में अजवाइन और दूध को एक साथ खौला कर सेवन करने से भी बदन को गर्माहट मिलती है और सेहत भी दुरुस्त रहता है।

शहद : सर्दियों में शहद के फायदे तो आप सभी को पता होंगे। इसमें आपको कई ऐसे पोषक तत्व मिलते हैं, जिससे आपके शरीर को चुस्ती और फुर्ती मिलती है। सर्दियों में रोज रात को इसे दूध के साथ लेने से आपके शरीर को गर्माहट मिलता है। एंटीबैक्टीरियल, एंटीइंफ्लेमेटरी और एंटीमाइक्रोबियल गुणों से युक्त शहद की तासीर गर्म होने के कारण इसका प्रतिदिन सेवन शरीर को गर्म रखने में मदद करता है।

प्याज : सर्दियों में प्याज हमारे शरीर को गर्माहट देता है। प्याज में आपको एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। तो आप इन सर्दियों में कच्चे प्याज के अलावा प्याज के पराठे और प्याज की कचौड़ियां बनाकर खा सकती हैं।

हल्दी : हल्दी वाला दूध तो आप सभी ने पिया होगा। हमारे घरों पर हल्दी कई छोटी-मोटी बीमारियों की पहली दवा होती है, जो आपको सर्दी और वायरल से बचाने में बहुत मददगार साबित होती है। सर्दियों में गर्म दूध के साथ हल्दी रोज पीना चाहिए। जिससे आपको बीमारियों का खतरा कम रहे।

जड़ वालीं सब्जियां : आलू, शकरकंद, शलजम और मूली जैसी सब्जियां, जो जमीन की सतह से नीचे उगती हैं। सर्दियों में इनके सेवन से शरीर को गर्मी मिलती है। क्योंकि इन सब्जियों का पाचन धीमा होता है। आप इनकी सब्जी, गर्म सूप या स्ट्यू अथवा सलाद बनाकर सेवन कर सकते हैं।

ये भी हैं सेहत के प्याले

नींबू-गुड़ ड्रिंक : एक कप गर्म पानी में आधा नींबू और एक छोटा चम्मच गुड़ मिलाकर ड्रिंक तैयार कर सकते हैं। इसमें शहद मिलाएंगे, तो ये और फायदा करेगी। शहद खून साफ करता है और नींबू में विटामिन-सी होता है।

अदरक ड्रिंक : गर्म पानी में थोड़ा-सा गुड़ और अदरक मिलाकर पिएं। इसमें शक्कर बिल्कुल नहीं मिलाएं। मीठे के लिए शहद मिलाना फायदेमंद हो सकता है। गुड़ में आयरन, जिंक, पोटैशियम मौजूद होते हैं, जो सर्दी में लाभदायक हैं।

किस माह में क्या-क्या करें परहेज

चैत्र माह में नया गुड़ न खाएं
(15 मार्च-15 अप्रैल)
बैसाख माह में नया तेल न लगाएं
(16 अप्रैल-15 मई)
जेठ माह में दोपहर में नहीं चलना चाहिए
(16 मई-15 जून)
अषाढ़ माह में न करें पके बेल का सेवन
(16 जून-15 जुलाई)
सावन माह में साग न खाएं
(16 जुलाई-15 अगस्त)
भादों माह में न खाएं दही
(16 अगस्त-15 सितम्बर)
क्वार माह में करेला से करें परहेज
(16 सितम्बर-15 अक्टूबर)
कार्तिक माह में जमीन पर न सोएं
(16 अक्टूबर-15 नवम्बर)
अगहन माह में जीरा न खाएं
(16 नवम्बर-15 दिसम्बर)
पूस माह में धनिया से रहे दूर
(16 दिसम्बर-15 जनवरी)
माघ माह में मिश्री न खाएं
(16 जनवरी-15 फरवरी)
फागुन माह में चना से बनाएं दूरी
(16 फरवरी-14 मार्च)
स्त्रोत : आयुर्वेदामृतम्

सीजन को लेकर प्रचलित है यह मशहूर कहावत

चैते गुड़, वैसाखे तेल। जेठ के पंथ, अषाढ़े बेल।
सावन साग, भादौ दही। कुंवार करेला, कार्तिक मही।।
अगहन जीरा, पूसै धना। माघे मिश्री, फागुन चना।
जो कोई इतने परिहरै, ता घर बैद पैर नहीं धरै।।

महज टाइमपास नहीं है मूंगफली

अक्सर आप सुनते होंगे की सर्दियों में ड्राई फ्रूट्स खाना काफी हेल्दी होता है। लेकिन, क्या आप जानते हैं। इसमें सबसे ज्यादा यूज होने वाला सबसे अच्छा ड्राईफ्रूट मूंगफली है, जो मिठाइयों में भी इस्तेमाल की जाती है। लोग इसका सेवन रोजाना भी करते हैं। मूंगफली खाने के कई फायदें भी होते हैं। मूंगफली में विटामिन, मिनरल्स, न्यूट्रिएंट्स और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। इससे काफी ऊर्जा मिलती है। इसमें विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, नियाचिन, रिबोफ्लेविन, थियामिन, विटामिन बी6, विटामिन बी9 और पेंटोथेनिक एसिड होता है। इससे शरीर को गर्माहट मिलती है। खांसी-जुकाम में काफी उपयोगी है। सांस लेने में तकलीफ दूर होती है। इससे शरीर में खून की कमी पूरी होती है।

सर्द मौसम में इन चीजों से करें परहेज

दही : सर्दी में दही के सेवन से आपका इम्यून सिस्टम धीमा पड़ जाता है, जिससे आप इंफेक्शन के लिए आसान शिकार बन जाते हैं। अगर आप ऐसे में दही या ठंडी तासीर वाला खाना खाएंगे, तो फेफड़ों के रोग पकड़ सकते हैं। जिसके कारण खांसी, जुकाम और सिरदर्द हो सकता है।

डेयरी उत्पाद : आयुर्वेद के मुताबिक, दूध या उससे बने डेयरी उत्पाद बलगम का उत्पादन करते हैं। इसलिए अगर आपके फेफड़े कमजोर हैं या फिर आपको बार-बार खांसी-जुकाम हो जाता है, तो इन उत्पादों को सीमित मात्रा में लें।

जूस और ड्रिंक : जब मौसम ठंडा है, तो आपको बर्फ वाले जूस या ड्रिंक का सेवन नहीं करना चाहिए। वहीं, बोतलबंद और कार्बोनेटेड ड्रिंक खून में शुगर की मात्रा भी बढ़ा देती हैं, जो आगे चलकर डायबिटीज का शिकार बना सकती हैं। आपको फलों के जूस की जगह भी ताजे फल खाने चाहिए।

रेड मीट: फ्राइड फूड तो बिल्कुल नहीं : रेड मीट-फ्राइड फूड खाने में टेस्टी और गर्म महसूस हो सकता है। लेकिन दिल और दिमाग के लिए यह बहुत ज्यादा नुकसानदायक होते हैं। इन फूड्स को सिर्फ ठंड में ही नहीं, बल्कि किसी भी मौसम में नहीं खाना चाहिए।

मीठे पकवान भी सेहत के लिए फायदेमंद

सर्दियों के मौसम में अक्सर मिठाइयों का चलन देखने को मिलता है। इस मौसम में एक से बढ़कर एक मिठाई मौजूद रहती है, जो कि मिठास तो देती ही है। साथ ही स्वास्थ्यवर्धक भी है। सर्दियों में कई पारंपरिक मिठाइयां तैयार करने की एक लंबी परंपरा रही है जो आमतौर पर घरों में बनाई जाती हैं। कुछ मीठे पकवानों को गर्मागर्म खाने का असली मजा है तो कुछ को एयरटाइट कंटेनर में रखकर हफ्ते भर

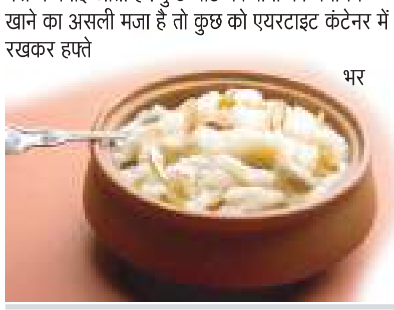

स्वाद ले सकते हैं। कुछ मीठे व्यंजन केवल सर्दियों में ही खाए जा सकते हैं, भले ही वे पूरे साल उपलब्ध हों। तिल और गुड़ के लड्डू, बर्फी और रेवड़ी से लेकर तरह-तरह के हलवे जैसे गाजर या मूंग दाल का हलवा भी खूब चाव से खाया जाता है।

मूंग दाल का हलवा : मूंग की दाल का हलवा सर्दियों में हर किसी का पसंदीदा होता है। क्योंकि, इसमें ढेर सारा शुद्ध घी होता है और यह गर्मी भी करता है। घी से लदी इस मिठाई को तैयार करना भले ही समय लेने वाला काम है, लेकिन बनने के बाद स्वाद लेते समय पछताएंगे नहीं। अच्छी बात यह भी है कि इसकी एक लंबी शेल्फ-लाइफ है। इसलिए इसे कहीं भी साथ ले जाया जा सकता है और दिन में कभी भी इसका आनंद लिया जा सकता है। इसे एक सप्ताह तक फ्रीज में रखकर खाया जा सकता है।

गाजर का हलवा : गाजर सर्दियों के मौसम में खूब मिलती हैं। दूध, चीनी, मावा और कुछ सुगंधित और गर्म मसालों के साथ इसे उबाला जाता है ताकि गाजर का हलवा तैयार किया जा सके। हलवा पौष्टिक होता है और इसे कटे हुए ड्रायफ्रूट्स के साथ गर्मा-गर्म परोसा जाता है। ठंड के मौसम में रेस्टोरेंट और मिठाई की दुकानों पर भी आसानी से मिल जाती है लेकिन घर पर बनाने का मजा ही अलग है।

चिक्की : चिक्की, मूंगफली और गुड़ का बेहतरीन मेल है। इन स्वादिष्ट कैंडीज जैसी इंडियन स्वीट का स्वाद सर्दी में लेने का अच्छा समय है। मूंगफली का शरीर पर गर्म प्रभाव पड़ता है और गुड़ के साथ यह तुरंत एनर्जी देता है जो कि भूख को भी शांत करता है।

कैरेट लड्डू व गजक: सबसे पहले हम बात करेंगे कैरेट लड्डू व गजक की, जो खाने में बहुत लगते हैं। सर्दियों में गाजर का हलवा तो आपने कई बार खाया होगा। क्यों न इस बार इन छोटे-छोटे स्वादिष्ट लड्डूओं का मजा लें, जो खाने में बहुत ही स्वादिष्ट लगते हैं। पीनट गजक सर्दी के मौसम का एक बेहतरीन स्नैक है, जिसे बहुत चाव से खाया जाता है। मूंगफली और गुड़ से बनाएं जाने वाली यह गजक बनाने में बहुत आसान है। गुड़ से बॉडी गर्म और मेटाबॉलिज्म ठीक रहता है। आमतौर पर सर्दियों के मौसम में तिल के लड्डू बनाएं जाते हैं। भूने तिल, गुड़ और केसर के साथ आप भी इन्हें आसानी से घर पर बना सकते हैं। आयुर्वेद कहता है कि सौंठ और मेथी लड्डू एक पारम्परिक मिठाई है, लेकिन उससे कई ज्यादा इसको औषधि के रूप में खाया जाता है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि इसे बनाते वक्त ऐसी ही सामग्री का इस्तेमाल किया जाता है। सर्दियों में इसके सेवन से बुजुर्गों और बच्चों को काफी फायदा मिलता है। इन लड्डूओं को गर्भवती महिलाओं के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। गर्म होने की वजह से इन लड्डूओं को सर्दियों में ही चाव से खाया जाता हैं।

रबड़ी : सर्दियों में शकरकंद रबड़ी काफी पसंद की जाने वाली मिठाइयों में से एक है। इसे दूध, केसर, शकरकंद और इलायची से तैयार किया जाता है। इसमें जरूरी पोषक तत्व होते हैं, जिसकी जरूरत शरीर को सर्दियों के मौसम में होती है। यही वजह है कि शकरकंद रबड़ी को सर्दियों का सुपर फूड भी कहा जाता है।

गुड़ : इस बारे में तो आप सभी जानते होंगे कि गुड़ खाना आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। पर इसे सर्दियों में खाने के और भी कई फायदे हैं, जिनके बारे में आपको जानना चाहिए। आपको बता दें कि गुड़ की तासीर गरम होती है, इस कारण यह आपके शरीर में गर्मी पहुंचाता है। सर्दी के मौसम में गुड़ के इस्तेमाल से जुकाम, सर्दी और खांसी होने के चांस कम हो जाते हैं। इतना ही नहीं गुड़ आपके पाचन के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। गुड़ में मैग्नीशियम पाया जाता है, जो आपके शरीर में खून की कमी दूर करने में भी सहायता करता है। आप चाहें तो चीनी की जगह गुड़ का इस्तेमाल कर सकते हैं। आप चाहें तो गुड़ और सोंठ के लड्डू बनवाकर अपने परिजनों और रिश्तेदारों-नातेदारों को परोस सकते हैं, जो सर्दियों के लिए बहुत हेल्दी होता है।

गोंद का लड्डू : पेड़ की छाल से निकाले गए गोंद से तैयार गोंद के लड्डू सर्दियों के मौसम में खाना सबसे ज्यादा फायदेमंद होता है। इसे एक बार बनाने के बाद पूरे साल स्टोर करके रखा जा सकता है। इससे शरीर को सर्दी नहीं पकड़ती। गोंद के लड्डू शरीर को गर्म रखने में मददगार होते हैं।

पंजीरी : सर्दियों में खाई जाने वाली पंजीरी काफी स्वादिष्ट होती है। यह देशी घी, चीनी और बादाम व सूखे मेवा से मिलकर बनाई जाती है। इस पंजीरी की विशेषता है, इसमें प्रयोग होने वाला देशी घी और मेवा, जो आपको सर्दियों में फिट व आपकी त्वचा को चमक देती है।

तिल का लड्डू : तिल के लड्डू या पट्टी, सर्दियों में खास जगह रखते हैं। खासकर लोहड़ी और मकर संक्रांति के दौरान जरूर घर में बनाए जाते हैं। तिल के लड्डू या पट्टी बनाने की विधि के कई वैरिएशन होते हैं, लेकिन सर्दियों की मिठाई की दो मुख्य सामग्री तिल और गुड़ हैं। दोनों सामग्रियों का इस्तेमाल उनके एनर्जी बूस्ट करने और प्राकृतिक रूप से गर्माहट बढ़ाने वाले गुणों के लिए किया जाता है।

गजक : गजक या तिल की बर्फी सर्दियों की एक और पसंदीदा मिठाई है, जो ठंड में जरूर खाना चाहिए। गुड़ और तिल का कॉम्बिनेशन इस मिठाई को इतना स्वादिष्ट बनाता है। सर्दियों के दौरान गुड़ और तिल शरीर के लिए अच्छे होते हैं, जो अंदर से गर्म रखने और पाचन को नियंत्रित करने के लिए कम के होते हैं।

अपने कर्मों का फल भुगत रहे जेल में बंद 'बाबा' : सद्गुरुश्री आनंद

शब्द योग के सर्वोच्च गुरु, भारतीय धर्म-आध्यात्म के बड़े हस्ताक्षर व बाबा जयगुरुदेव के शिष्य ने कहा

सुरोजीत चैटर्जी

शब्दयोग के सर्वोच्च गुरु और धर्म-आध्यात्म के बड़े हस्ताक्षर एवं बाबा जयगुरुदेव के शिष्य सद्गुरुश्री आनंद कॉर्पोरेट जगत से सन्यास में आए। दुनियाभर में उनके लाखों अनुयायी हैं। बनारस के कालभैरव क्षेत्र के मूल निवासी सद्गुरुश्री स्थायी रूप से मुंबई में रहते हैं। उनकी तमाम भविष्यवाणियां काफी चर्चित रही हैं। अबकी अपने गृह जनपद में आये तो उनके खास मुलाकात की गयी। उन्होंने कई सवालों के जवाब बड़ी ही बेबाकी के साथ और कुछ प्रश्नों के उत्तर संकेतों में दिये। बातचीत के दौरान अचानक ही पूछने के अंदाज़ में बहुत धीमे से बोल पड़े- आपके सवाल बड़े तीखे हैं। क्या इनका जवाब देना ज़रूरी है? हमने कहा- जिन प्रश्नों का उत्तर देना चाहें दें, न देना चाहें न दें। खैर, करीब डेढ़ घंटे की इस मुलाक़ात के दौरान उनसे कई पहलुओं पर बात हुई। पेश है उस भेंट-वार्ता के कुछ अंश।

वैभवपूर्ण रहा है कई आध्यात्मिक पुरुषों का जीवन

कई मौकों पर कई बाबा विवादित रहे और वर्तमान में कुछ 'बाबा' जेल में हैं तो हक़ीक़त ये है कि सीखचों के पीछे कैद 'बाबा' लोग अपने कर्मों का फल भुगत रहे हैं। यदि सोने का कोई टुकड़ा अशुद्ध है तो इसका मतलब ये नहीं कि सारा का सारा सोना खोटा है। आध्यात्मिक बाबाओं को लेकर लोगों के मानदंड सही नहीं हैं। अगर कोई एक व्यक्ति अपने पद या दायित्व से विमुख हो जाय तो समूचा आध्यात्मिक समाज दोषी नहीं हो जाता। जहां तक कई बाबाओं के ठाठ-बाट की बात है तो तमाम आध्यात्मिक पुरुषों का जीवन वैभवपूर्ण रहा है। बुद्ध, विश्वामित्र, पराशर, विश्रवा, भार्गव के आश्रमों में ही हजारों भक्त रहते थे। उन अनुयायियों की देखभाल आश्रम ही करता था। यहां त्याग-समर्पण की बात होनी चाहिए। देखिए, लोग सिर्फ बाबाओं की भव्यता और संपत्ति की बात क्यों करते हैं? इसका अर्थ यह नहीं कि सभी बाबा धनपिपासु हैं। नेताओं, अभिनेताओं, उद्यमियों की प्रॉपर्टी की बात क्यों नहीं होती! ऐसे महात्माओं की कमी नहीं जो बगैर किसी प्रचार-प्रसार के बड़ी ही खामोशी के साथ समाज में अपना योगदान दे रहे हैं।

कथावाचकों का प्रचार-प्रसार मार्केटिंग का हिस्सा!

कई कथावाचकों को 'बाबा' के तौर पर पूजे जाने का कारण यह है कि उन्होंने प्रभु के प्रति लोगों में भक्ति का भाव भरा और लोगों ने उन्हें स्वीकार कर लिया। दरअसल यह तो लोगों पर है कि वह किसे स्वीकार करे और किसे नकार दे। कई कथावाचकों का हाईटेक प्रचार-प्रसार होने को लेकर हमें लगता है कि शायद मार्केटिंग कंपनियां और टीवी चैनल्स उनका 'उपयोग' करती होंगी।

राजनीति और प्रशासन में बढ़ी निरंकुशता

देश के राजनीतिक परिदृश्य को देखें तो पिछले 20-25 वर्षों में इसके स्वरूप में बदलाव आया है। कई स्तर पर पारदर्शिता कम हुई है। उत्तरदायित्व और भावनाओं का ह्रास हुआ है। एक दौर था जब मात्र एक दुर्घटना होने पर मंत्री अपने पद से इस्तीफा दे दिया करते थे। और अब, पूरी की पूरी योजना असफल होने पर भी अपने बचाव का रास्ता ढूंढ़ते हैं। राजनीति और प्रशासन में निरंकुशता बढ़ी है। अमीर व ग़रीब के प्रति नज़रिये में फर्क आया है। शासन-प्रशासन दोनों को अलग-अलग दृष्टिकोण से देखता है। वास्तव में सरकारी अफसर राजनीतिक व्यवस्था के अधीन रहते हैं। वो सत्ता से डरते हैं। जबकि वो चाहें तो शासन की कोई अनावश्यक बात मानने के इनकार भी कर सकते हैं। ऐसे तमाम अधिकारियों के उदाहरण भी हैं लेकिन इतना साहस बहुत अफसर ही दिखा पाते हैं।

काशी में है वेनिस से भी खूबसूरत बनने की क्षमता

मुझे लगता है कि बनारस की वैचारिक और आंतरिक क्षमता का पूरा उपयोग नहीं हो सका है। जैसे- कला, तकनीक, चिकित्सा आदि क्षेत्र में और आगे बढ़ने की आवश्यकता है। काशी विश्व के खूबसूरत शहरों में शुमार हो सकती है। इस शहर में वेनिस से भी अधिक सुंदर बनने की क्षमता है। वहां की प्राचीन गलियां बनारस की गलियों की प्रतिकृति हैं। यदि इनकी ठीक से देखभाल की जाय तो काशी को दुनिया के सबसे खूबसूरत प्राचीन शहरों में शामिल करना मुमकिन है। ये शहर शिक्षा-संस्कृति और आध्यात्म के विकास तथा प्रचार-प्रसार में बहुत बड़ी भूमिका निभा सकता है। वर्तमान में काशी ने बहुत कम समय के भीतर विश्व के एक बहुत बड़े हिस्से के पर्यटकों को आकर्षित किया है। यहां के प्राचीन स्वरूप को कायम रखते हुए इंफ्रास्ट्रक्चर और बढ़ाने की जरूरत है। टूरिस्ट और विदेशी मुद्रा बढ़ रही है। यहां के रोजगार और व्यवसायों को धार मिली है।

नरेंद्र मोदी तीसरी बार बनेंगे प्रधानमंत्री

सद्गुरुश्री आनंद की कुछ महत्वपूर्ण भविष्यवाणियां

नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। 2023 में विचित्र बीमारियां दिखेंगी लेकिन उनसे हानि कम होगी। देश की सीमाओं पर तनाव होगा। सत्ता में बैठे लोगों के बीच मनमुटाव बढ़ेगा। भारत के पूर्वी हिस्से में नुकसान हो सकता है। राजनीति का स्तर और नीचे जाएगा। 2023 में जून के बाद एक ऐसे बड़े नेता का वर्चस्व बढ़ेगा जिसे कमजोर और अपरिपक्व समझा जाता है। अगले साल धन का भारी कमी महसूस होगी। महंगाई से लोग बेहाल रहेंगे। तिलहन में लगी आग मार्च तक सुलगती रहेगी। विश्व में अभी कई और घोटालों का भंडाफोड़ होगा। आगामी मार्च तक युद्ध, विमान-रेल-सड़क दुर्घटनाएं होंगी। प्राकृति आपदाएं बढ़ेंगी। अग्निकांड, जलप्लावन, मिसाइट अटैक का असर एशिया से ज्यादा बाकी दुनिया पर पड़ेगा। कई राष्ट्रों के मान-सम्मान व हितों पर चोट पहुंचेगी। कई देशों के मुखिया, खेती से जुड़े लोग बेचैन रहेंगे। अनाज का भाव बहुत कम समय के लिए गिरेगा। आगामी 17 जनवरी के बाद फिल्म उद्योग पर लगा ग्रहण समाप्त हो जाएगा। लेखकों के भी दिन बहुरेंगे। 2024 के चुनाव परिणाम हैरत में डाल देंगे। कांग्रेस को अधिक सीटें तो नहीं मिलेंगी लेकिन वह सत्तारूढ़ दल को तनाव में लाने में सफल रहेगी। हर प्रकार की विचारधाराओं को मानने वाले नेता ईश्वर को याद करेंगे। कुछ चुनिंदा लोग ही धनवान होंगे और समाज में असमानता बढ़ेगी। भारत-पाकिस्तान के रिश्तों में बहुत सुधार नहीं होगा। दुनिया के एक बड़े नेता के अवसान स्तब्ध करेगा। पश्चिमी राष्ट्रों में फिर झड़प होगी और मानवजनित एवं प्राकृतिक स्तर पर विनाश होगा।

हमने प्रकृति से लिया लेकिन दिया नहीं

ध्यान दीजिए कि किसी बाग में अलग-अलग रंग के फूल क्यों हैं। वास्तव में प्रकृति से हरएक फूल ने वो तत्व खींच लिया जिसकी उसे आवश्यकता है। आज जाने-अनजाने में हमने भी प्रकृति से बहुत कुछ लिया है, वो हमें मिला। और जो कुछ मिला उसे हमने ही अलग ढंग से रच-गढ़ दिया। हमें प्रकृति को भी देना चाहिए। बाहर से हमारा जीवन चाहे जैसा भी हो, यदि हम चाहें तो जीवन को अंदर से विलक्षण बना सकते हैं।